दैनिक जागरण

स्वास्थ्य सबसे बड़ी संपदा है

भारत-चीन संबंध

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए प्रस्तावित चीन यात्रा इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है कि यह चीन के साथ संबंध सुधारने के साथ वैश्विक समीकरणों में बदलाव का जरिया भी बन सकती है। इसलिए बन सकती है कि एक तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मनमानी टैरिफ नीति से अनेक देश आजिज आ गए हैं और दूसरे, आतंकवाद के पोषक एवं पहलगाम में आतंकी हमले के जिम्मेदार पाकिस्तान के खिलाफ भारत की साहसिक सैन्य कार्रवाई पर उनका रवैया बहुत ही विचित्र और पाकिस्तानपरस्ती वाला रहा। इसका ताजा प्रमाण ट्रंप का जिहादी सोच वाले पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर से मुलाकात करना रहा। मुनीर पाकिस्तान के शासनाध्यक्ष नहीं हैं, पर सब जानते हैं कि वही वहां के सबसे ताकतवर व्यक्ति हैं। ट्रंप ने इस जिहादी जनरल की प्रशंसा के पुल ही नहीं बांधे, ऐसे भी संकेत दिए कि वे पाकिस्तान की धोखेबाजी और उसके आतंकी चेहरे की जानबूझकर अनदेखी कर ईरान के खिलाफ उसका इस्तेमाल करना चाहते हैं, जो इन दिनों इजरायल के निशाने पर है। अमेरिका ने पहले भी अपने संकीर्ण हितों के लिए पाकिस्तान को गले लगाया है, लेकिन अब ट्रंप का ऐसा करना भारत के लिए चिंता की बात है। हालांकि बीते दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप से फोन पर बात करते समय कश्मीर और आपरेशन सिंदूर पर उन्हें खरी-खरी सुनाई, लेकिन लगता नहीं कि वह पाकिस्तानपरस्ती का परित्याग करेंगे। ऐसे में भारत के लिए उनसे सतर्क होना और चीन जैसे देशों के इरादों को टटोलना आवश्यक है।

चीन भी बदले हालत में भारत से संबंध सुधारना चाहता है। वह यह भी जान रहा है कि ट्रंप पाकिस्तान को उसके पाले से निकालना चाहते हैं। पता नहीं ट्रंप ऐसा कर पाएंगे या नहीं, लेकिन यह अच्छा है कि रूस को भी ट्रंप का रवैया नहीं भा रहा है। रूस से भारत के अच्छे संबंध हैं और वे अमेरिका और यूरोप की आपत्ति के बाद भी कायम हैं। रूस शंघाई सहयोग संगठन का महत्वपूर्ण सदस्य है। भारत 2001 में स्थापित इस संगठन का सदस्य बाद में बना और फिर पाकिस्तान जैसे देश भी उससे जुड़े। यह उल्लेखनीय है कि गलवन में चीनी सेना से खूनी झड़प के बाद भारतीय रक्षा मंत्री पहली बार चीन जा रहे हैं। वहां उनकी द्विपक्षीय मुलाकात अन्य देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ चीनी रक्षा मंत्री से भी हो सकती है। पिछले कुछ समय से भारत-चीन संबंध सुधरते दिख रहे हैं। भारतीय रक्षा मंत्री की चीन यात्रा सीमा विवाद सहित अन्य मुद्दों को भी सुलझाने की राह खोल सकती है, लेकिन भारत को उससे सतर्क भी रहना होगा। वह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ इस्तेमाल करता है और सब जानते हैं कि पहलगाम आतंकी हमले पर उसका रवैया भारत विरोधी ही था।

मृत शिशु की प्रार्थना

उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था की बेहतरी के बीच कुछ लोगों की लापरवाही भारी पड़ जा रही है। हाल ही में एक ऐसा मामला हापुड़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का सामने आया है। यह बताया गया है कि रात में महिला को प्रसव पीड़ा हुई तो वहां अंधेरा था। महिला के स्वजन ने मोबाइल फोन से वहां रोशनी की। महिला ने इसी समय बेटे को जन्म दिया। यहां भर्ती दूसरी महिला का भी प्रसव इसी अंधियारे में ही हुआ। जन्म लेने के कुछ देर बाद ही दोनों नवजात की हालत बिगड़ने लगी। स्वजन का आरोप है कि वहां मौजूद चिकित्सक ने शिशु को आक्सीजन देने की बात कही, लेकिन बिजली नहीं होने से आक्सीजन भी नहीं मिल पाई। हालात की संवेदनशीलता को देखते हुए चिकित्सक ने दोनों नवजातों को दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया। उस समय अस्पताल में खड़ी एंबुलेंस के चालक से चलने को कहा गया तो उसने यह बताया कि दूसरी एंबुलेंस जाएगी। नाजुक हालत के बीच 45 मिनट की देरी हो गई। हद यह कि जच्चा-बच्चा को जिस एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, उसमें भी आक्सीजन की सुविधा नहीं थी। इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि दोनों शिशुओं की मौत हो गई। इस प्रकरण की ठीक से जांच और दोषी पर कार्रवाई होनी चाहिए। प्रसव योग्य अस्पताल में इतनी बुनियादी सुविधाएं तो होनी ही चाहिए। जो नवजात दुनिया देखे बिना धराधाम छोड़ गए, वे अब लौटकर नहीं आएंगे, परंतु उनकी प्रार्थना होगी कि जो आगे जन्म लें, उनकी सलामती सुनिश्चित हो। यह हमारी समूची व्यवस्था पर भी सवाल है, लिहाजा सभी को चेतने की जरूरत है।

दम तोड़ गए नवजात लौटकर नहीं आएंगे, पर जो आगे जन्म लेंगे उनकी सलामती सुनिश्चित हो

आर्थिक अस्थिरता भी बढ़ा सकता है यह युद्ध

आदित्य सिन्हा

ईरान और इजरायल टकराव अभी अपनी आरंभिक अवस्था में है। यदि यह लंबा खिंचता है तो भारत समेत विश्व को वित्तीय मोर्चे पर कहीं ज्यादा बड़े झटके लगेंगे

पश्चिम एशिया में तनाव फिर से भड़ककर सीधे युद्ध में बदल गया। लगता है अस्थिरता ही इस क्षेत्र की पहचान बन गई है। ईरान- इजरायल के बीच सैन्य टकराव बढ़ते ही तेल की कीमतें आसमान चढ़ने लगीं। इस क्षेत्र में व्यापक खेमेबाजी एवं प्रतिद्वंद्विता ने विभाजन की रेखाओं को गहरा कर दिया है। अब तो इजरायल और ईरान, दोनों एक-दूसरे की राजधानी पर बमबारी में लगे हैं। जहां पूरी दुनिया यही उम्मीद लगाए बैठी है कि यह तूफान भी जल्द थम जाए, वहीं सच यह है कि लड़ाई का दायरा बढ़ते ही जोखिम भी बढ़ते जाएंगे। इस कारण वैश्विक मोर्चे पर आर्थिक दुष्प्रभाव आसन्न दिखते हैं। वैसे तो ईरान और इजरायल लंबे समय से छद्म लड़ाई में उलझे हुए हैं, पर अब वह प्रत्यक्ष युद्ध में बदल गई है। धुंधलाती रेखाओं के बीच छिटपुट गलतियां पूरे क्षेत्र को युद्ध की जद में धकेल सकती हैं।

परमाणु संघर्ष के साये को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। ईरान की जिस यूरेनियम संवर्धन इकाई को बमबारी से ध्वस्त किया गया, वह अब भी संचालन की स्थिति में बताई जाती है। कहा जा रहा है कि ईरान महज कुछ हफ्तों के भीतर परमाणु बम बनाने लायक यूरेनियम संवर्धित कर सकता है। इजरायल जिस तरह ईरान के अन्य परमाणु ठिकानों को निशाना बना रहा है, उसके कारण इसकी आशंका बढ़ गई है कि ईरान प्रतिरोध के साथ संहारक के रूप में भी आक्रामक परमाणु मुद्रा अपना सकता है। यदि ऐसा होता है तो एक अंतहीन सिलसिला शुरू हो सकता है, जिसमें सऊदी अरब से लेकर तुर्किये तक शामिल हो सकते हैं। लंबे समय से ठंडे बस्ते में पड़ी परमाणु होड़ के नए सिरे से तेज होने का जोखिम बढ़ सकता है। इजरायल और ईरान से इतर सीरिया भी लड़ाई का एक अखाड़ा पहले से बना है। उसे लेकर तुर्किये और इजरायल भिड़े हुए हैं। असद शासन के पतन के बाद तुर्किये जहां सीरिया में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा है, वहीं इजरायल को यह रास नहीं आ रहा है। दोनों जुबानी जंग में भी उलझे हैं। इजरायल समर्थित और तुर्किये विरोधी कुर्दिश मिलिशिया भी एक खिलाड़ी है। एक समय खाड़ी देशों और ईरान के बीच छद्म युद्ध का मैदान बना सीरिया अब त्रिकोणीय संघर्ष का मंच बन गया है।

पश्चिम एशिया में सारी उथल-पुथल उस इलाके में चल रही है, जहां से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के तार जुड़े हुए हैं। ईरान के दक्षिणी तट के निकट एक संकरे स्थान होरमुज स्ट्रेट से ही विश्व के करीब एक तिहाई तेल की ढुलाई होती है। टकराव बढ़ने से इसमें गतिरोध या आपूर्ति के बंद होने का जोखिम बढ़ जाता है। हैरानी नहीं कि ईरान पर इजरायल के हमलों के तुरंत बाद तेल की कीमतें करीब नौ-दस प्रतिशत तक बढ़ गईं। यह यूक्रेन युद्ध के बाद तेल की कीमतों में आई सबसे बड़ी तेजी है। ब्रेंट क्रूड करीब 75 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। यदि ईरान के तेल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर इजरायली हमले जारी रहे तो यह भाव 100 डालर प्रति बैरल तक भी पहुंच सकता है। यदि कोई मिसाइल सऊदी आयलफील्ड पर गिर जाए या ईरान होरमुज स्ट्रेट बंद कर दे तो स्थितियां और बिगड़ सकती हैं। तब कीमतें 120 डालर प्रति बैरल को पार कर सकती हैं। बाजार पर बढ़ती तेल कीमतों का असर दिखने लगा है। इजरायली मुद्रा शेकेल दबाव में है तो जार्डन से लेकर मिस्र जैसे तमाम देशों में बांड पर प्रतिफल भी प्रभावित हुआ है। खाड़ी देशों विशेषकर दुबई और अबूधाबी के शेयर बाजार में रियल एस्टेट, विमानन और बीमा कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखी जा रही है। निवेशक सोना, चांदी जैसे सुरक्षित विकल्पों का रुख कर रहे हैं। राजनीतिक जोखिम बढ़ने के साथ ही पूंजी पलायन और अस्थिरता का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। यह तब है, जब यह संकट अपनी आरंभिक अवस्था में है। यदि यह और ज्यादा बढ़ता है तो वित्तीय मोर्चे पर कहीं ज्यादा बड़े झटके लगेंगे।

कूटनीतिक कवायद ने स्थिति को और अनिश्चित बना दिया है। ट्रंप ने ईरान पर सख्ती बढ़ाने व इजरायल का साथ देना तय किया है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश सतर्कता बरत रहे हैं। ईरान के प्रतिकार में वे भले ही छिपे तरीके से इजरायल का समर्थन करें, पर उन्हें इसकी भी चिंता है कि यह टकराव कहीं उनकी सीमा तक न आ पहुंचे। रियाद यह नहीं भूल सकता कि 2018 में जब ईरान से तेल खरीदने वालों को राहत देने के लिए अमेरिका के अनुरोध पर उसने अपना उत्पादन बढ़ाया, तो कीमतें गिर गई थीं। इस बार खाड़ी देश यह नहीं चाहते।

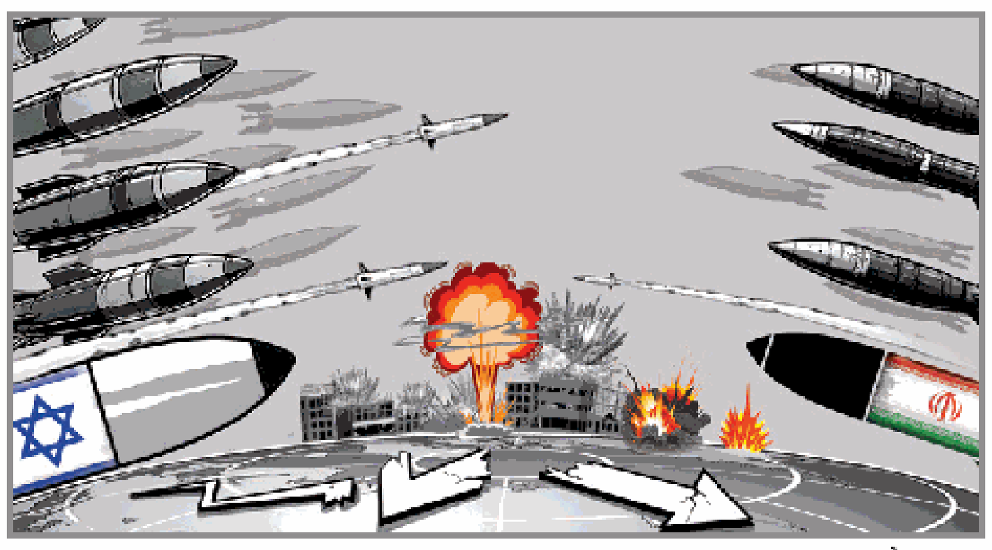

अवधेश राजपूत

भारत के लिए ईरान-इजरायल जंग के क्या निहितार्थ हैं? पहला और स्वाभाविक प्रभाव तो ऊर्जा मोर्चे पर है। भारत अपनी आवश्यकता का 80 प्रतिशत से अधिक तेल आयात करता है, जिसमें बहुलांश हिस्सेदारी खाड़ी देशों की है। यदि कच्चे तेल की कीमतें 100 डालर प्रति बैरल से ऊपर जाती हैं तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने के साथ ही महंगाई तेजी पकड़ेगी। इससे परिवहन, निर्माण से लेकर खाद्य वस्तुएं प्रभावित होंगी। दूसरा प्रभाव व्यापार में गतिरोध से जुड़ा है। चूंकि भारत के व्यापार का एक बड़ा हिस्सा अरब सागर और होरमुज स्ट्रेट के जरिये होता है, इसलिए वहां अस्थिरता बढ़ने का असर उर्वरक, रसायन और इलेक्ट्रानिक्स जैसी अन्य अनेक वस्तुओं की आपूर्ति पर पड़ सकता है। तीसरा बिंदु वित्तीय प्रभाव से जुड़ा है। पश्चिम एशिया में टकराव लंबा खिंचने से रुपये पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे रिजर्व बैंक के लिए मौद्रिक नीति की राह फिसलन भरी हो जाएगी। शेयर बाजार भी इसकी तपिश महसूस करेगा। एविएशन और लाजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों को इसकी मार झेलनी होगी। निवेशकों का भरोसा और पूंजी प्रवाह की दिशा प्रभावित होने के साथ ही आर्थिकी पर दबाव बढ़ेगा। इस सबसे निपटने के लिए भारत ने अभी तक संतुलित कूटनीतिक रणनीति अपनाई है। उसने ईरान, इजरायल और खाड़ी देशों को साधने के प्रयास किए हैं। टकराव बढ़ने पर भारत के लिए चुनौतियां बढ़ जाएंगी। तटस्थता का भाव रखते हुए रणनीतिक हितों की पूर्ति, भारतवंशियों की सलामती और ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से यह बड़ी परीक्षा की घड़ी है।

(लेखक लोक-नीति विश्लेषक हैं)
response@jagran.com

सेहत संग आजीविका का भी साधन योग

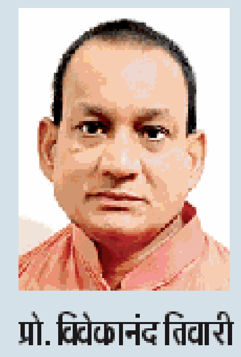

प्रो. विवेकानंद तिवारी

आज योग भारत के साथ दुनिया भर में स्वास्थ्य रक्षा के साथ-साथ पूंजी निर्माण का भी माध्यम बन गया है

कुछ समय पहले तक जिस योग को ऋषि-मुनियों की साधना और स्वस्थ जीवन का आधार समझा जाता था, आज वह अधिकाधिक लोगों की ओर से अपनाए जाने वाले सेहत के प्रभावी उपाय के साथ तेजी से बढ़ने वाला कारोबार भी है। योग भारत की प्राचीनतम विधाओं में से एक है और इसे अब वैश्विक मान्यता भी मिल गई है। योग को समूचे विश्व के लिए भारत का अनुपम उपहार कहा जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रयास से 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के संयुक्त राष्ट्र के निर्णय से भारतीय परंपरा की यह जीवन पद्धति विश्व पटल पर स्वीकार की जा रही है। इसे भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव के तौर पर भी देखा जाना चाहिए। योग वह माध्यम है, जिससे भारतीय सभ्यता-संस्कृति का वैश्विक स्तर पर प्रचार-प्रसार हो रहा है। योग एक विचार नहीं, बल्कि भारतीय जीवन पद्धति है, जिसमें भारतीय जीवन मूल्य समाहित हैं। शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के साथ आध्यात्मिक उन्नति के लिए योग की आवश्यकता एवं महत्व को जैन, बौद्ध, सिख दर्शन समेत प्रायः सभी भारतीय दर्शनों ने स्वीकार किया है। उनमें योग का महत्व सर्वमान्य है।

1990 के प्रारंभ में पश्चिमी देशों में हुए वैज्ञानिक शोधों से यह निकलकर आया था कि आधुनिक जीवनशैली के कारण होने वाली अनेक बीमारियों के प्रभावी उपचार में योग अचूक है। विश्व की श्रेष्ठ नौकरियों की सूची में योग शिक्षक-प्रशिक्षक भी शामिल हैं। आज तमाम देशों में योग प्रशिक्षकों के लिए नौकरी के मौके बढ़ रहे हैं। अमेरिका में एक अनुभवी योग टीचर की औसतन सालाना कमाई 42 हजार डालर से अधिक होती है। अमेरिका, ब्रिटेन, चीन आदि में योग एक बड़े उद्योग का रूप ले चुका है। विश्व में योग परिधानों का बाजार करीब 31.1 अरब डालर का और योग मैट का कारोबार 13 अरब डालर का है। योग में वेलनेस टूरिज्म, योग रिट्रीट आदि का 915 अरब डालर का कारोबार है। इसके अलावा योग को लेकर दुनिया भर में तरह-तरह के एप विकसित कर लिए गए हैं, जिनसे अच्छी कमाई हो रही है। ऐसे एप बनाने वाली देसी-विदेशी कंपनियों का कारोबार अरबों डालर तक पहुंच चुका है। योग की

ताशकंद में विशेष योग शिविर का आयोजन। एएनआइ

बढ़ती लोकप्रियता से प्रभावित होकर संस्कृत और हिंदी सीखने वालों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। भाषा सिखाने वाले डुओलिंगों के अनुसार विभिन्न भाषा सीखने वाले तमाम लोग हिंदी सीखना चाहते हैं। भारत के बाहर पहले योग विश्वविद्यालय की स्थापना लास एंजिलिस में की गई थी।

योग दिवस शुरू होने का अमेरिका में योग बाजार पर कितना बड़ा प्रभाव पड़ा है, इसकी बानगी इन आंकड़ों में दिखती है। 2008 में करीब डेढ़ करोड़ लोग योग करते थे, लेकिन 2016 में यह संख्या बढ़कर 3.67 करोड़ पर पहुंच गई। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा था, 'अमेरिका में लोग अपने स्वास्थ्य और समग्र ध्यान में सुधार के लिए योग अपना रहे हैं।' जर्मनी के सामान्य स्कूलों के बच्चों को भी स्वैच्छिक आधार पर योग सिखाया जा रहा है। ब्रिटेन में पहला योग स्कूल भारत में ब्रिटिश राज के एक अधिकारी रह चुके सर पास ड्युक्स ने 1949 में एपिंग में खोला था। 1965 में 'ब्रिटिश व्हील आफ योगा' की स्थापना हुई। वहां प्रौढ़ शिक्षा के तहत 1970 के बाद से पूरे देश में सैकड़ों योग-कक्षाएं भी लगने लगीं और अनेक प्राइवेट स्कूल भी खुलने लगे। योगाभ्यास और उससे जुड़ी वस्तुओं-सेवाओं का ब्रिटिश बाजार एक अरब डालर से अधिक आंका जाता है। 1989 में कम्युनिस्ट तानाशाही के अंत और 1993 में स्लोवाकिया के अलग हो जाने के बाद चेक गणराज्य में योग की जड़ें गहराई तक जम गईं। ईरान, अरब देशों और यहां तक कि पाकिस्तान समेत कई इस्लामिक देशों ने भी योग की महत्ता को समझा और उसे स्वीकार किया। सऊदी अरब की योग प्रशिक्षक को पद्म सम्मान भी मिल चुका है। योग पंथ, संप्रदाय और क्षेत्र से परे सर्वमान्य हो रहा है। इसका कारण यह है कि उससे लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है। खास बात यह है कि स्थाई लाभ मिल रहा है। लोग असाध्य रोगों से भी मुक्त हो रहे हैं। इसी कारण उसकी लोकप्रियता बढ़ रही है।

भारत में योग का बाजार 490 अरब रुपये का हो चुका है। एक शोध के अनुसार यह जल्द ही 875 अरब डालर तक पहुंच सकता है। भारत में योग और आयुर्वेद से जुड़े उत्पादों का बाजार 12 हजार करोड़ रुपये का हो चुका है। एक सर्वे के अनुसार योग करने वालों की संख्या में 35 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। योग से जुड़े उत्पाद बनाने वाली कंपनियां भी तेजी से बढ़ी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में योग सीखने वालों की संख्या करीब 25 करोड़ है। अपने देश में ही योग ट्रेनिंग का कारोबार करीब तीन हजार करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है। योग साधना का माध्यम भी है तो कमाई का साधन भी। अपने देश में 300 से लेकर 1500 रुपये तक योग सिखाने की फीस प्रति घंटे के हिसाब से ली जाती है। अमेरिका, आस्ट्रेलिया जैसे देशों में तीन से पांच घंटे तक की फीस तीन-पांच हजार डालर तक है। रूस, चीन, यूरोप के साथ अन्य देशों में बड़ी संख्या में भारतीय ट्रेनर जा रहे हैं और वहां से लोग ट्रेनिंग लेने भारत भी आ रहे हैं। कुल मिलाकर योग स्वास्थ्य के साथ-साथ पूंजी निर्माण का भी साधन बन चुका है।

(लेखक हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में आंबेडकर पीठ के अध्यक्ष हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

योग का महत्व

योग भारतवर्ष की अति प्राचीन विद्या है। योग एक ऐसी आध्यात्मिक क्रिया है जो हमारे शरीर, मन एवं आत्मा को परिमार्जित करके हमें ईश्वर के साथ जोड़ती है। महर्षि पतंजलि ने योग का अर्थ स्पष्ट करते हुए कहा है कि चित्त में चलने वाली अनंत वृत्तियों, जन्म-जन्मांतर के मलिन संस्कारों का निरोध करना ही योग है। मन की नकारात्मक आसुरी वृत्तियां ही हमारे जीवन की उन्नति में सबसे बड़ी बाधक हैं। शरीर एवं मन का गहरा संबंध है। मन का जैसा चिंतन होता है, शरीर भी उसी दिशा में आगे बढ़ता है। शारीरिक एवं मानसिक क्षमताओं में वृद्धि का आधार योग ही है। योग क्रियाएं शरीर को परिपुष्टता प्रदान करती हैं। हमारे शरीर को नई आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण करती हैं।

आज की विकृत जीवन शैली से उपजे रोगों का निराकरण योग पद्धति के आचरण से ही संभव होता है। शास्त्रों में उल्लेख है, 'जिसने अपने शरीर को योग रूपी अग्नि में तपा लिया है, उसके शरीर से रोग एवं अकाल मृत्यु भी दूर रहती है।' हमारे वैदिक ग्रंथ इस योग विद्या के आधार स्तंभ हैं। गोरक्ष संहिता में इस योग की महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया है कि वेद रूपी कल्पवृक्ष का फल योगशास्त्र है। इस योगशास्त्र के सेवन से संसार के तीन प्रकार के तापों का भी शमन होता हैं। योग वशिष्ठ ग्रंथ में मुनि वशिष्ठ ने श्रीराम को योग का सूक्ष्म अर्थ बताते हुए कहा है, 'यह योग ही संसार सागर को पार करने की दिव्य नौका है।'

पूरे विश्व ने योग के महत्व को स्वीकार किया है। योगाभ्यास से मनुष्य के मन में आनंद, ज्ञान, शांति, एकाग्रता और शक्ति का संचार होता है। योग मनुष्य को जीवन जीने की कला से परिचित कराता है। मनुष्य के व्यक्तित्व के समग्र विकास का मार्ग इसी योग पद्धति से खुलता है। आध्यात्मिक शब्दावली में हमारे ऋषियों ने कहा है कि योग ही हमारे आत्मा को आनंद के भंडार परमात्मा से जोड़ता है।

आचार्य दीप चंद भारद्वाज

नई गणनाओं से बिग बैंग पर उठे सवाल!

प्रदीप

ब्रह्मांड की उत्पत्ति यानी बिग बैंग संबंधी स्थापित मान्यताओं से इतर व्याख्या सामने आई है

ब्रह्मांड की उत्पत्ति यानी बिग बैंग संबंधी हमारी स्थापित मान्यताओं को चुनौती देने वाली नई गणनाएं सामने आई हैं। यूनिवर्सिटी आफ बान, प्राग और नानजिंग के अध्येताओं का कहना है कि प्रारंभिक ब्रह्मांड में बनने वाली दीर्घवृत्ताकार मंदाकिनियां (गैलेक्सीज) कास्मिक माइक्रोवेव बैकग्राउंड के एक अहम हिस्से की वजह हो सकती हैं- वही सीएमबी जिसे अब तक बिग बैंग सिद्धांत का सबसे मजबूत साक्ष्य माना जाता रहा है। यह आदिम प्रकाश न केवल प्रारंभिक ब्रह्मांड की तस्वीर प्रस्तुत करता है, बल्कि यह इसकी भी व्याख्या करता है कि प्रारंभिक मंदाकिनियां कैसे अस्तित्व में आईं।

शोधकर्ताओं की एक टीम हमारे ज्ञान को अब एक नई दिशा में मोड़ रही है। उनके अनुसार, सीएमबी की तीव्रता का आकलन संभवतः बहुत अधिक किया गया है। यदि यह बात प्रमाणित होती है, तो आधुनिक ब्रह्मांड विज्ञान की कई मौलिक धारणाओं पर पुनर्विचार की आवश्यकता होगी। मानक ब्रह्मांडीय माडल के मुताबिक, ब्रह्मांड की उत्पत्ति लगभग 13.8 अरब वर्ष पहले एक महाविस्फोट बिग बैंग से हुई थी। उस क्षण के बाद अंतरिक्ष, समय और पदार्थ अस्तित्व में आए और ब्रह्मांड तेजी से फैलने लगा। पहले 3.8 लाख वर्षों में यह इतना ठंडा हो गया कि इलेक्ट्रान और प्रोटान मिलकर तटस्थ हाइड्रोजन परमाणु बना सके।

यह महत्वपूर्ण मोड़ था, क्योंकि इसके बाद प्रकाश पहली बार स्वतंत्र रूप से अंतरिक्ष में यात्रा कर सका। यही वह क्षण था जब सीएमबी की उत्पत्ति हुई- यह प्रारंभिक ब्रह्मांड का पहला प्रकाश था। दावा है कि दीर्घवृत्ताकार मंदाकिनियां, जो ब्रह्मांड में सबसे पहले बनी थीं, शायद इस विकिरण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा स्वयं उत्सर्जित कर रही थीं। शोधकर्ताओं की गणना के अनुसार, कम-से-कम 1.4 प्रतिशत विकिरण का स्रोत ये मंदाकिनियां हो सकती हैं और शायद उससे भी अधिक! यह दावा यूं ही नहीं है। शोध में प्रारंभिक मंदाकिनियों की स्थिति, उनके निर्माण की अवधि और उस समय उनके द्वारा उत्सर्जित तीव्र प्रकाश का विश्लेषण किया गया है। यह पाया गया कि दीर्घवृत्ताकार मंदाकिनियां कुछ लाख वर्षों के भीतर बन गई थीं।

यदि कास्मिक माइक्रोवेव बैकग्राउंड का एक अंश किसी अन्य स्रोत से आया है, तो वह प्रारंभिक ब्रह्मांड की 'झलक' नहीं हो सकता, जैसा कि अब तक माना गया है। इसका सीधा प्रभाव हमारे इस विश्वास पर पड़ता है कि सीएमबी विकिरण पूरी तरह से बिग बैंग के समय की संरचना को दर्शाता है। यहां एक और उलझन है- अब तक सीएमबी की सूक्ष्म असमानताओं को यह प्रमाण मानकर समझाया जाता था कि प्रारंभिक ब्रह्मांड में गैस समान रूप से वितरित नहीं थी और इन्हीं क्षेत्रों में गुरुत्वाकर्षण से तारे-मंदाकिनियां बनीं। लेकिन यदि विकिरण का एक हिस्सा उन मंदाकिनियों से ही आ रहा है और वे भी समान रूप से वितरित नहीं थीं, तो इनकी व्याख्या दोबारा करनी पड़ सकती है।

(लेखक विज्ञान संचारक हैं)

मेलबाक्स

आतंक को लेकर न हो कोई समझौता

'अमेरिका-पाकिस्तान फिर एक साथ' शीर्षक से लिखे आलेख में श्रीराम चौलिया ने बताया है कि अमेरिका अपने भू-राजनीतिक लक्ष्य को साधने के लिए पाकिस्तान के साथ पूर्व में भी था और आगे भी रहेगा, क्योंकि महाशक्तियों की रणनीति एक देश के हितों तक सीमित नहीं रहती। इसका यह कतई मतलब नहीं है कि अमेरिका के साथ भारत के संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पाकिस्तान की सीमा अफगानिस्तान, ईरान और चीन से भी लगती है। चीन भारत के पड़ोस में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है और उसके अमेरिका के साथ संबंध इन दिनों बहुत अच्छे नहीं हैं। ऐसे में अगर पाकिस्तान को चीन से दूर करने में अमेरिका सफल रहता है तब इसका लाभ भारत को भी मिलेगा, क्योंकि चीन भारत के लिए बड़ी चुनौती है। इसके बावजूद पाकिस्तान के आतंकी मंसूबे और उनके क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति के लिए खतरे की बात भी अमेरिका को समझानी भी होगी। आतंकवाद के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। यह एकदम स्पष्ट होना चाहिए।

मुकेश कुमार मनन, पटना

न्याय सबके लिए समान

शुक्रवार को प्रकाशित अग्रलेख 'अब तो पद छोड़ें' में जस्टिस वर्मा के कदाचार पर जांच समिति की रिपोर्ट द्वारा मुहर लगाने के बाद नैतिकता के आधार पर स्वतः पदत्याग का मुद्दा उठाया गया है। न्यायतंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हो चुकी हैं कि माननीय न्यायाधीश महोदय भी इसके प्रभावों से अछूते नहीं रह सके हैं। कायदे से देखा जाए तो जब अधजले नोट मिले थे, तभी उनकी नीयत में खोट जगजाहिर हो गया था और उन पर कानून की चोट हो जानी थी, परंतु न्यायाधीश महोदय के विशेषाधिकारों के कारण ऐसा संभव नहीं हो पाया। महाभियोग की प्रक्रिया के माध्यम से ही न्यायमूर्ति को हटाने की कवायद भी लंबी चलती है, इस तरह तंत्र की खामी का अनुचित फायदा उठाकर वे अपने पद पर बने रहे। लेकिन अब जबकि उन पर लगे आरोप सही साबित हो चुके हैं तो अपेक्षित कानूनी कार्रवाई में लेटलतीफी करना उचित नहीं होगा। यथासंभव शीघ्र इस प्रकरण का निराकरण किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे न्यायतंत्र और उसकी कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लग चुके हैं। पद के दुरुपयोग का इससे बड़ा उदाहरण और कहां देखने को मिलेगा? माननीयों के कदाचार संबंधी मामलों में वर्तमान कानून में सुधार की गुंजाइश को नकारा नहीं जा सकता। अन्य भ्रष्ट जजों की भी गहनता से जांच करके उनके विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए।

मोहित सोनी, कुक्षी, मध्य प्रदेश

आत्मदर्शन की प्रक्रिया

योग कोई क्रिया नहीं, बल्कि एक स्थिति है जहां मन मौन होता है और आत्मा जागृत। यह भारत की हजारों वर्षों की चिंतन-परंपरा का निचोड़ है, जो मनुष्य को केवल स्वस्थ नहीं, समग्र बनाता है। आज का विश्व भौतिक प्रगति की दौड़ में थक चुका है, मानसिक तनाव, जीवनशैली जनित रोग और सामाजिक विघटन हर कोने में चिंता बन चुका है। ऐसे में योग, भारत की ओर से दिया गया वह सर्वकालिक उत्तर है, जो केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि विचारों और संवेदनाओं को भी संतुलन देता है। योग का उद्देश्य न कोई आसन है, न प्रदर्शन। यह तो आत्मदर्शन की प्रक्रिया है, जो भीतर के विक्षोभ को शांति में रूपांतरित करती है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने भीतर के द्वंद्वों को कैसे साधें और बाहरी असंतुलन के बीच भी संतुलन कैसे बनाए रखें। आवश्यकता केवल योग सत्रों की नहीं, योग संस्कृति की है जो विद्यालयों में बच्चों की सोच को विस्तार दे, युवाओं के भीतर संयम के बीज बोए और कार्यस्थलों पर तनाव को समाधान में बदले। ऐसे में योग दिवस पर हम योग को केवल उत्सव नहीं, उद्यम बनाएं। इसे एक अभियान की तरह अपनाएं जिसका उद्देश्य हो आत्मिक संतुलन, सामाजिक समरसता और वैश्विक शांति। भारत का यह ज्ञान विश्व का मार्गदर्शन करे यही योग का वास्तविक अर्थ है।

अमन सिंह गौर, बीएचयू, वाराणसी

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: response@jagran.com

संस्थापक- स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक- स्व. नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन- महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक- संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

200 बाइकों पर सवार होकर पहुंचे हथियारबंद लोगों ने माली की सीमा के पास नाइजर के सैन्य अड्डे पर हमला बोला और 34 सैनिकों की हत्या कर दी। यह पता नहीं चल पाया है कि हमला किस समूह ने किया है।

इजरायली हमलों के बीच परमाणु मुद्दे पर अमेरिका से बात नहीं करेगा ईरान

यूरोपीय नेताओं से वार्ता में ईरानी विदेश मंत्री की दो टूक

ईरान के बीरशेबा और हाइफा पर फिर से मिसाइल हमले

- ईरान के परमाणु व सैन्य ठिकानों पर इजरायली हमले जारी
- ईरान से निपटने में इजरायल अकेले ही सक्षम : नेतन्याहू

तेहरान, रायटर : ईरान ने साफ कर दिया है कि इजरायली हमलों के बीच वह परमाणु मसले पर किसी से वार्ता नहीं करेगा। ईरान ने यह बात यूरोपीय देशों से बातचीत में कही है। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी व यूरोपीय संघ परमाणु मसले पर ईरान की अमेरिका से वार्ता शुरू कराने की कोशिश में हैं। वहीं, युद्ध के आठवें दिन शुक्रवार को इजरायल ने ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों को फिर निशाना बनाया, जवाब में ईरान ने बीरशेबा शहर को दूसरे दिन भी निशाने पर लिया। बीरशेबा स्थित माइक्रोसाफ्ट कंपनी के कार्यालय के समक्ष हुए हमले में छह लोग घायल हुए हैं, जबकि हाइफा पर हमले में 17 लोग घायल हुए हैं। ईरान में इजरायली हमलों के बीच जुमे की नमाज के लिए हजारों लोग घरों से बाहर निकले और उन्होंने एकजुट होकर इजरायल और अमेरिका के खिलाफ नारेबाजी की।

इजरायली सेना ने बताया है कि उसने ईरान में सैन्य ठिकानों, मिसाइल बनाने वाले कारखानों, शोध संस्थानों व परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले किए हैं। शुक्रवार को

जिनेवा में शुक्रवार को मानवाधिकार परिषद के विशेष सत्र को संबोधित करते ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची। रायटर

मध्य तेहरान के एक आवासीय भवन को भी निशाना बनाए जाने की सूचना है। वहीं, व्हाइट हाउस ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हमले के बारे में अभी निर्णय नहीं लिया है। वह दो सप्ताह बाद स्थितियों का आकलन कर अंतिम निर्णय लेंगे। इस बीच अमेरिका ईरान के साथ वार्ता की संभावना तलाशेगा और अपनी शर्तों पर समझौते के लिए उसे तैयार करने की कोशिश करेगा। अमेरिका के इस रुख के बाद इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उनकी सेना अकेले ही ईरान से निपटने में सक्षम है, जबकि जिनेवा पहुंचे ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने साफ किया कि इजरायल के हमलों के बीच उनका देश अमेरिका से बात करने का इच्छुक नहीं है। अगर परमाणु मसले पर वार्ता फिर से शुरू करनी है तो हमलों को रोकना होगा। ईरान ने यह बात प्रमुख यूरोपीय देशों के समकक्षों से बातचीत में कही है। ये प्रमुख देश 2015 में ईरान के साथ हुए अंतरराष्ट्रीय परमाणु समझौते में शामिल थे। अब ये तनाव कम करके दोनों पक्षों में वार्ता कराना चाहते हैं। अमेरिका इस समझौते से 2018 में बाहर आ गया था। वैसे अरागची की पश्चिम एशिया मामलों के अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकाफ से भी फोन पर बात हो रही है। पश्चिम एशिया का तनाव तब बढ़ा जब 13 जून को इजरायल ने ईरान पर हवाई हमले शुरू कर दिए। जवाब में ईरान भी इजरायल पर हमले कर रहा है। इजरायल का कहना है कि ईरान परमाणु हथियार बना रहा है जिससे उसे सबसे ज्यादा खतरा है। इसलिए वह ईरान की परमाणु ताकत व उन्नत मिसाइल बनाने की क्षमता को खत्म करने में जुटा है।

मुझे उम्मीद पाकिस्तान ईरान का साथ देगा : ईरानी राजनयिक

नई दिल्ली, एएनआइ : भारत में ईरानी मिशन के उप प्रमुख मोहम्मद जावेद हुसैनी ने इजरायल के साथ चल रहे संघर्ष के बीच उम्मीद जताई है कि पाकिस्तान उनका साथ देगा। हुसैनी ने चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान के पास ऐसी क्षमताएं हैं जिन्हें उन्होंने भविष्य के लिए सुरक्षित रखा है। उन्होंने कहा कि ये क्षमताएं अब भी अज्ञात हैं और इस क्षेत्र को जोखिम में नहीं डालना बेहतर है।

जब उनसे उन रिपोर्टों के बारे में पूछा गया कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख की अमेरिका यात्रा के बाद अमेरिकी पक्ष पाकिस्तान से मदद लेने के लिए उत्सुक है। साथ ही इस संघर्ष के दौरान अपनी योजनाओं में पाकिस्तान की धरती का उपयोग करना चाहता है। इस पर उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि पाकिस्तान ऐसा नहीं करेगा और इजरायल की आक्रामकता के खिलाफ ईरान के साथ खड़ा होगा। होसैनी ने कहा कि भारत जैसे देशों को ईरान की मदद करनी चाहिए और इजरायल की निंदा करनी चाहिए।

भूमिगत रेलवे स्टेशन बने इजरायली नागरिकों का सुरक्षा कवच

- रेलवे स्टेशनों व बस अड्डों के गोदामों में रात बिताने वाले बढ़े
- राहत का सामान लेकर हर शाम भागे आते हैं इजरायली नागरिक
- स्थानीय स्वयंसेवक सहमे बच्चों के लिए कर रहे हैं नाइट शो

ईरानी मिसाइल हमले की चेतावनी और सायरन के बाद इजरायल के तेल अवीव में शुक्रवार को भूमिगत स्थान पर शरण लिए नागरिक। एपी

रमात गान (इजरायल), एपी: ईरान के जवाबी हमलों ने इजरायलियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मिसाइलों के प्रहार से बचने के लिए लोगों ने परिवार समेत रेलवे के भूमिगत स्टेशनों को पनाहगाह बना लिया है। यहूदी परिवारों, विदेशी श्रमिकों व युवा पेशेवरों ने गद्दे, सोने के बैग, स्नैक्स और पालतू जानवरों के साथ भूमिगत रेलवे स्टेशनों में शरण लेना शुरू कर दिया है। सभी भय और भयावह परिस्थितियों के बावजूद तनाव कम करने के लिए इन स्टेशनों को रैन बसेरा बना चुके हैं।

हाल ही में एक शाम इजरायल के लाइट रेल प्रणाली के एक भूमिगत स्टेशन में अपने फुलाए हुए गद्दे पर बैठते ही अजीजा मेलेच ने पहली बार कई दिनों में अपने शरीर में आराम महसूस किया। अगले कुछ घंटों के लिए 34 वर्षीय इवेंट प्लानर को ईरानी मिसाइलों की चेतावनी देने वाली सायरन की आवाज सुनते ही भागने की जरूरत नहीं थी। तेल अवीव और पड़ोसी शहर रमात गान के बीच स्थित एक स्टेशन पर बुधवार रात माता-पिता ने अपने बच्चों को साफ्ट ट्वायज के साथ बिठाया, जबकि युवा लोग फिल्में देखने के लिए टैबलेट का उपयोग कर रहे थे। कई लोग पिज्जा के डिब्बे लेकर आए।

रेलवे स्टेशन पर रात बिताने वाले आधे लोग विदेशी श्रमिक हैं, जो अक्सर पुराने भवनों में रहते हैं, जो शरण लेने योग्य नहीं हैं, जबकि इजरायल में नए भवनों को मजबूत सुरक्षित कमरों के साथ बनाना अनिवार्य है। गरीबों की बस्तियों और कस्बों में विशेष रूप से अरब क्षेत्रों में शरण लायक सुरक्षित आश्रय की बहुत कमी है।

इजरायल में दस साल से रह रहे 48 वर्षीय भारतीय बाबू चिनाबेरी ने कहा, 'हम स्टेशन आए हैं क्योंकि हम मिसाइलों से बहुत डरे हुए हैं।' लाइट रेल स्टेशन ही नहीं, लोग शरण के लिए अन्य स्थानों की भी तलाश कर रहे हैं। हर रात शहर के सबसे बड़े माल में एक भूमिगत पार्किंग गैरेज में भी करीब 400 लोग सोते हैं। सहायता समूहों ने एक पार्किंग स्थल में सौ से अधिक तंबू लगाए हैं ताकि सोने के लिए थोड़ी गोपनीयता हो। तेल अवीव का केंद्रीय बस स्टेशन शरणस्थली के रूप में बरसों पहले तैयार किया गया था। यह मिसाइल हमले के दौरान इजरायल में सबसे सुरक्षित स्थानों में से एक माना जाता है। 45 वर्षीय रोई अस्राफ पिछली कुछ रातों से अपनी पत्नी और तीन वर्षीय बेटी के साथ रमात गान के रेलवे स्टेशन पर सो रहे हैं। हालांकि उनके घर में एक सुरक्षित कमरा है। उनका कहना है कि वह अनावश्यक जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। अब वह हर रोज अपनी बेटी को घर पर स्नान कराते हैं। पूरा परिवार आरामदेह पायजामों में शाम सात बजे तक रेलवे स्टेशन की ओर चल देता है। स्थानीय स्वयंसेवकों ने बच्चों को सोने से पहले सामान्य महसूस कराने के लिए रात को एक मनोरंजक शो करता है।

जब तेहरान में घुसकर खुफिया एजेंसी मोसाद ने हासिल किए थे परमाणु दस्तावेज

- 2018 में मोसाद की कार्रवाई ने ईरान के परमाणु रहस्यों को उजागर किया
- हासिल दस्तावेज से ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा हुई सार्वजनिक
- इसके बाद अमेरिका 2015 के परमाणु समझौते से बाहर हो गया

जेएनएन, नई दिल्ली

13 जून को तड़के इजरायल ने ईरान के प्रमुख परमाणु, सैन्य व खुफिया ठिकानों पर 100 से ज्यादा हवाई व ड्रोन हमले किए। इजरायल के लक्ष्य स्पष्ट थे-परमाणु संवर्धन संयंत्र, रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर मुख्यालय, मिसाइल भंडार और गुप्त ठिकाने। कई परमाणु और मिसाइल संयंत्र मलबे में तब्दील हो गए, पर इस हमले का फैसला कोई एक रात पहले किसी वार रूम में नहीं लिया गया था। इसके बीज कई साल पहले बोए गए थे।

तेहरान में इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद के छापे ने 2018 में दुनिया को चौंका दिया। इजरायली एजेंटों ने तेहरान के गोदाम से 500 किलो से ज्यादा परमाणु दस्तावेज हासिल कर लिए। इस आपरेशन ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को उजागर कर दिया था। 31 जनवरी, 2018 को मोसाद के एजेंट दक्षिणी तेहरान में एक अज्ञात गोदाम में घुस गए। सुबह की गार्ड शिफ्टिंग से पहले उनके पास छह घंटे, 29 मिनट का समय था। एक साल की निगरानी के बाद एजेंटों को हर विवरण पता था। 32 तिजोरियों को पिघलाने के लिए मशालों का उपयोग करते हुए उन्होंने बम डिजाइन वाले बाइंडरों को प्राथमिकता दी।

मोसाद के एजेंट 50 हजार पृष्ठ और 163 सीडी लेकर भाग गए। इनमें ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम के ब्लूप्रिंट, मेमो व डायग्राम थे। दस्तावेज ने ईरान की संदिग्ध परमाणु योजना को सार्वजनिक कर दिया। उन्होंने वारहेड मिनिएचर और शहाब-3 मिसाइलों में परमाणु उपकरणों को फिट करने की योजना का विवरण दिया। तीन माह बाद इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने इन दस्तावेज को सार्वजनिक किया। उन्होंने ईरान पर अपनी परमाणु महत्वाकांक्षा के बारे में दुनिया को धोखा देने का आरोप लगाया। दस्तावेज पश्चिमी खुफिया एजेंसियों के साथ साझा किए गए। एजेंसियों ने उनकी प्रामाणिकता की पुष्टि की। ईरान का परमाणु कार्यक्रम पहले की तुलना में अधिक उन्नत था। ईरान ने दस्तावेज को फर्जी बताया, लेकिन इजरायल के पास पुख्ता साक्ष्य थे। दस्तावेज से पता चला कि ईरान ने 2015 के सौदे के बाद परमाणु ज्ञान को संरक्षित किया था। दस्तावेज को निरीक्षकों से छिपाया गया था और परीक्षण स्थलों की योजना अस्पष्ट स्थानों पर बनाई गई थी। इन दस्तावेज के कारण अमेरिका 2015 के परमाणु समझौते से बाहर निकल गया। इसने अविश्वास को बढ़ावा दिया और इजरायल के आक्रामक रुख को उचित ठहराया।

इजरायल व ईरान से गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूप भारत लाने की मांग

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली: दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका व महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने इजरायल-ईरान युद्ध पर चिंता जताई है। दोनों नेताओं ने विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर से दोनों देशों से गुरु ग्रंथ साहिब के पावन स्वरूप को पूरी मर्यादा के साथ भारत लाने की मांग की है।

विदेश मंत्री जयशंकर को लिखे पत्र में डीएसजीएमसी नेताओं ने कहा कि इजरायल व ईरान में रहने वाले सिखों के पास गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूप मौजूद हैं जिसे सुरक्षित भारत लाया जाना चाहिए। वहां फंसे हुए सभी भारतीयों को भी वापस लाने के प्रबंध किए जाएं। वहां फंसे कई लोगों से संपर्क नहीं होने के कारण उनके स्वजन चिंतित हैं। दोनों देशों में स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से यह परेशानी दूर की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को भारत सरकार पर पूरा विश्वास है। डीएसजीएमसी भारत सरकार को हरसंभव सहयोग करने को तैयार है।

फलस्तीन समर्थकों ने ब्रिटिश एयरबेस में घुसकर दो विमानों को क्षतिग्रस्त किया

समर्थकों ने कहा, इजरायली कार्रवाई की निंदा के बाद भी ब्रिटेन कर रहा उसकी मदद

ब्रिटेन के कार्टरटन में आरएएफ ब्रीज नार्टन पर फलस्तीन एक्शन का एक कार्यकर्ता अपने ई-स्कूटर से सैन्य विमान के पास जाते समय बाडीकैम से वीडियो बनाते हुए। रायटर

लंदन, एपी : फलस्तीन समर्थकों ने रायल एयर फोर्स बेस में घुसकर दो विमानों को क्षतिग्रस्त कर दिया है। पुलिस संदिग्धों की तलाश कर रही है और सेना सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर रही है।

फलस्तीन एक्शन समूह ने कहा कि दो सदस्य बुधवार को आरएएफ ब्रिज नार्टन में घुसे। वे और वायेजर जेट के पास पहुंचे, जिसका उपयोग हवा से हवा में ईंधन भरने के लिए किया जाता है। दोनों ने विमानों के टरबाइन इंजन में लाल रंग छिड़का और उसे नुकसान पहुंचाया। इससे संबंधित एक वीडियो फुटेज भी जारी किया गया है, जिसमें एक व्यक्ति जेट के पास पहुंचकर इंजन में स्प्रे पेंट करता दिखाई दे रहा है। समूह ने कहा कि दोनों लोग वहां से सुरक्षित वापस लौट गए। समूह ने कहा कि इजरायली सरकार की सार्वजनिक रूप से निंदा करने के बावजूद ब्रिटेन सैन्य माल भेजना और गाजा के ऊपर जासूसी विमान उड़ाना और विमानों में ईंधन भरना जारी रखे हुए है। इसने ब्रिटेन को गाजा नरसंहार और पूरे पश्चिम एशिया में युद्ध अपराधों में सक्रिय भागीदार बना दिया है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि हम रायल एयर फोर्स की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाए जाने की निंदा करते हैं। प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने इसे घृणित कार्य करार दिया। सरकार ने कहा कि दो विमानों की क्षति की जांच की जा रही है।

पाक में तीन हिंदू बहनों की जबरन मतांतरण की नाकाम कोशिश

- सिंध प्रांत में तीन बहनों और उनके चचेरे भाई को पुलिस ने बचाया
- हिंदू समुदाय ने किया कड़ा विरोध, आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग

कराची, प्रेट्र: पाकिस्तान पुलिस ने सिंध प्रांत में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की तीन लड़कियों और उनके चचेरे भाई को जबरन मतांतरण से बचाया। तीनों बहनों की उम्र क्रमशः 16, 19 और 22 वर्ष है जबकि चचेरा भाई 13 वर्ष का है। स्वजनों की अपील के बाद हिंदू समुदाय ने इस हरकत का कड़ा विरोध किया, जिसके बाद पुलिस हरकत में आई।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी गुलाम नबी कीरियो ने बताया कि चारों पीड़ितों को पुलिस ने गुरुवार शाम हैदराबाद से बचाया। दावा किया कि हमने उनके मतांतरण के पीछे के संदिग्ध को भी गिरफ्तार किया है। तीनों बहनें और उनका चचेरा भाई बुधवार सुबह बिना किसी को बताए अपने घर से निकल गए थे। कुछ घंटों बाद उनके वीडियो सामने आए, जिसमें उन्होंने कहा, उन्होंने अपनी इच्छा से इस्लाम अपनाया है और अपने परिवार पर उन्हें नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया।

इसके बाद बच्चों की माताओं ने प्रेस कान्फ्रेंस आयोजित की और कहा, लड़का सिर्फ 13 वर्ष का है और धर्म को समझता भी नहीं है। प्रेस कान्फ्रेंस के बाद हिंदू पंचायत और कुछ निर्वाचित नेताओं ने पुलिस से कार्रवाई करने की अपील की। हिंदू पंचायत के प्रमुख राजेश कुमार ने इस घटना को एक पारिवारिक त्रासदी नहीं, बल्कि सामुदायिक समस्या बताया। उन्होंने कहा, "ये लड़कियां सिर्फ हिंदुओं की बेटियां नहीं हैं, ये सिंध की बेटियां हैं"। उनकी तस्वीरें दिखाते हुए सवाल किया, क्या वे अपने धर्म को बदलने के लिए पर्याप्त परिपक्व हैं। कुमार ने कहा, "सिंध में हिंदू लड़कियों और महिलाओं के अपहरण, जबरन मतांतरण और विवाह की समस्या हिंदू समुदाय के लिए एक बड़ा मुद्दा है।" उन्होंने कहा, 'केवल उन मामलों में जहां बच्चे प्रभावशाली या संपन्न परिवारों से संबंधित होते हैं, वहीं अधिकारियों की प्रतिक्रिया होती है, लेकिन कई मामलों में जहां लड़कियां अशिक्षित और गरीब पृष्ठभूमि से आती हैं, कुछ नहीं किया जाता।"।

अमेरिका में मुनीर ने क्षेत्रीय शांति की जताई प्रतिबद्धता

इस्लामाबाद, प्रेट्र: पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने अमेरिका में कई वार्ताकारों के साथ बातचीत के दौरान क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। साथ ही एक नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया।

पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशंस (आइएसपीआर) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, मुनीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ भेंट के बाद वाशिंगटन डीसी में वरिष्ठ स्कालर, विश्लेषकों, नीति विशेषज्ञों और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।

बयान के अनुसार, प्रमुख अमेरिकी थिंक टैंकों और रणनीतिक मामलों के संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत से प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर पाकिस्तान के सैद्धांतिक रुख को स्पष्ट करने और पाकिस्तान के सामरिक दृष्टिकोण की समझ को बढ़ाने का अवसर मिला।

पूर्व रा प्रमुख दुलत ने मुनीर की ट्रंप से भेंट को सराहा, कहा-मोदी से मिलें

- मुनीर को भारत में पीएम मोदी से मिलने का दिया सुझाव

अमरजीत सिंह दुलत।

भारत-पाकिस्तान के संबंधों में सुधार की उम्मीद जताई

लंदन, एएनआइ : भारतीय खुफिया एजेंसी रा के पूर्व प्रमुख अमरजीत सिंह दुलत ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका में हुई मुलाकात की सराहना की है। साथ ही कहा, मुनीर को भारत आकर पीएम नरेन्द्र मोदी से मिलने का आग्रह करना चाहिए ताकि भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों को सुधारा जा सके।

जियो न्यूज को दिए साक्षात्कार में दुलत ने याद किया कि कैसे पीएम नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान में पूर्व पीएम नवाज शरीफ की पोती की शादी में भाग लेने के लिए पाकिस्तान की यात्रा की थी। दुलत ने कहा, पाकिस्तान को भी ठंडे पड़े संबंधों को सुधारने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा, "मैं फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को बधाई देता हूं। पाकिस्तान के लोगों को भी बधाई। उन्हें अब आकर हैदराबाद हाउस में मोदी जी से मिलना चाहिए और फिर अमृतसर का दौरा करना चाहिए। मुझे विश्वास है कि कड़े रुख को नरम किया जा सकता है। 2015 में पीएम मोदी ने नवाज शरीफ की पोती की शादी में भाग लेने के लिए पाकिस्तान का दौरा किया था। चीजें सुधर सकती हैं और उन्हें सुधारना चाहिए। किसी को पहल करनी होगी। इमरान खान जेल में हैं। मुनीर या पीएम शहबाज शरीफ यह कर सकते हैं।" दुलत ने स्वीकारा कि हालिया संघर्ष के बाद भारत-पाक के बीच संबंध बेहद खराब हैं, पर उन्होंने बदलाव की उम्मीद जताते हुए कहा, यदि मुनीर व ट्रंप की भेंट हो सकती है, तो मुनीर को दिल्ली भी आना चाहिए। फील्ड मार्शल का अमेरिका में लंच देखें। जिसने भी इसकी व्यवस्था की, उसे दिल्ली भी भेजें।

गाजा में इजरायली हमलों में 44 फलस्तीनी मारे गए

- सहायता ट्रकों का इंतजार कर रहे 25 लोग मारे गए
- यूनिसेफ ने पेयजल की किल्लत को लेकर चेताया

काहिरा, रायटर : गाजा में शुक्रवार को इजरायली हमलों में 44 फलस्तीनी मारे गए। स्थानीय अधिकारियों ने कहा है कि इनमें से कई लोग खाद्य सामग्री प्राप्त करने की कोशिश कर रहे थे। यूनिसेफ ने चेतावनी दी है कि पेयजल सुविधाओं के ध्वस्त होने के कारण मानव जनित सूखे की स्थिति पैदा हो सकती है।

हमास द्वारा संचालित स्थानीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने कहा कि मध्य गाजा पट्टी में नेत्जारिम के दक्षिण में इजरायली गोलीबारी में सहायता ट्रकों का इंतजार कर रहे 25 लोग मारे गए। इजरायली सेना ने कहा, संदिग्ध आतंकियों पर चेतावनी शाट्स फायर किए गए थे। वह उनकी ओर बढ़ रहे थे। इसके बाद एक इजरायली विमान ने संदिग्धों पर हमला किया। वहीं, अन्य इजरायली सैन्य हमलों में 19 लोग मारे गए, जिनमें से 12 गाजा पट्टी के दीर-अल-बलाह में एक घर में थे। हमास ने आरोप लगाया है कि खाद्य सहायता मांगने वाले फलस्तीनियों को निशाना बनाया जा रहा है। हालांकि, इजरायल ने आरोपों को खारिज कर दिया है। साथ ही हमास पर लोगों की खाद्य सामग्री के उपयोग का आरोप लगाया है।

इस बीच, यूनिसेफ ने गाजा में सूखे की स्थिति की चेतावनी दी है। साथ ही कहा है कि बच्चे प्यास से मरने लगेंगे। केवल 40 प्रतिशत पेयजल उत्पादन सुविधाएं कार्यशील हैं। प्रवक्ता जेम्स एल्डर ने कहा कि हम पेयजल के मामले में आपातकालीन मानकों से बहुत नीचे हैं। साथ ही कहा कि अप्रैल से मई के बीच गाजा में छह महीने से लेकर पांच साल के बच्चों में कुपोषण के इलाज के लिए भर्ती होने की संख्या में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की हिरासत से छूटे बलूच युवक की मौत

- शरीर पर पिघला प्लास्टिक और मुंह में खौलता पानी डालकर दी गई यातना
- खाने में केवल तरबूज दिया गया, रिहाई के बाद अस्पताल में दम तोड़ा

क्वेटा, एएनआइ: बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की हिरासत से रिहा होने के कुछ ही समय बाद एक युवक की मौत हो गई। उसके परिवार का आरोप है कि हिरासत के दौरान उसे बहुत यातनाएं दी गईं। मृतक की पहचान क्वेटा के शाहजैब अहमद के रूप में हुई है।

शाहजेब को मंगूचर डैम क्षेत्र के पास से उस समय हिरासत में लिया गया था, जब वह अपने दो पड़ोसियों के साथ घूमने गया था। उसके शरीर पर चोट के निशान हैं। आरोप है कि सुरक्षा बलों ने उसके शरीर पर पिघला प्लास्टिक और मुंह में खौलता पानी डाला। साथ ही खाने में सिर्फ तरबूज दिया। रिहाई के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। बलूचिस्तान में लोगों को जबरन गायब करने और हिरासत में मौत की खबरों में वृद्धि हुई है। इस महीने की शुरुआत में दो अलग-अलग घटनाओं के दौरान पांच व्यक्तियों के शव बरामद किए गए। वहीं, बलूच यकजेहती समिति ने मानवाधिकार नेताओं महरंग बलूच, बेबर्ग बलूच की अवैध हिरासत के खिलाफ तुर्बत प्रेस क्लब तीन दिनी धरना शुरु किया है।

बलूच लिबरेशन आर्मी ने सेना पर हमलों की जिम्मेदारी ली : बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने होशब और कोलवाह क्षेत्रों में पाकिस्तानी सैन्य बलों पर किए गए विभिन्न हमलों की जिम्मेदारी ली है।

चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश ने पहली त्रिपक्षीय मंत्रिस्तरीय बैठक की

- समानता और आपसी विश्वास के आधार पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति
- इससे पहले पाकिस्तान और अफगानिस्तान के साथ चीन कर चुका है बैठक

बीजिंग, प्रेट्र : पाकिस्तान और बांग्लादेश ने विदेश मंत्रालय के अधिकारियों की पहली त्रिपक्षीय बैठक की। इसमें समानता और आपसी विश्वास के सिद्धांतों के आधार पर सहयोग को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइडोंग, बांग्लादेश के कार्यवाहक विदेश सचिव रुहुल आलम सिद्धिकी और पाकिस्तान के अतिरिक्त विदेश सचिव इमरान अहमद सिद्धिकी ने बैठक में भाग लिया।

भारत के दोनों पड़ोसी को करीब लाने के लिए चीन की यह नई रणनीतिक पहल पाकिस्तान और अफगानिस्तान के साथ इसी प्रकार की त्रिपक्षीय बैठक के एक महीने बाद हुई है। सुन वेइडोंग ने कहा कि बांग्लादेश और पाकिस्तान दोनों अच्छे पड़ोसी, मित्र और चीन के अच्छे साझेदार हैं। वे बेल्ट और रोड सहयोग में महत्वपूर्ण साझेदार हैं। बैठक के दौरान बनी सहमतियों का अनुपालन करने और लागू करने के लिए एक कार्य समूह स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है। यह वार्ता ऐसे समय में हो रही है, जब बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस चीन से अपने रिश्ते मजबूत कर रहे हैं। साथ ही बीजिंग से सहायता मांग रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से बांग्लादेश की भारत पर निर्भरता कम करने का प्रयास है। युनुस ने पाकिस्तान के साथ भी निकट संबंध स्थापित करने का प्रयास किया है। तीनों पक्षों ने उद्योग, व्यापार, समुद्री मामलों, जल संसाधनों, जलवायु परिवर्तन, कृषि, मानव संसाधन, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। ज्ञात हो, शेख हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद से बांग्लादेश में अस्थिरता है।

ट्रंप को लास एंजिलिस में तैनात नेशनल गार्ड सैनिकों पर मिला नियंत्रण

कहा, गवर्नर को राष्ट्रपति के आदेश को वीटो करने का कोई अधिकार नहीं

लास एंजिलिस, एपी : एक अपील अदालत ने गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लास एंजिलिस में तैनात नेशनल गार्ड सैनिकों पर नियंत्रण की अनुमति दे दी है। इमिग्रेशन अधिकारियों की ओर से की जा रही कार्रवाई के बाद किए जा रहे प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए यह तैनाती की गई है। अदालत का यह निर्णय निचली अदालत के उस आदेश पर रोक लगाता है, जिसने पाया था कि ट्रंप ने गवर्नर गेविन न्यूसम के विरोध के बावजूद सैनिकों को तैनात कर अवैध रूप से काम किया था। 1965 के बाद से गवर्नर की अनुमति के बिना किसी राज्य के नेशनल गार्ड की यह पहली तैनाती थी।

9वें यूएस सर्किट कोर्ट आफ अपील्स के तीन न्यायाधीशों के पैनल ने कहा कि यह संभव है कि ट्रंप ने गार्ड के नियंत्रण को संघीय बनाने में अपने अधिकार का कानूनी रूप से प्रयोग किया हो। हालांकि राष्ट्रपति के पास किसी राज्य के गार्ड का नियंत्रण जब्त करने की अप्रतिबंधित शक्ति नहीं है, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों द्वारा हिंसक कृत्यों का हवाला देते हुए यह दिखाने के लिए पर्याप्त सुबूत पेश किए कि ऐसा करने के लिए उसके पास एक बचाव योग्य तर्क था। तथ्य दर्शाते हैं कि नेशनल गार्ड की तैनाती से पहले प्रदर्शनकारियों ने कई संघीय अधिकारियों को घेर लिया और पत्थर, बोतलें और अन्य वस्तुएं उनपर फेंकी। प्रदर्शनकारियों ने संघीय इमारतों को भी नुकसान पहुंचाया। अगर संघीय सरकार नेशनल गार्ड की तैनाती से पहले कैलिफोर्निया के गवर्नर को सूचित करने में विफल रही, तो भी न्यूसम के पास राष्ट्रपति के आदेश को वीटो करने का कोई अधिकार नहीं था।

एडीबी और विश्व बैंक ने बांग्लादेश के लिए 1.5 अरब डालर ऋण को दी मंजूरी

ढाका, प्रेट्र : एशियाई विकास बैंक और विश्व बैंक ने बांग्लादेश को बैंकिंग क्षेत्र में सुधार, जलवायु परिवर्तन से लड़ने और अन्य परियोजनाओं में मदद के लिए 1.5 अरब डालर के ऋण को मंजूरी दी है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने 90 करोड़ डालर के ऋण को मंजूरी दी है, जिसमें से 50 करोड़ डालर बैंकिंग क्षेत्र को स्थिर और सुधारने के प्रयासों का समर्थन करेंगे। शेष 40 करोड़ डालर जलवायु परिवर्तन और समावेशी विकास को बढ़ावा देने पर खर्च होगा।

इसके अलावा, एडीबी ने जलवायु समावेशी विकास कार्यक्रम के दूसरे चरण के लिए 40 करोड़ डालर के ऋण को भी मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होने, उत्सर्जन में कटौती करने व समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के बांग्लादेश के प्रयासों का समर्थन करना है। विश्व बैंक ने भी बांग्लादेश में गैस आपूर्ति बढ़ाने व वायु गुणवत्ता में सुधार की दो परियोजनाओं के लिए 64 करोड़ डालर की मंजूरी दी है।

****

सुरक्षित हाथों में भारतीय क्रिकेट

- यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड में पहले ही मैच में ठोका शतक
- अपने पहले टेस्ट में कप्तानी कर रहे गिल शतक लगा जमे

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास के बाद से ये बातें चल रही थीं कि शुभमन गिल के नेतृत्व वाली भारतीय टीम इंग्लैंड के कठिन दौरे पर कहीं फेल न हो जाए। जब शुक्रवार को लीड्स में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया तो लोग अनुमान लगाने लगे कि कहीं पहले ही सत्र में तीन से चार विकेट न गिर जाएं लेकिन हमारे युवा पूरे दिन डटे रहे और पहले दिन का खेल सिर्फ 85 ओवर बाद ही खत्म होने बावजूद तीन विकेट पर 359 रन बनाए।

इंग्लैंड में अपना पहला मैच खेल रहे यशस्वी जायसवाल (नाबाद 101) और अपने पहले टेस्ट में कप्तानी कर रहे शुभमन गिल (नाबाद नाबाद 127) ने सिर्फ अपनी बल्लेबाजी का मुजाहिरा ही नहीं किया बल्कि दुनिया को ये भी बता दिया कि भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में है। नवाब पटौदी गए तो सुनील गावस्कर और कपिल देव ने संभाला। वे दोनों गए तो सचिन तेंदुलकर आए। उनके बाद रोहित और कोहली ने भारतीय क्रिकेट को ऊंचाइयां दीं। इन दोनों के जाने के बाद अब जायसवाल, गिल और रिषभ पंत ने लीड्स में दिखा दिया है कि भारतीय बेंच स्ट्रेंथ कितनी मजबूत है।

अच्छी शुरुआत : रोहित शर्मा की जगह ओपनिंग करने उतरे केएल राहुल (42) और यशस्वी ने इंग्लिश आक्रमण का डटकर सामना करते हुए पहले विकेट के लिए 91 रन जोड़े। राहुल पहले सत्र के अंतिम क्षण में आउट हुए और पदार्पण कर रहे युवा साई सुदर्शन खाता भी नहीं खोल सके। तेज गेंदबाजों के लिए पिच में मूवमेंट और स्विंग दिखाई दे रहा था लेकिन इन दोनों ने आराम से गेंद को पुरानी कर दिया। इंग्लिश गेंदबाज स्टोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और क्रिस वोक्स ने ओपनरों को बहुत ज्यादा फुल लेंथ गेंदबाजी की जिससे उन्होंने कुछ आसान 'सिंगल' चुराए। राहुल पहले सत्र के अंत में कार्स की ढीली गेंद को खेलने के प्रयास में स्लिप में जो रूट को कैच देकर आउट हो गए। इसके तुरंत बाद साई भी आउट हुए लेकिन यशस्वी और गिल ने मैच को इंग्लैंड के हाथों में जाने नहीं दिया।

एक और शतक: विराट की जगह चौथे नंबर पर उतरे गिल और यशस्वी ने दूसरे सत्र में एक भी विकेट नहीं गिरने दिया और तेजी से 123 रन बनाए। पहले सत्र में 92 रन बने थे। हालांकि चायकाल के तुरंत बाद अपने स्कोर में एक रन जोड़कर यशस्वी आउट हो गए। उन्हें स्टोक्स ने बोल्ड कर दिया। इंग्लैंड के विरुद्ध छठा टेस्ट खेल रहे यशस्वी ने इस टीम के विरुद्ध हर मुकाबले की कम से कम एक पारी में 50+ रन बनाए हैं। उन्होंने इस टीम के विरुद्ध घर में दो दोहरे शतक भी लगाए हैं। इंग्लैंड की सरजमीं पर उनका यह पहला शतक है। वह लीड्स पर शतक लगाने वाले भारत के पहले ओपनर बने। करियर का 20वां टेस्ट खेल रहे जायसवाल ने पांच शतक लगाए हैं जिसमें तीन भारत के बाहर लगे हैं।

गिल का कमाल: कम औसत के बावजूद कप्तान बनाए जाने के कारण आलोचना का शिकार हो रहे गिल ने बता दिया कि क्यों उनके हाथ में नेतृत्व सौंपा गया है। उन्होंने पहले यशस्वी के साथ तीसरे विकेट के लिए 129 और बाद में उपकप्तान पंत के साथ चौथे विकेट के लिए 138 रन की नाबाद साझेदारी की है। उन्होंने अंग्रेजों को ही बैजबाल का स्वाद चखाते हुए 72.57 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। अगर गिल और पंत इसी तरह दूसरे दिन भी रन बनाते हैं तो भारत इस मैच को जीतने के बारे में सोच सकता है। भारत को 500 रनों की तरफ बढ़ना होगा। इसके बाद मेजबानों को जल्दी आउट करना होगा।

पदार्पण टेस्ट पारी में इंग्लैंड में भारतीय के शतक

रन	बल्लेबाज	मैदान	वर्ष
146	मुरली विजय	ट्रेंट ब्रिज	2014
133	विजय मांजरेकर	हेडिंग्ले	1952
131	सौरव गांगुली	लाड्र्स	1996
129*	संदीप पाटिल	ओल्ड ट्रैफर्ड	1982
101	यशस्वी जायसवाल	हेडिंग्ले	2025

मांजरेकर ने आफ स्टंप को लेकर साधा निशाना

नई दिल्ली, आइएएनएस : पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने यशस्वी की तारीफ करते हुए कहा कि मुझे बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं हुआ। जायसवाल आस्ट्रेलिया में एकमात्र ऐसे बल्लेबाज रहे, जिन्होंने ठोस रक्षात्मक तकनीक दिखाई थी। लीड्स में केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल की गेंद छोड़ने की तकनीक से संजय काफी खुश दिखाई दिए। उन्होंने इसे लेकर विराट कोहली पर बिना नाम लिए निशाना भी साधा। 21वें ओवर में जब राहुल ने आफ स्टंप के बाहर की गेंद को छोड़ा तो मांजरेकर ने कहा, 'हम एक पूर्व बल्लेबाज को जानते हैं जो इस गेंद को खेलने की कोशिश करता और मुश्किल में फंस जाता था। उन्होंने गिल को जडेजा के स्थान पर नया विकल्प तलाशने की भी सलाह दे डाली। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ जडेजा का प्रदर्शन अच्छा नहीं है।

लीड्स में इंग्लैंड और भारत के बीच पहले टेस्ट मैच में शार्ट गेंद को कुछ इस तरह छोड़ते नजर आए यशस्वी जयसवाल (दाएं) शतक बनाने के बाद खुश गिल ● एएफपी

स्कोर बोर्ड

भारत : 359/3 (85 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
यशस्वी बो. स्टोक्स	101	159	16/1
केएल राहुल का. रूट बो. कार्स	42	78	8/0
साई का. स्मिथ बो. स्टोक्स	00	04	0/0
शुभमन गिल नाबाद	127	175	16/1
रिषभ पंत नाबाद	65	102	6/2

अतिरिक्त: 24, विकेटपतन: 1-91 (राहुल, 24.5), 2-92 (सुदर्शन, 25.4), 3-221 (जायसवाल, 52.3), गेंदबाजी: वोक्स 19-2-89-0, कार्स 16-5-70-1, टंग 18-0-75-0, स्टोक्स 13-1-43-2, बशीर 21-4-66-0

5 में से चार देशों में यशस्वी जायसवाल ने अपने पदार्पण टेस्ट में 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया है। उन्होंने वेस्टइंडीज में अपने पहले मैच में 171 रनों की पारी खेली थी। दक्षिण अफ्रीका में वह 17 और 05 रनों की पारी खेल पाए थे। भारत में उन्होंने पहले मैच में 80, 15, आस्ट्रेलिया में 00, 161 रन बनाए। इंग्लैंड में उन्होंने अपनी पहली पारी में ही शतक ठोक दिया

26 वर्ष की उम्र से कम में सबसे ज्यादा शतक भारत के लिए

खिलाड़ी	शतक
सचिन	40
विराट	26
शुभमन	15

भारत की ओर से विदेश में पहले टेस्ट की पहली पारी में ओपनिंग साझेदारी

साझेदारी	बल्लेबाज	बनाम	स्थान	वर्ष
283	मुरली विजय-धवन	बांग्लादेश	फतुल्लाह	2015
160	सहवाग-आकाश चोपड़ा	पाकिस्तान	मुल्तान	2004
117	केएल राहुल-मयंक अग्रवाल	दक्षिण अफ्रीका	सेंचुरियन	2021
91	यशस्वी-केएल राहुल	इंग्लैंड	लीड्स	2025

भारतीय टेस्ट कप्तान का पदार्पण टेस्ट में शतक

रन	बल्लेबाज	बनाम	स्थान	वर्ष
164*	विजय हजारे	इंग्लैंड	दिल्ली	1951
116	सुनील गावस्कर	न्यूजीलैंड	आकलैंड	1976
115	विराट कोहली	आस्ट्रेलिया	एडिलेड	2014
127*	शुभमन गिल	इंग्लैंड	हेडिंग्ले	2025

9 शतक डब्ल्यूटीसी इतिहास में भारत की तरफ से रोहित ने लगाए हैं। यह भारत की तरफ से सबसे ज्यादा है। गिल ने छह शतक लगाए हैं इस दौरान

209 कैच ले चुके हैं जो रूट। वह अब पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ के टेस्ट क्रिकेट में 210 कैच के रिकार्ड की बराबरी करने से सिर्फ एक कैच दूर हैं

विमान हादसे को लेकर रखा मौन

लीड्स, प्रेट्र : भारत-इंग्लैंड के क्रिकेटरों और मैदानी अंपायरों ने यहां पहले टेस्ट से पूर्व अहमदाबाद में विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों की स्मृति में एक मिनट का मौन रखा। 14 जून को एयर इंडिया की लंदन जाने वाली उड़ान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 270 लोगों की मौत हो गई थी।

राहुल-प्रसिद्ध की मौजूदगी से मिली मदद: करुण

लीड्स: लंबे समय बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाले करुण नायर ने कहा कि ड्रेसिंग रूम में बचपन के साथी केएल राहुल और प्रसिद्ध कृष्णा की मौजूदगी से उन्हें सहज रहने में मदद मिली और वह आठ साल बाद मिले मौके का पूरा फायदा उठाना चाहते हैं। वह कई साल पहले टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक बनाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने थे। नायर ने कहा कि मैं चीजों को बहुत सरल बनाए रखने की कोशिश करता हूं।

एक नजर में

टाइगर वुड्स के बेटे चार्ली यूएस जूनियर एमेच्योर में

कोरल स्प्रिंग्स: दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स के 16 वर्षीय बेटे चार्ली वुड्स ने यूएस जूनियर एमेच्योर के लिए क्वालिफाई किया है। चार्ली वुड्स ने गुरुवार को अपना अंतिम होल बोगी किया और ईगल ट्रेस गोल्फ क्लब से अंतिम स्थान के लिए प्लेआफ में पहुंच गए। इसके बाद वह 71 शाट लगाकर प्लेआफ जीत गए। चार्ली लगातार दूसरे साल यूएस जूनियर में पहुंचे हैं। (एपी)

अजितेष 13वें स्थान पर

मराकेश: भारत के अजितेष संधू मोरक्को राइजिंग स्टार्स गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दिन बोगीरहित प्रदर्शन करके चार अंडर 68 के स्कोर के साथ संयुक्त 13वें स्थान पर हैं। (प्रेट्र)

बावुमा बाहर, केशव कप्तान

जोहानिसबर्ग: दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा जिंबाब्वे के विरुद्ध 28 जून से बुलावायो में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की सीरीज से बाहर हो गए हैं। बावुमा लाड्र्स में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में लगी हैमस्ट्रिंग चोट से अभी ठीक नहीं हो सके हैं। ऐसे में केशव महाराज को टेस्ट सीरीज के लिए टीम का कप्तान बनाया गया है। बावुमा को डब्ल्यूटीसी फाइनल मैच की दूसरी पारी में चोट लगी थी, लेकिन इसे वाबजूद उन्होंने तीसरे विकेट की 147 रन साझेदारी में महत्वपूर्ण 66 रन का योगदान देकर टीम की जीत की राह पक्की की थी। (रायटर)

बाक को मिले 3.03 करोड़

जिनेवा: अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने अध्यक्ष थामस बाक को उनके कार्यकाल के अंतिम वर्ष 2024 के लिए 350,000 यूएस डालर (करीब 3.03 करोड़ रुपये) वेतन और खर्च दिया है। यह राशि फुटबाल संगठन के अधिकारियों के वेतन की तुलना में 10 प्रतिशत से भी कम है। फुटबाल अधिकारियों की वार्षिक आय अरबों में है। बाक सोमवार को आइओसी की नवनिर्वाचित अध्यक्ष कर्स्टी कावेंट्री को बागडोर सौंपेंगे। कावेंट्री ओलिंपिक निकाय की पहली महिला नेता और अफ्रीका से पहली अध्यक्ष रूप में अपने आठ वर्षीय कार्यकाल को शुरू करेंगी। (एपी)

हाकी खिलाड़ियों को मंत्रालय से हर माह मिलेंगे 25 हजार

खेल डायरी

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारतीय हाकी के महिला व पुरुष खिलाड़ियों को खेल मंत्रालय की ओर से अब हर माह 25000 रुपये का अतिरिक्त भत्ता दिया जाएगा। आगामी महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले प्रोत्साहन देने के लिए इस अतिरिक्त भत्ता (आउट आफ पाकेट अलाउंस) को मंजूरी दी गई है।

मिशन ओलंपिक सेल की गत गुरुवार को 156वीं बैठक में टाप्स योजना के तहत हाकी इंडिया के 80 खिलाड़ियों को अतिरिक्त भत्ता देने का फैसला लिया गया। इसमें 40 महिला व 40 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि हाकी इंडिया की ओर से बार बार यह अनुरोध आ रहा था, जिसे मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि खिलाड़ी प्रदर्शन पर फोकस करे और देश के लिये पदक जीतें। हाकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने इस फैसले का स्वागत किया है।

मनसुख मांडविया

पांच फाइनल में हारे भारतीय तीरंदाज

सिंगापुर: एशिया कप में भारत के जूनियर तीरंदाजों को पांच फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। टीम के पास इस टूर्नामेंट के दूसरे चरण में सात स्वर्ण जीतने का मौका था, लेकिन अधिकतर स्पर्धाओं में रजत पदक से संतोष करना पड़ा और दो स्वर्ण, छह रजत और एक कांस्य सहित कुल नौ पदक जीतकर अपने अभियान का अंत किया। रिकर्व और कंपाउड स्पर्धाओं के 10 में से सात फाइनल में पहुंचने के बावजूद भारतीय तीरंदाज केवल दो बार पोडियम पर शीर्ष पर रहे। भारतीयों की कम रैंकिंग वाले खिलाड़ियों से हार चिंता का विषय बन गई है।

लाबुशेन बाहर, स्मिथ भी नहीं खेल पाएंगे

वेस्टइंडीज के विरुद्ध अगले सप्ताह से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज में कोंस्टास और इंगलिस आस्ट्रेलियाई टीम में शामिल

बारबाडोस, एपी : पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को आस्ट्रेलिया ने अपनी टेस्ट टीम से बाहर कर दिया है जबकि स्टीव स्मिथ भी चोटिल होने के कारण वेस्टइंडीज के विरुद्ध अगले सप्ताह बुधवार से होने वाली सीरीज के शुरुआती टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को कहा कि स्मिथ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच से बाहर रहेंगे क्योंकि पिछले सप्ताहांत लाड्र्स में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में उन्हें अंगुली में चोट लगी थी। उनके वेस्टइंडीज के विरुद्ध। दूसरे टेस्ट के लिए फिट होने की उम्मीद है। आस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जार्ज बेली ने कहा कि किशोर सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास और विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंगलिस को स्मिथ और मार्नस लाबुशेन की जगह टीम में शामिल किया गया है।

बेली ने कहा कि हमने स्टीव और मार्नस की जगह जोश और सैम को मौका देने का निर्णय लिया है। हम उन्हें मौका देकर उत्साहित हैं। लाबुशेन का 104 टेस्ट पारियों में औसत 46.19 है, जिसमें 11 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। शीर्ष क्रम के इस बल्लेबाज का हाल में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट शतक 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में लगाया था। दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध डब्ल्यूटीसी फाइनल में उन्हें पारी की शुरुआत की, लेकिन वह 17 और 22 रन ही बना पाए। बेली ने कहा, 'अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में मार्नस इस टीम का एक महत्वपूर्ण सदस्य हो सकता है। वह समझता है कि उसका प्रदर्शन उस स्तर का नहीं रहा है जिसकी हम या वह उम्मीद करता है'

डब्ल्यूटीसी फाइनल में क्षेत्ररक्षण के समय चोटिल हुए थे स्मिथ ● फाइल फोटो एपी

भारत में डोपिंग में पाजिटिव मामलों की दर सबसे ज्यादा

वाडा के आंकड़ों ने किया परेशान, खेल मंत्रालय ला सकता है संशोधित डोपिंग रोधी अधिनियम

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत में डोपिंग की समस्या एक बार फिर सामने आ गई है। विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के 2023 के परीक्षण आंकड़ों में भारत 5,000 या उससे अधिक नमूनों का विश्लेषण करने वाले देशों में शीर्ष पर रहा है। हालांकि खेल मंत्रालय ने युद्धस्तर पर इससे निपटने और वाडा की आपत्तियों के समाधान के बाद संशोधित डोपिंग रोधी अधिनियम जल्दी लाने का वादा किया है।

प्रतिबंधित पदार्थों के सेवन में पाजिटिव पाए जाने की भारत की दर 3.8 प्रतिशत रही और 5606 नमूनों से 214 प्रतिकूल विश्लेषणात्मक निष्कर्ष मिले। खेल मंत्रालय के सूत्र ने कहा कि हमें यह मानना होगा कि हमारी टेस्टिंग काफी पारदर्शी है और हर साल नमूनों की संख्या बढ़ रही है। हम युद्धस्तर पर जागरूकता अभियान भी चला रहे हैं और अगले दो साल में यह आंकड़ा कम हो जाएगा।' वैश्विक स्तर पर 2023 में 204,809 परीक्षण किए गए, जिनमें से 1820 प्रतिबंधित दवाओं के लिए सकारात्मक आए, जबकि भारत का हिस्सा 214 था जो डोप टेस्ट में नाकाम रहे कुल खिलाड़ियों की संख्या का 11 प्रतिशत से अधिक है। यह आंकड़ा किसी भी देश के लिए सबसे अधिक है। सूत्र ने कहा कि खेल मंत्रालय युद्धस्तर पर इससे निपटेगा। हम मासिक तौर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाएंगे। इसके अलावा दवाओं और पोषक आहार सप्लीमेंट की गांधीनगर और दिल्ली में विशेष लैब में जांच होगी। वहां से हरी झंडी मिलने पर ही खिलाड़ी उनका सेवन करेंगे। अधिकांश समय खिलाड़ी जानकारी के अभाव में या सरकारी नौकरी पाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने की ललक में डोपिंग की चपेट में आ जाते हैं। हम उन्हें यह समझाएंगे कि डोपिंग निरोधक नियमों का पालन नहीं करने पर वे अधिक नुकसान में रहेंगे।

फ्री किक पर मेसी के गोल से जीती इंटर मियामी

लियोन मेसी ने टूर्नामेंट में खाता खोला, मियामी ने पोर्टो को 2-1 से हराया

क्लब विश्व कप फुटबाल

गोल दागने के बाद लियोन मेसी ● एएफपी

अटलांटा, एपी : स्टार स्ट्राइकर लियोन मेसी ने क्लब विश्व कप फुटबाल टूर्नामेंट में फ्री किक पर गोल करते हुए इंटर मियामी को यूरोपीयन चैंपियन पोर्टो पर 2-1 से जीत दिलाई। टूर्नामेंट में यह मेसी का पहला गोल रहा।

इंटर मियामी की टीम मध्यांतर तक 1-0 से पीछे थी, लेकिन टेलास्को सेगोविया ने दूसरे हाफ के दो मिनट बाद मार्सेलो वीगंडट के क्रास पर गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद मेसी ने फ्री किक पर खूबसूरत गोल कर फिर से यह साबित कर दिया कि क्यों उन्हें दुनिया के महानतम खिलाड़ियों में गिना जाता है। इससे पहले पुर्तगाल के क्लब को वीडियो समीक्षा प्रणाली के जरिए शुरू में ही पेनल्टी किक मिली थी, जिसे सामू ओमोरोदियन ने गोल में बदला। दोनों टीमों ने ग्रुप ए में अपना पहला मैच गोलरहित ड्रा खेला था।

बोटाफोगो ने चैंपियंस लीग के विजेता पीएसजी को हराकर किया उलटफेर

पासाडेना : क्लब विश्वकप के एक अन्य मैच में बोटाफोगो ने चैंपियंस लीग विजेता पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को 1-0 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। पीएसजी ने टूर्नामेंट में अपने पहले मैच में यूरोपीय प्रतिद्वंदी एटलेटिको मैड्रिड को 4-0 से पराजित कर शानदार आगाज किया था, लेकिन गुरुवार रात दक्षिण अमेरिकी चैंपियन बोटाफोगो टीम उन पर भरी पड़ी। बोटाफोगो की तरफ से इगोर जीसस ने 36वें मिनट में गोल किया, जो अंत तक निर्णायक साबित हुआ। पीएसजी की यह तीन मई के बाद पहली हार थी, वहीं बोटाफोगो टीम टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत के साथ ग्रुप में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है।

एटलेटिको मैड्रिड ने सिएटल साउंडर्स को आसानी से 3-1 से हराया

सिएटल : एटलेटिको मैड्रिड ने सिएटल साउंडर्स को 3-1 से हराया। इसमें पाब्लो बैरियोस ने दो गोल किए। मैड्रिड ने दूसरे हाफ के शुरुआती मिनटों में 2-0 से बढ़त बना ली। अल्बर्ट रुस्नक ने 50वें मिनट में सिएटल के लिए एक मात्र गोल किया, हालांकि एटलेटिको मैड्रिड के बैरियोस ने 55वें मिनट में अपना दूसरा गोल करके टीम को 3-1 से शानदार जीत दिलाई।

मुनार को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे फ्रेंच ओपन चैंपियन

अलकराज को मिली लगातार 15वीं जीत

लंदन, रायटर : शीर्ष वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अलकराज ने क्वीन क्लब चैंपियनशिप में साथी स्पेनिश खिलाड़ी जौमे मुनार को 6-4, 6-7(7), 7-5 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अलकराज की यह लगातार 15वीं जीत रही, जो उनके करियर में अब तक सबसे अधिक है। हाल ही में उन्होंने जानिक सिनर को हराकर फ्रेंच ओपन जीता था।

जीत के बाद विश्व नंबर-2 अलकराज ने कहा कि आज का मुकाबला वास्तव में कठिन था। जौमे मुनार ने दिखाया कि उन्हें हराना कितना मुश्किल है। अलकराज ने दूसरे सेट में 5-4 के स्कोर पर चार ब्रेक और सेट पाइंट बचाए। मुनार ने टाईब्रेकर में पहुंचकर मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। इसके बाद अलकराज ने 2-0 की बढ़त बनाई, लेकिन मुनार ने दो बार उनके सर्विस गेम को तोड़ा। अंत में अलकराज ने दो और ब्रेक के साथ इस कठिन मुकाबले में जीत हासिल की। टूर्नामेंट में अब अलकराज का सामना फ्रांसीसी खिलाड़ी आर्थर रिंडरकेनच से होगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में ब्रिटिश नंबर दो जैकब फर्नले ने फ्रांसीसी क्वालिफायर कोरेंटिन माउटेट को 6-3, 2-6, 6-2 से हराकर अपने पहले एटीपी टूर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

नाटिंघम ओपन में मैग्डा लिटेन ने क्लारा को हराया

नाटिंघम: मैग्डा लिनेट ने शुक्रवार को नाटिंघम ओपन में क्लारा टासन के खिलाफ 6-2, 7-5 से जीत दर्ज की। छठी वरीयता प्राप्त मैग्डा लिनेट ने दूसरी वरीयता प्राप्त डेन क्लारा को लेक्सस नाटिंघम टेनिस सेंटर में हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल जगह बनाई है। अगले दौर में मैग्डा का सामना यूक्रेन की दयाना यास्त्रेम्स्का से होगा। टूर्नामेंट में इससे पहले मैग्डा एलेक्जेंड्रा एला को 6-4, 6-3 और वाइल्डकार्ड मिंगे जू को 7-5, 6-1 से हरा चुकी हैं।

मैग्डा लिटेन ● प्रेट्र

****

भारत-चीन संबंध

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए प्रस्तावित चीन यात्रा इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है कि यह चीन के साथ संबंध सुधारने के साथ वैश्विक समीकरणों में बदलाव का जरिया भी बन सकती है। इसलिए बन सकती है कि एक तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मनमानी टैरिफ नीति से अनेक देश आजिज आ गए हैं और दूसरे, आतंकवाद के पोषक एवं पहलगाम में आतंकी हमले के जिम्मेदार पाकिस्तान के खिलाफ भारत की साहसिक सैन्य कार्रवाई पर उनका रवैया बहुत ही विचित्र और पाकिस्तानपरस्ती वाला रहा। इसका ताजा प्रमाण ट्रंप का जिहादी सोच वाले पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर से मुलाकात करना रहा। मुनीर पाकिस्तान के शासनाध्यक्ष नहीं हैं, पर सब जानते हैं कि वही वहां के सबसे ताकतवर व्यक्ति हैं। ट्रंप ने इस जिहादी जनरल की प्रशंसा के पुल ही नहीं बांधे, ऐसे भी संकेत दिए कि वे पाकिस्तान की धोखेबाजी और उसके आतंकी चेहरे की जानबूझकर अनदेखी कर ईरान के खिलाफ उसका इस्तेमाल करना चाहते हैं, जो इन दिनों इजरायल के निशाने पर है। अमेरिका ने पहले भी अपने संकीर्ण हितों के लिए पाकिस्तान को गले लगाया है, लेकिन अब ट्रंप का ऐसा करना भारत के लिए चिंता की बात है। हालांकि बीते दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप से फोन पर बात करते समय कश्मीर और आपरेशन सिंदूर पर उन्हें खरी-खरी सुनाई, लेकिन लगता नहीं कि वह पाकिस्तानपरस्ती का परित्याग करेंगे। ऐसे में भारत के लिए उनसे सतर्क होना और चीन जैसे देशों के इरादों को टटोलना आवश्यक है।

चीन भी बदले हालत में भारत से संबंध सुधारना चाहता है। वह यह भी जान रहा है कि ट्रंप पाकिस्तान को उसके पाले से निकालना चाहते हैं। पता नहीं ट्रंप ऐसा कर पाएंगे या नहीं, लेकिन यह अच्छा है कि रूस को भी ट्रंप का रवैया नहीं भा रहा है। रूस से भारत के अच्छे संबंध हैं और वे अमेरिका और यूरोप की आपत्ति के बाद भी कायम हैं। रूस शंघाई सहयोग संगठन का महत्वपूर्ण सदस्य है। भारत 2001 में स्थापित इस संगठन का सदस्य बाद में बना और फिर पाकिस्तान जैसे देश भी उससे जुड़े। यह उल्लेखनीय है कि गलवन में चीनी सेना से खूनी झड़प के बाद भारतीय रक्षा मंत्री पहली बार चीन जा रहे हैं। वहां उनकी द्विपक्षीय मुलाकात अन्य देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ चीनी रक्षा मंत्री से भी हो सकती है। पिछले कुछ समय से भारत-चीन संबंध सुधरते दिख रहे हैं। भारतीय रक्षा मंत्री की चीन यात्रा सीमा विवाद सहित अन्य मुद्दों को भी सुलझाने की राह खोल सकती है, लेकिन भारत को उससे सतर्क भी रहना होगा। वह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ इस्तेमाल करता है और सब जानते हैं कि पहलगाम आतंकी हमले पर उसका रवैया भारत विरोधी ही था।

उचित व्यवस्था

दिल्ली में अपनी उम्र पूरी कर चुके वाहनों को एक जुलाई से ईंधन देने से रोकने के प्रबंध पूरे हो गए हैं। राजधानी में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण करने की दिशा में बनाई गई ये योजना अब सिरे चढ़ने जा रही है, जो सर्वथा उचित है। केंद्रीय वायु गुणवत्ता आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली के सभी 520 पंपों पर आटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरे लगा दिए जाने की जानकारी देते हुए यह भी स्पष्ट किया है कि ये कैमरे सेंट्रल डाटा बेस से जुड़े होंगे।

> उम्र पूरी कर चुके वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा, साथ ही ऐसे वाहनों को जब्त कर स्क्रैप किया जाएगा, प्रदूषण नियंत्रण के लिए ये उचित कदम है

इससे नंबर प्लेट के जरिये वाहनों की उम्र का पता चल जाएगा और उम्र पूरी कर चुके वाहनों को ईंधन नहीं दिया जाएगा। साथ ही ऐसे वाहनों को जब्त कर स्क्रैप के लिए भेज दिया जाएगा। योजना की घोषणा के बाद से कैमरे लगने में देरी के चलते इसमें विलंब अवश्य हुआ, लेकिन अब सीएक्यूएम के दावे के बाद यह उम्मीद की जानी चाहिए कि दिल्ली में इस व्यवस्था को एक जुलाई से लागू कर दिया जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण वर्ष भर लोगों को परेशान करता है, ऐसे में यह आवश्यक है कि प्रदूषण के कारकों को हर स्तर पर नियंत्रित किया जाए। इस दिशा में सीएक्यूएम की यह पहल स्वागतयोग्य है। वास्तव में बड़ी संख्या में ऐसे वाहन दिल्ली में धड़ल्ले से चल रहे हैं जो अपनी उम्र पूरी कर चुके हैं।

कह के रहेंगे

माधव जोशी

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या ट्रंप-मुनीर मुलाकात भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय है?

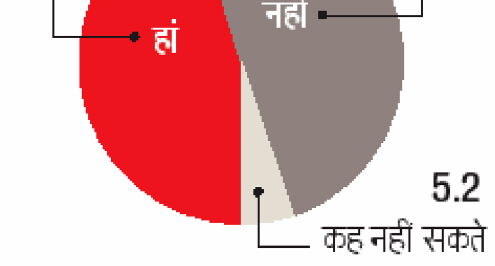

आज का सवाल

क्या जस्टिस यशवंत वर्मा को महाभियोग का सामना करने से पहले ही त्यागपत्र दे देना चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।
सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आर्थिक अस्थिरता भी बढ़ा सकता है यह युद्ध

आदित्य सिन्हा

ईरान और इजरायल टकराव अभी अपनी आरंभिक अवस्था में है। यदि यह लंबा खिंचता है तो भारत समेत विश्व को वित्तीय मोर्चे पर कहीं ज्यादा बड़े झटके लगेंगे

पश्चिम एशिया में तनाव फिर से भड़ककर सीधे युद्ध में बदल गया। लगता है अस्थिरता ही इस क्षेत्र की पहचान बन गई है। ईरान-इजरायल के बीच सैन्य टकराव बढ़ते ही तेल की कीमतें आसमान चढ़ने लगीं। इस क्षेत्र में व्यापक खेमेबाजी एवं प्रतिद्वंद्विता ने विभाजन की रेखाओं को गहरा कर दिया है। अब तो इजरायल और ईरान, दोनों एक-दूसरे की राजधानी पर बमबारी में लगे हैं। जहां पूरी दुनिया यही उम्मीद लगाए बैठी है कि यह तूफान भी जल्द थम जाए, वहीं सच यह है कि लड़ाई का दायरा बढ़ते ही जोखिम भी बढ़ते जाएंगे। इस कारण वैश्विक मोर्चे पर आर्थिक दुष्प्रभाव आसन्न दिखते हैं। वैसे तो ईरान और इजरायल लंबे समय से छद्म लड़ाई में उलझे हुए हैं, पर अब वह प्रत्यक्ष युद्ध में बदल गई है। धुंधलाती रेखाओं के बीच छिटपुट गलतियां पूरे क्षेत्र को युद्ध की जद में धकेल सकती हैं। परमाणु संघर्ष के साये को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। ईरान की जिस यूरेनियम संवर्धन इकाई को बमबारी से ध्वस्त किया गया, वह अब भी संचालन की स्थिति में बताई जाती है। कहा जा रहा है कि ईरान महज कुछ हफ्तों के भीतर परमाणु बम बनाने लायक यूरेनियम संवर्धित कर सकता है। इजरायल जिस तरह ईरान के अन्य परमाणु ठिकानों को निशाना बना रहा है, उसके कारण इसकी आशंका बढ़ गई है कि ईरान प्रतिरोध के साथ संहारक के रूप में भी आक्रामक परमाणु मुद्रा अपना सकता है। यदि ऐसा होता है तो एक अंतहीन सिलसिला शुरू हो सकता है, जिसमें सऊदी अरब से लेकर तुर्किये तक शामिल हो सकते हैं। लंबे समय से ठंडे बस्ते में पड़ी परमाणु होड़ के नए सिरे से तेज होने का जोखिम बढ़ सकता है। इजरायल और ईरान से इतर सीरिया भी लड़ाई का एक अखाड़ा पहले से बना है। उसे लेकर तुर्किये और इजरायल भिड़े हुए हैं। असद शासन के पतन के बाद तुर्किये जहां सीरिया में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा है, वहीं इजरायल को यह रास नहीं आ रहा है। दोनों जुबानी जंग में भी उलझे हैं। इजरायल समर्थित और तुर्किये विरोधी कुर्दिश मिलिशिया भी एक खिलाड़ी है। एक समय खाड़ी देशों और ईरान के बीच छद्म युद्ध का मैदान बना सीरिया अब त्रिकोणीय संघर्ष का मंच बन गया है।

पश्चिम एशिया में सारी उथल-पुथल उस इलाके में चल रही है, जहां से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के तार जुड़े हुए हैं। ईरान के दक्षिणी तट के निकट एक संकरे स्थान होरमुज स्ट्रेट से ही विश्व के करीब एक तिहाई तेल की ढुलाई होती है। टकराव बढ़ने से इसमें गतिरोध या आपूर्ति के बंद होने का जोखिम बढ़ जाता है। हैरानी नहीं कि ईरान पर इजरायल के हमलों के तुरंत बाद तेल की कीमतें करीब नौ-दस प्रतिशत तक बढ़ गईं। यह यूक्रेन युद्ध के बाद तेल की कीमतों में आई सबसे बड़ी तेजी है। ब्रेंट क्रूड करीब 75 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। यदि ईरान के तेल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर इजरायली हमले जारी रहे तो यह भाव 100 डालर प्रति बैरल तक भी पहुंच सकता है। यदि कोई मिसाइल सऊदी आयलफील्ड पर गिर जाए या ईरान होरमुज स्ट्रेट बंद कर दे तो स्थितियां और बिगड़ सकती हैं। तब कीमतें 120 डालर प्रति बैरल को पार कर सकती हैं। बाजार पर बढ़ती तेल कीमतों का असर दिखने लगा है। इजरायली मुद्रा शेकेल दबाव में है तो जार्डन से लेकर मिस्र जैसे तमाम देशों में बांड पर प्रतिफल भी प्रभावित हुआ है। खाड़ी देशों विशेषकर दुबई और अबूधाबी के शेयर बाजार में रियल एस्टेट, विमानन और बीमा कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखी जा रही है। निवेशक सोना, चांदी जैसे सुरक्षित विकल्पों का रुख कर रहे हैं। राजनीतिक जोखिम बढ़ने के साथ ही पूंजी पलायन और अस्थिरता का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। यह तब है, जब यह संकट अपनी आरंभिक अवस्था में है। यदि यह और ज्यादा बढ़ता है तो वित्तीय मोर्चे पर कहीं ज्यादा बड़े झटके लगेंगे।

अवधेश राजपूत

कूटनीतिक कवायद ने स्थिति को और अनिश्चित बना दिया है। ट्रंप ने ईरान पर सख्ती बढ़ाने और इजरायल का साथ देना तय किया है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश सतर्कता बरत रहे हैं। ईरान के प्रतिकार में वे भले ही दबे-छिपे तरीके से इजरायल का समर्थन करें, पर उन्हें इसकी भी चिंता है कि यह टकराव कहीं उनकी सीमा तक न आ पहुंचे। रियाद यह नहीं भूल सकता कि 2018 में जब ईरान से तेल खरीदने वालों को राहत देने के लिए अमेरिका के अनुरोध पर उसने अपना उत्पादन बढ़ाया, तो उसकी कीमतें बहुत गिर गई थीं। इस बार खाड़ी देश यह नहीं चाहते।

भारत के लिए ईरान-इजरायल जंग के क्या निहितार्थ हैं? पहला और स्वाभाविक प्रभाव तो ऊर्जा मोर्चे पर है। भारत अपनी आवश्यकता का 80 प्रतिशत से अधिक तेल आयात करता है, जिसमें बहुलांश हिस्सेदारी खाड़ी देशों की है। यदि कच्चे तेल की कीमतें 100 डालर प्रति बैरल से ऊपर जाती हैं तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने के साथ ही महंगाई तेजी पकड़ेगी। इससे परिवहन, निर्माण से लेकर खाद्य वस्तुएं प्रभावित होंगी। दूसरा प्रभाव व्यापार में गतिरोध से जुड़ा है। चूंकि भारत के व्यापार का एक बड़ा हिस्सा अरब सागर और होरमुज स्ट्रेट के जरिये होता है, इसलिए वहां अस्थिरता बढ़ने का असर उर्वरक, रसायन और इलेक्ट्रानिक्स जैसी अन्य अनेक वस्तुओं की आपूर्ति पर पड़ सकता है। तीसरा बिंदु वित्तीय प्रभाव से जुड़ा है। पश्चिम एशिया में टकराव लंबा खिंचने से रुपये पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे रिजर्व बैंक के लिए मौद्रिक नीति की राह फिसलन भरी हो जाएगी। शेयर बाजार भी इसकी तपिश महसूस करेगा। खासतौर से एविएशन और लाजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों को इसकी मार झेलनी होगी। निवेशकों का भरोसा और पूंजी प्रवाह की दशा-दिशा प्रभावित होने के साथ ही आर्थिकी पर दबाव बढ़ेगा। इस सबसे निपटने के लिए भारत ने अभी तक संतुलित कूटनीतिक रणनीति अपनाई है। उसने ईरान, इजरायल और खाड़ी देशों को साधने के प्रयास किए हैं। टकराव बढ़ने पर नई दिल्ली के लिए चुनौतियां भी बढ़ जाएंगी। तटस्थता का भाव रखते हुए रणनीतिक हितों की पूर्ति, भारतवंशियों की सलामती और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिहाज से यह बड़ी परीक्षा की घड़ी है।

(लेखक लोक-नीति विश्लेषक हैं)
response@jagran.com

सेहत संग आजीविका का भी साधन योग

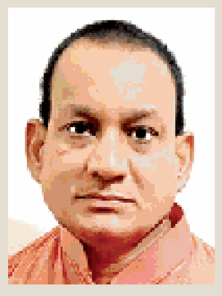

प्रो. विवेकानंद तिवारी

आज योग भारत के साथ दुनिया भर में स्वास्थ्य रक्षा के साथ-साथ पूंजी निर्माण का भी माध्यम बन गया है

ताशकंद में विशेष योग शिविर का आयोजन ● एएनआइ

कुछ समय पहले तक जिस योग को ऋषि-मुनियों की साधना और स्वस्थ जीवन का आधार समझा जाता था, आज वह अधिकाधिक लोगों की ओर से अपनाए जाने वाले सेहत के प्रभावी उपाय के साथ तेजी से बढ़ने वाला कारोबार भी है। योग भारत की प्राचीनतम विधाओं में से एक है और इसे अब वैश्विक मान्यता भी मिल गई है। योग को समूचे विश्व के लिए भारत का अनुपम उपहार कहा जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रयास से 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के संयुक्त राष्ट्र के निर्णय से भारतीय परंपरा की यह जीवन पद्धति विश्व पटल पर स्वीकार की जा रही है। इसे भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव के तौर पर भी देखा जाना चाहिए। योग वह माध्यम है, जिससे भारतीय सभ्यता-संस्कृति का वैश्विक स्तर पर प्रचार-प्रसार हो रहा है। योग एक विचार नहीं, बल्कि भारतीय जीवन पद्धति है, जिसमें भारतीय जीवन मूल्य समाहित हैं। शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के साथ आध्यात्मिक उन्नति के लिए योग की आवश्यकता एवं महत्व को जैन, बौद्ध, सिख दर्शन समेत प्रायः सभी भारतीय दर्शनों ने स्वीकार किया है। उनमें योग का महत्व सर्वमान्य है।

1990 के प्रारंभ में पश्चिमी देशों में हुए वैज्ञानिक शोधों से यह निकलकर आया था कि आधुनिक जीवनशैली के कारण होने वाली अनेक बीमारियों के प्रभावी उपचार में योग अचूक है। विश्व की श्रेष्ठ नौकरियों की सूची में योग शिक्षक-प्रशिक्षक भी शामिल हैं। आज तमाम देशों में योग प्रशिक्षकों के लिए नौकरी के मौके बढ़ रहे हैं। अमेरिका में एक अनुभवी योग टीचर की औसतन सालाना कमाई 42 हजार डालर से अधिक होती है। अमेरिका, ब्रिटेन, चीन आदि में योग एक बड़े उद्योग का रूप ले चुका है। विश्व में योग परिधानों का बाजार करीब 31.1 अरब डालर का और योग मैट का कारोबार 13 अरब डालर का है। योग में वेलनेस टूरिज्म, योग रिट्रीट आदि का 915 अरब डालर का कारोबार है। इसके अलावा योग को लेकर दुनिया भर में तरह-तरह के एप विकसित कर लिए गए हैं, जिनसे अच्छी कमाई हो रही है। ऐसे एप बनाने वाली देसी-विदेशी कंपनियों का कारोबार अरबों डालर तक पहुंच चुका है। योग की बढ़ती लोकप्रियता से प्रभावित होकर संस्कृत और हिंदी सीखने वालों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। भाषा सिखाने वाले डुओलिंगों के अनुसार विभिन्न भाषा सीखने वाले तमाम लोग हिंदी सीखना चाहते हैं। भारत के बाहर पहले योग विश्वविद्यालय की स्थापना लास एंजिलिस में की गई थी।

योग दिवस शुरू होने का अमेरिका में योग बाजार पर कितना बड़ा प्रभाव पड़ा है, इसकी बानगी इन आंकड़ों में दिखती है। 2008 में करीब डेढ़ करोड़ लोग योग करते थे, लेकिन 2016 में यह संख्या बढ़कर 3.67 करोड़ पर पहुंच गई। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा था, 'अमेरिका में लोग अपने स्वास्थ्य और समग्र ध्यान में सुधार के लिए योग अपना रहे हैं।' जर्मनी के सामान्य स्कूलों के बच्चों को भी स्वैच्छिक आधार पर योग सिखाया जा रहा है। ब्रिटेन में पहला योग स्कूल भारत में ब्रिटिश राज के एक अधिकारी रह चुके सर पास ड्युक्स ने 1949 में एपिंग में खोला था। 1965 में 'ब्रिटिश व्हील आफ योगा' की स्थापना हुई। वहां प्रौढ़ शिक्षा के तहत 1970 के बाद से पूरे देश में सैकड़ों योग-कक्षाएं भी लगने लगीं और अनेक प्राइवेट स्कूल भी खुलने लगे। योगाभ्यास और उससे जुड़ी वस्तुओं-सेवाओं का ब्रिटिश बाजार एक अरब डालर से अधिक आंका जाता है। 1989 में कम्युनिस्ट तानाशाही के अंत और 1993 में स्लोवाकिया के अलग हो जाने के बाद चेक गणराज्य में योग की जड़ें गहराई तक जम गईं। ईरान, अरब देशों और यहां तक कि पाकिस्तान समेत कई इस्लामिक देशों ने भी योग की महत्ता को समझा और उसे स्वीकार किया। सऊदी अरब की योग प्रशिक्षक को पद्म सम्मान भी मिल चुका है। योग पंथ, संप्रदाय और क्षेत्र से परे सर्वमान्य हो रहा है। इसका कारण यह है कि उससे लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है। खास बात यह है कि स्थाई लाभ मिल रहा है। लोग असाध्य रोगों से भी मुक्त हो रहे हैं। इसी कारण उसकी लोकप्रियता बढ़ रही है।

भारत में योग का बाजार 490 अरब रुपये का हो चुका है। एक शोध के अनुसार यह जल्द ही 875 अरब डालर तक पहुंच सकता है। भारत में योग और आयुर्वेद से जुड़े उत्पादों का बाजार 12 हजार करोड़ रुपये का हो चुका है। एक सर्वे के अनुसार योग करने वालों की संख्या में 35 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। योग से जुड़े उत्पाद बनाने वाली कंपनियां भी तेजी से बढ़ी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में योग सीखने वालों की संख्या करीब 25 करोड़ है। अपने देश में ही योग ट्रेनिंग का कारोबार करीब तीन हजार करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है। योग साधना का माध्यम भी है तो कमाई का साधन भी। अपने देश में 300 से लेकर 1500 रुपये तक योग सिखाने की फीस प्रति घंटे के हिसाब से ली जाती है। अमेरिका, आस्ट्रेलिया जैसे देशों में तीन से पांच घंटे तक की फीस तीन-पांच हजार डालर तक है। रूस, चीन, यूरोप के साथ अन्य देशों में बड़ी संख्या में भारतीय ट्रेनर जा रहे हैं और वहां से लोग ट्रेनिंग लेने भारत भी आ रहे हैं। कुल मिलाकर योग स्वास्थ्य के साथ-साथ पूंजी निर्माण का भी साधन बन चुका है।

(लेखक हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में आंबेडकर पीठ के अध्यक्ष हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

योग का महत्व

योग भारतवर्ष की अति प्राचीन विद्या है। योग एक ऐसी आध्यात्मिक क्रिया है जो हमारे शरीर, मन एवं आत्मा को परिमार्जित करके हमें ईश्वर के साथ जोड़ती है। महर्षि पतंजलि ने योग का अर्थ स्पष्ट करते हुए कहा है कि चित्त में चलने वाली अनंत वृत्तियों, जन्म-जन्मांतर के मलिन संस्कारों का निरोध करना ही योग है। मन की नकारात्मक आसुरी वृत्तियां ही हमारे जीवन की उन्नति में सबसे बड़ी बाधक हैं। शरीर एवं मन का गहरा संबंध है। मन का जैसा चिंतन होता है, शरीर भी उसी दिशा में आगे बढ़ता है। शारीरिक एवं मानसिक क्षमताओं में वृद्धि का आधार योग ही है। योग क्रियाएं शरीर को परिपुष्टता प्रदान करती हैं। हमारे शरीर को नई आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण करती हैं। उसे समृद्ध करती हैं।

आज की विकृत जीवन शैली से उपजे रोगों का निराकरण योग पद्धति के आचरण से ही संभव होता है। शास्त्रों में उल्लेख है, 'जिसने अपने शरीर को योग रूपी अग्नि में तपा लिया है, उसके शरीर से रोग एवं अकाल मृत्यु भी दूर रहती है।' हमारे वैदिक ग्रंथ इस योग विद्या के आधार स्तंभ हैं। गोरक्ष संहिता में इस योग की महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया है कि वेद रूपी कल्पवृक्ष का फल योगशास्त्र है। इस योगशास्त्र के सेवन से संसार के तीन प्रकार के तापों का भी शमन होता हैं। योग वशिष्ठ ग्रंथ में मुनि वशिष्ठ ने श्रीराम को योग का सूक्ष्म अर्थ बताते हुए कहा है, 'यह योग ही संसार सागर को पार करने की दिव्य नौका है।'

पूरे विश्व ने आज योग के महत्व को स्वीकार किया है। नियमित योगाभ्यास से मनुष्य के मन में आनंद, ज्ञान, शांति, एकाग्रता और शक्ति का संचार होता है। योग मनुष्य को जीवन जीने की कला से परिचित कराता है। मनुष्य के व्यक्तित्व के समग्र विकास का मार्ग इसी योग पद्धति से खुलता है। आध्यात्मिक शब्दावली में हमारे ऋषियों ने कहा है कि योग ही हमारे आत्मा को आनंद के भंडार परमात्मा से जोड़ता है।

आचार्य दीप चंद भारद्वाज

पाठकनामा

pathaknama@nda .jagran.com

आतंक को लेकर न हो कोई समझौता

'अमेरिका-पाकिस्तान फिर एक साथ' शीर्षक से लिखे आलेख में श्रीराम चौलिया ने बताया है कि अमेरिका अपने भू-राजनीतिक लक्ष्य को साधने के लिए पाकिस्तान के साथ पूर्व में भी था और आगे भी रहेगा, क्योंकि महाशक्तियों की रणनीति एक देश के हितों तक सीमित नहीं रहती। इसका यह कतई मतलब नहीं है कि अमेरिका के साथ भारत के संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पाकिस्तान की सीमा अफगानिस्तान, ईरान और चीन से भी लगती है। चीन भारत के पड़ोस में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है और उसके अमेरिका के साथ संबंध इन दिनों बहुत अच्छे नहीं हैं। ऐसे में अगर पाकिस्तान को चीन से दूर करने में अमेरिका सफल रहता है तब इसका लाभ भारत को भी मिलेगा, क्योंकि चीन भारत के लिए बड़ी चुनौती है। इसके बावजूद पाकिस्तान के आतंकी मंसूबे और उनके क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति के लिए खतरे की बात भी अमेरिका को समझानी भी होगी। आतंकवाद के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। यह एकदम स्पष्ट होना चाहिए।

मुकेश कुमार मनन, पटना

योग दिवस पर फिर बनेगा रिकार्ड

शरीर को स्वस्थ रखने में योग के बड़े मायने हैं। वर्तमान समय में भागदौड़ भरी जीवनशैली के बीच इसकी आवश्यकता को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्ताव पास कर पहली बार 21 जून 2015 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस प्रस्ताव को 177 देशों का समर्थन मिला था। आज भारत विश्व में योग के माध्यम से पहचान बना चुका है। कई देशों में लोग बढ़-चढ़कर योग दिवस मना रहे हैं। 21 जून 2025 के 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' रखी गई है। यह थीम वैश्विक विचार को बढ़ावा देती है, जिसका अर्थ है कि स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य के लिए हमारे ग्रह और हम सभी की सेहत आपस में जुड़ा हुआ है। योग दिवस पर इस बार फिर रिकार्ड बनेगा।

मीना धानिया, दिल्ली

भारत की एक और उछाल

नवीन शिक्षा नीति का अब सकारात्मक प्रभाव दिखने लगा है। संख्या की दृष्टि से विश्व में उच्च शिक्षा के संस्थानों में गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने के मामले में भारत 54 संस्थानों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गया है। उसके आगे अब केवल अमेरिका (192), इंग्लैंड (90) एवं चीन (72) हैं। 10 वर्ष पूर्व क्यूएस रैंकिंग में सिर्फ 11 भारतीय संस्थान ही स्थान पा सके थे। यह अद्भुत संयोग है कि भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति भी बन गया है। भारत अब पढ़ाई का हब भी बन रहा है। इससे निकट भविष्य में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए विदेश का रुख करने वाले छात्रों की संख्या में कमी होने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। नौकरी देने के लिहाज से भी क्यूएस रैंकिंग 2026 में भारत के पांच उच्च शिक्षण संस्थानों ने विश्व के टाप 100 में जगह बनाई है। शोध के क्षेत्र में भी आठ भारतीय संस्थानों ने शीर्ष 100 में स्थान प्राप्त किया है।

धर्मेन्द्र नाथ रस्तोगी, गाजियाबाद

अब तो पद छोड़ें

संपादकीय आलेख 'अब तो पद छोड़ें' में जस्टिस यशवंत वर्मा को उचित सलाह दी गई है कि वे इस्तीफा देकर सम्मानजनक अवकाश ग्रहण कर लें। भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने जांच रिपोर्ट की एक प्रति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अलवा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी दी थी। तीन मई को सुप्रीम कोर्ट की जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि 14 मार्च को जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास में आग लगने के बाद वहां नकदी की बड़ी मात्रा में गड्डियां मिलीं। इन आरोपों में प्रथम दृष्टया सच्चाई भी पाई गई। दूसरी ओर जस्टिस वर्मा इन आरोपों को खारिज कर इस्तीफा नहीं देने की बात कही है। जस्टिस वर्मा का कहना है कि उन्हें आरोप की जानकारी और अपना पक्ष रखने का उचित मौका नहीं दिया गया। उन्होंने फिर से समीक्षा करने की मांग की है। यह मामला अब न्यायपालिका की आंतरिक जांच प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। दरअसल जस्टिस वर्मा आश्वस्त हैं कि पूर्व की भांति इस बार भी महाभियोग का प्रस्ताव नहीं आ पाएगा। कारण यह है कि इसके पीछे सरकार और विपक्ष के बीच समन्वय का अभाव है। संसदीय कानून के मुताबिक, महाभियोग के लिए दोनों सदनों में कम से कम दो-तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित होना चाहिए। कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने दिल्ली हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के खिलाफ लाए जा रहे महाभियोग प्रस्ताव का विरोध करने का एलान किया है।

युगल किशोर राही, ग्रेटर नोएडा

पोस्ट

ट्रंप को अगर नोबेल पुरस्कार ही चाहिए तो बेहतर है कि वे नार्वे को धमकाएं कि अगर पुरस्कार नहीं दोगे तो हमला कर दूंगा। कमलेश सिंह@kamleshksingh

ट्रंप जिस तरह दुनिया को क्षति पहुंचाने पर आमादा हैं, उससे अमेरिका का ही कहीं अधिक नुकसान होता दिख रहा है। अमेरिकी जितनी जल्दी इसे समझ लेंगे, उनके लिए उतना ही बेहतर होगा। सुहेल सेठ@Suhelseth

संघर्षविराम पर ट्रंप की कपोल-कल्पनाओं को हवा मिलने के लिए भारत सरकार अपने अलावा किसी और को दोष नहीं दे सकती। अब वह एक श्वेत पत्र जारी करे और उसे भारतीय एवं वैश्विक मीडिया को भेजे। उसमें आपरेशन सिंदूर और उसके बाद के पूरे घटनाक्रम का बिंदुवार ब्योरा हो। मिन्हाज मर्चेंट@MinhazMerchant

2012 से 2014 के बीच जब काले धन की बात होती थी तो कहा जाता था कि अगर विदेश में जमा काला धन वापस आ जाए तो सबके खाते में 15 लाख रुपये आ सकते हैं। अब लगभग 13 साल बाद स्विस बैंकों में जमा पैसों में तीन गुना बढ़ोतरी हो गई है। आदेश रावल@AadeshRawal

जनपथ

'दो रोटी' पर बिक गया जाकर मियां मुनीर,
गया 'ब्रदरहुड' भाड़ में खाव ट्रम्प की खीर!
खाव ट्रम्प की खीर पीर झेलें ईरानी,
मिल अमरीका-पाक लिखेंगे नई कहानी।
देखें मुस्लिम बंधु कि नीयत किसकी खोटी,
बेच दिया ईरान खाय के बस दो रोटी!!

– ओमप्रकाश तिवारी

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा जागरण प्रकाशन लि. के लिए डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित एवं 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित, संपादक (दिल्ली एनसीआर)-विष्णु प्रकाश त्रिपाठी
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No 50755/90 समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त। वर्ष 35 अंक 337

****

> मैं मानता हूं कि गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दों पर भी हम 11 वर्षों में आधे से ज्यादा रास्ता तय कर चुके हैं। अभी काम हो रहा है। परिवर्तन और दिखेगा

मोदी सरकार समस्याओं को नियंत्रित करने में नहीं, समूल समाप्त करने में विश्वास करती है

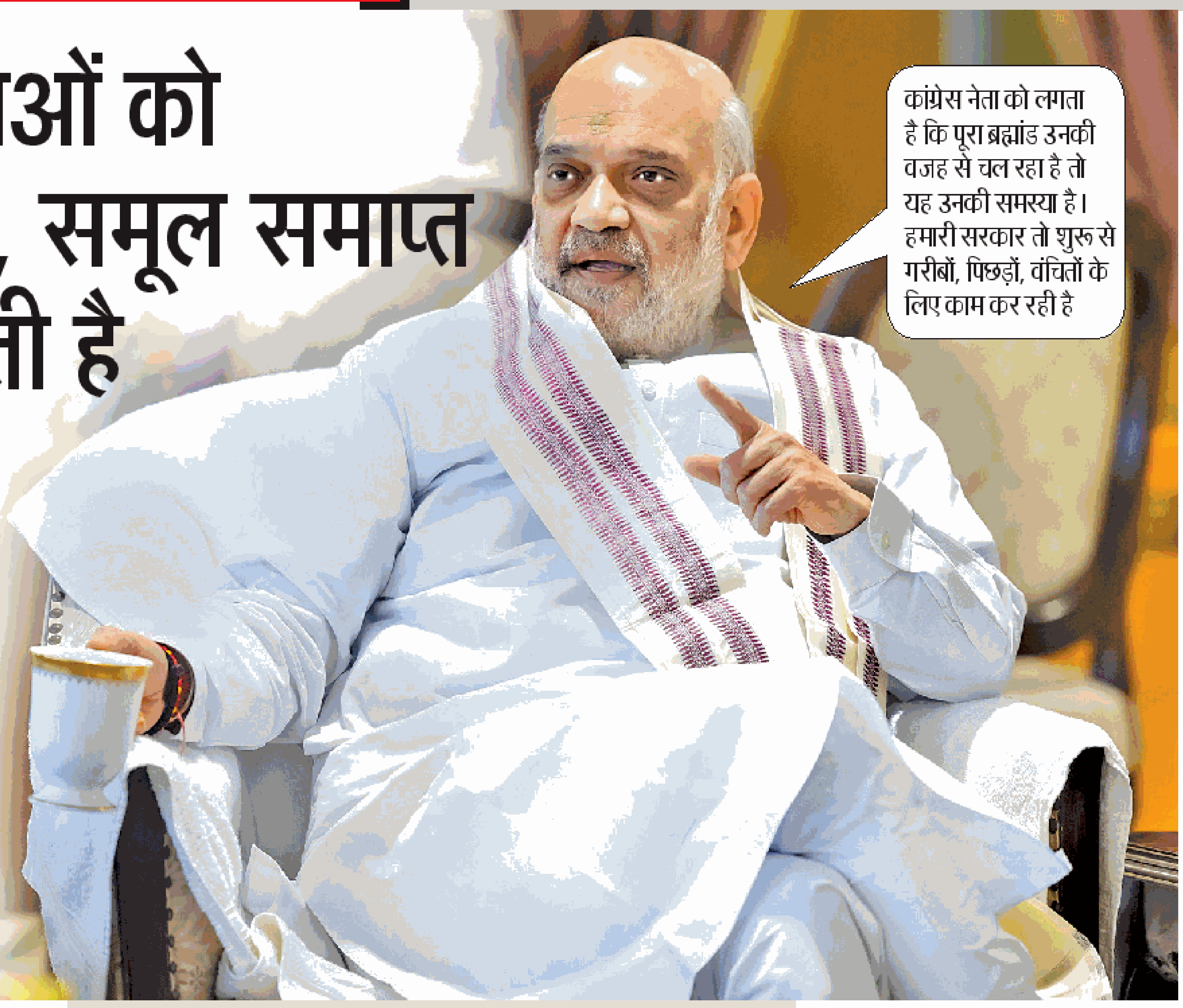

लगातार तीसरी बार जीत के साथ केंद्र में आई नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे हो गए हैं। भाजपा की ओर से उपलब्धियों की लंबी सूची दिखाई जा रही है तो विपक्ष की ओर से यह जताने की कोशिश हो रही है कि अब सरकार दबाव में आ गई है। जातिवार गणना जैसे मुद्दों पर श्रेय लेने की भी कोशिश हो रही है। जबकि आतंकवाद, नक्सलवाद और अलगाववाद से निपटने के मुद्दे पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। ऐसे में भाजपा व सरकार के रणनीतिकार और केंद्रीय गृह मंत्री **अमित शाह** ने तंज किया कि कांग्रेस के नेता इस भ्रम में हैं कि पूरा ब्रह्मांड उनकी वजह से चल रहा है। सच्चाई यह है कि पिछली सरकारों की मंशा और शासन का उनका दृष्टिकोण ही गलत था। दैनिक जागरण के राजनीतिक संपादक **आशुतोष झा** और सहायक संपादक **नीलू रंजन** से बातचीत में शाह कहते हैं कि पिछले 11 वर्षों के सुशासन के कारण ही देश में विश्वास पैदा हुआ है। हमने आधे से ज्यादा रास्ता तय कर लिया है।

● मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर पार्टी की ओर से कई उपलब्धियां गिनाई जा रही हैं। लेकिन आपकी नजर में पांच मुख्य उपलब्धियां क्या हैं?

– मुझे संख्या में मत बांधिये। हर उपलब्धि अहम है, हर किसी का प्रभाव अलग है। पिछले 11 वर्षों में जो भी काम किए गए हैं, उनसे बदलाव आया है, लेकिन सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि 2014 के पहले फैली निराशा की जगह आम लोगों में आशा का संचार हुआ है। भ्रष्टाचार, सीमाओं की सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा, विदेश में देश की साख, समाज, जीवन में बिखराव और अर्थव्यवस्था की नाजुक स्थिति थी। 2014 में, विशेषकर युवाओं के मन में देश की दशा और दिशा को लेकर घोर आशंका थी, वह अंधकार मिट गया। अब 2025 में जब हम बैठे हैं, तब विमर्श इसे लेकर है कि 2047 में हम दुनिया में नंबर वन बनेंगे। यह विश्वास न सिर्फ नेतृत्व का है, बल्कि 140 करोड़ जनता का बन चुका है। और इसके ठोस कारण हैं। आज भारत 1.27 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादों का निर्माण करता है। 2023-24 में भारत ने 21,083 करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादों का निर्यात किया, जबकि 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपये के उत्पादन और 50,000 करोड़ के निर्यात का लक्ष्य रखा गया है। कुछ वर्ष पहले जो असंभव-सा लगता था, वह आज वास्तविकता बन गया है। भारत अब मोबाइल फोन का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक बन चुका है। 2014-15 में भारत में बिकने वाले मोबाइल फोनों में केवल 26% ही 'मेड इन इंडिया' थे, जबकि फरवरी 2025 तक यह आंकड़ा 99.2% तक पहुंच गया है। ये परिवर्तन सभी क्षेत्र में अथक परिश्रम, दूर दृष्टि और माइक्रो प्लानिंग के साथ स्थिति बदलने के कारण आया है। हर क्षेत्र में यह परिवर्तन जनता भी महसूस करती है और दुनिया भी महसूस करती है।

> झूठ से डरकर सच के रास्ते पर चलना छोड़ नहीं सकते। जो घुसपैठिया है वह घुसपैठिया है और उसे इस देश की भूमि छोड़नी पड़ेगी। हमारा देश धर्मशाला नहीं है

● लेकिन 2014 के पहले गरीबी, महंगाई बेरोजगारी जैसे जो मुद्दे थे, वे तो आज भी बरकरार हैं?

– देखिए, कुछ मुद्दे ऐसे होते हैं, जिसका तत्काल समाधान या संपूर्ण उन्मूलन आपको दृष्टिगोचर नहीं होता है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं होता है कि बदलाव नहीं हो रहा है। क्या कोई कह सकता है कि 2014 से 2025 के बीच गरीबों की संख्या में कोई कमी नहीं आई है या गरीबों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है? 25 करोड़ से ज्यादा लोग मल्टी डाइमेंशनल पावर्टी से बाहर आ गए। करीब 80 करोड़ लोगों को विभिन्न योजनाओं में घर, घर में पानी, बिजली, शौचालय, पांच लाख रुपये सालाना तक का इलाज का खर्चा उठाने की योजना और पांच किलो मुफ्त अनाज और गैस का सिलिंडर, ये 11 सालों में पहुंचे हैं। 13 हजार करोड़ से शिल्पकारों, कारीगरों को विश्वकर्मा योजना के तहत मदद मिली और वे पैरों पर खड़े हुए। 13 करोड़ से ज्यादा किसानों को तीन लाख 68 हजार करोड़ रुपये वितरित हुए। जो 70 वर्षों में नहीं पहुंच पाया था वह 2014 के बाद अब तक हो चुका है। मैं मानता हूं कि इन तीनों मुद्दों पर भी हम 11 वर्षों में आधे से ज्यादा रास्ता तय कर चुके हैं। अभी काम हो रहा है। परिवर्तन और दिखेगा।

● विपक्ष का आरोप है कि मोदी सरकार के विकास के दावे केवल दावे हैं, उनका फायदा जमीन पर लोगों को नहीं मिला है?

– मैंने जो कुछ आपको बताया, वह ठोस है। क्या विपक्ष झुठला पाएगा कि 11 वर्षों में भारत 10वीं से दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। मैं आपको और डाटा दे देता हूं। अर्थव्यवस्था 2.03 ट्रिलियन डालर से बढ़कर 4.19 ट्रिलियन डालर हो गई। सरकार के समावेशी प्रयास का ही नतीजा है कि 11 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय 68,572 रुपये से बढ़कर एक लाख 33 हजार 488 रुपये हो गई है। इस दौरान एफडीआइ 143 प्रतिशत बढ़कर 308 अरब डालर से 749 अरब डालर हो गई। मुद्रास्फीति की औसत दर 10.1 प्रतिशत से घटकर 4.6 प्रतिशत रह गई है। इलेक्ट्रानिक एक्सपोर्ट 7.6 अरब डालर से 38.6 अरब डालर हो गया है। विदेशी मुद्रा भंडार 309 अरब डालर से दोगुना होकर 654 अरब डालर हो गया है। हाईवे बनाने की गति प्रतिदिन 12 किमी से 21.3 किमी हो गई है। एयरपोर्ट की संख्या 74 से 162 हो गई है। मेट्रो रेल नेटवर्क 248 किमी से 1,000 किमी हो गया है। बैंकिंग सेक्टर की बात करें, तो यूपीए सरकार में बैंकों का एनपीए डबल डिजिट में था, जो घटकर 2.3 प्रतिशत रह गया है। देश में कुल लेनदेन में डिजिटल लेनदेन की हिस्सेदारी करीब 50 प्रतिशत है। गरीबों के लिए पीएम मोदी के नेतृत्व में किए गए बैंकिंग सुधार और वित्तीय समावेश विश्व के लिए एक माडल और शोध का विषय है।

● 11 वर्ष में कश्मीर में आतंकवादी, नक्सलवादी और पूर्वोत्तर की अलगाववादी हिंसा में काफी कमी आई। इनसे निपटने में ज्यादा चुनौती कहां आई?

– सबसे बड़ी चुनौती सरकार की दृष्टिकोण की थी कि इससे निपटने के लिए हमारा प्रयास कैसा होना चाहिए। पहले सरकार का सोच था कि समस्या को बढ़ने नहीं दो, अब हमारा सोच है कि समस्या को समाप्त करो। देश में चुनौती नहीं हो, यह संभव नहीं है। लेकिन आप इसे किस तरह से लेते हैं। अगर आप इस सोच के साथ काम कर रहे हैं कि किसी तरह हमारा कार्यकाल निकल जाए और कोई बड़ी घटना नहीं हो, तो मान लीजिए कि चुनौती का समाधान नहीं होने वाला है। नक्सलवाद को ही लें तो तिरुपति से पशुपतिनाथ तक रेड कारिडोर की कल्पना करते थे जो सबको सच भी लगती थी। 123 जिले नक्सल प्रभावित थे, अब छह जिले रह गए हैं। लगभग समाप्त हो गया है। मुझे पूरा विश्वास है कि 31 मार्च 2026 तक यह देश नक्सल समस्या से पूरी तरह से मुक्त हो जाएगा। ये तभी होता है, जब पूर्ण उन्मूलन के लिए आप काम करते हैं। पूर्वोत्तर में हिंसा में 70 प्रतिशत कमी आई है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ मुठभेड़ हुई हो, 20 से ज्यादा समझौते किए हैं। 10 हजार से ज्यादा लोग सरेंडर किए हैं। इसकी वजह से कई इलाकों में हिंसा की एक भी घटना नहीं हुई है। अगले साल के आंकड़े आएंगे तो शायद 70 प्रतिशत 90 प्रतिशत पहुंच जाएगा।

● नक्सलवाद सचमुच दम तोड़ता दिख रहा है, यह हुआ कैसे, क्या रणनीति अपनाई ?

– सबसे पहले तो हमने उनकी सप्लाई लाइन को काटने का काम किया। पिछले साल 19 अगस्त से यह काम शुरू किया और 20 जून तक इस पर हमारा पूरा कंट्रोल था। पैसे की, हथियारों की और खाने की सप्लाई लाइन पर। इसके साथ ही लगभग 500 कैंप बनाकर सिक्योरिटी वैक्यूम को खत्म किया। हर आठ किमी पर एक कैंप है। जवानों को हमने सभी तरह के सूचना तंत्र को दुनिया की अत्याधुनिक तकनीक से लैस कर लगाया। शुरुआत में शंका थी कि शायद मेरे समय मे यह पूरा नहीं हो पाए, लेकिन सबसे पहले झारखंड और बिहार नक्सल मुक्त हो गए। आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र के कुछ जिलों में नक्सली जमे हुए थे। झारखंड, मध्यप्रदेश, ओडिशा, बिहार, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र ने मदद की और नक्सल विरोधी अभियान चला। पूर्व की भूपेश बघेल की छत्तीसगढ़ सरकार इसमें मदद नहीं कर रही थी। इसके कारण सभी राज्यों से नक्सली भागकर छत्तीसगढ़ में इकट्ठे हो गए। यह हमारे लिए बहुत अच्छा हो गया।

● सुरक्षा के प्रबंधन में जो काम हुए उसे सभी महसूस कर रहे हैं, लेकिन पहलगाम की घटना बड़ा आघात था। इसका सबसे बड़ा सबक क्या रहा?

– इसका विश्लेषण अलग तरीके से करना चाहिए। एक जमाने में कश्मीर में जो आतंकी मरते थे, उनमें 70 प्रतिशत कश्मीर घाटी से और 30 प्रतिशत बाहर से आते थे, आज वह पांच और 95 का अनुपात हो चुका है। इसका मतलब है कि पाकिस्तान से भेजे गए आतंकियों को घटा दें तो भारत में आतंकवाद की समस्या को लगभग समाप्ति के कगार पर ला चुके हैं। घाटी में आतंकी बनने की घटना अब समाप्त हुई और इसका मूल कारण समझना होगा। वहां आतंकवाद का उद्भव अन्यायपूर्ण चुनाव से हुआ था। युवाओं को जोड़ा नहीं गया था। विकास का पैसा भ्रष्टाचार की बलि चढ़ चुका था। अनुच्छेद 370 के कारण भावना बनी हुई थी कि भारत से अलग हो सकते हैं। अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद इस भावना पर पूर्ण विराम लगा। सबको सुनिश्चित हो गया कि यहीं रहना है। दो पंचायत चुनाव, तहसील पंचायत चुनाव, जिला पंचायत चुनाव, लोकसभा और विधानसभा के चनाव हुए कहीं भी एक भी गड़बड़ी की शिकायत हमारे विरोधी भी नहीं कर पाए। हम हारे भी हैं और जीते भी हैं। चुनाव दिल्ली मैनेज करता है, इस छवि को तोड़ने में सफल रहे हैं। लोकतंत्र को गांव तक पहुंचाया है। मोदी सरकार आने के बाद आधारभूत संरचना के विकास का सबसे ज्यादा फायदा तीन ही हिस्सों में हुआ है, जो उचित भी है। पूर्वी भारत, पूर्वोत्तर और कश्मीर। ये तीनों पहले इससे वंचित थे। कश्मीर में शैक्षिक संस्थान भी बने। आइआइएम, आइआइटी, एम्स वहां हैं। स्वास्थ्य के संस्थान भी बने और 12 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश भी हुआ है। 75 साल में 12 हजार करोड़ हुआ था, जबकि 2019 से 2025 के बीच 12 हजार करोड़ निवेश हुआ है। युवाओं में आशा जगी है।

> दिल्ली में 100 दिन में यह सफलता मिली है कि अधिकारियों को हम यह समझाने में सफल रहे हैं कि काम करना पड़ेगा। ये भी बहुत बड़ा काम था

● आतंकियो के जनाजे पर रोक का भी कुछ असर हुआ है।

– आज कोई भी आतंकी का जनाजा नहीं निकल सकता। जो जहां मरता है, वहीं दफना दिया जाता है। पाकिस्तान में बैठकर जो आतंकवाद के खैरख्वाह बने हैं, उनके परिवारों को नौकरियों से हमने निकाल दिया है। जो पथराव में सम्मिलित थे, वे युवा कभी भी सरकारी नौकरी प्राप्त नहीं कर पाएंगे। जहां तक पहलगाम जैसे पाक पोषित आतंकी घटनाओं का सवाल है, उसमें भी अपनी नीतियों को स्पष्ट रखा है। उरी हो, पुलवामा हो या पहलगाम हो हमने कठोर जवाब दिया है। मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं, आपके समय में क्या होता था। आतंकवाद के मुद्दे पर कांग्रेस कैसे सवाल पूछ सकती है। मंत्री बदलने के अलावे उन्होंने कभी कुछ नहीं किया।

● आपरेशन सिंदूर से पहले हमने सिंधु जल समझौता स्थगित किया था, उसे रद नहीं किया है। क्या फिर से इसके लागू होने की संभावना है?

– नहीं, कभी लागू नहीं होगा। ध्यान रखिए कि अंतरराष्ट्रीय समझौते कभी एकतरफा रद नहीं होते। स्थगित करने का हमारा अधिकार है, क्योंकि उसकी प्रस्तावना में लिखा हुआ है कि भारत-पाकिस्तान के अच्छे संबंध और एक-दूसरे के उत्कर्ष के लिए यह समझौता है। जब प्रस्तावना ही आपने खत्म कर दिया तो फिर पीछे कुछ बचता ही नहीं।

● तीसरे कार्यकाल में वैसे तो कई बड़े फैसले हुए, लेकिन ये आरोप भी लगने लगे कि मोदी सरकार दबाव में काम कर रही है। कांग्रेस कह रही है कि उनकी वजह से जातिवार गणना की घोषणा हुई है।

– कांग्रेस के नेता को लगता है कि पूरा ब्रह्मांड ही उनकी वजह से चल रहा है, इसमें मुझे कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन सच्चाई तो यह है कि पिछले 11 वर्षों से हम 70 करोड़ गरीब के कल्याण के लिए काम कर रहे थे तो ये गरीब कौन हैं। सभी समाज के लोग गरीब हैं, लेकिन सबसे ज्यादा दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समाज से हैं। सरकार के बजट का बड़ा हिस्सा उन्हीं के लिए खर्च हुआ है। आकांक्षी जिलों में 70 प्रतिशत आदिवासी बहुल और 10 प्रतिशत दलित बहुल और बाकी ओबीसी बहुल हैं। विपक्ष ने जातिवार गणना शब्द का उपयोग राजनीतिक हथियार के रूप में किया। उनकी मंशा सिर्फ राजनीतिक है। कांग्रेस से ज्यादा ओबीसी विरोधी कोई पार्टी हो ही नहीं सकती। काका साहब कालेलकर कमीशन, मंडल कमीशन की रिपोर्ट को दबाकर रखा, मंडल कमीशन को लागू करते समय विपक्ष के नेता के रूप में राजीव गांधी ने सबसे लंबा ऐतिहासिक भाषण दिया और विरोध जताया। दबाव में तो वे हैं, हम तो शुरू से गरीबों और वंचितों के लिए ही समर्पित रहे हैं।

● अधिसूचना में जातिवार गणना का उल्लेख नहीं है, कांग्रेस इसे मुद्दा बना रही है।

– ऐसा उल्लेख कभी नहीं होता है। प्रधानमंत्री ने कह दिया है कि जातिवार गणना होगी, फिर भी आप सवाल कर रहे हैं।

● आपराधिक न्याय प्रणाली में तीन नए कानूनों को कहां तक लागू किया गया और इसके जल्दी न्याय मिलने में कितनी मदद मिल रही है?

– नए कानून में बारीकी से ध्यान में रखा गया है कि यह भारत की जनता को न्याय दिलाने के लिए हों। दूसरे 160 साल पुराने कानून में तकनीक में आए बदलाव को समाहित करने की कोई जगह नहीं थी। हमने इसमें आने वाले 100 वर्षों तक की तकनीक को शामिल कर दिया है। अब ई-सुनवाई भी हो पाएगी, ई-बहस भी हो पाएगी। सारा चार्जशीट अब आनलाइन होगी। सात साल से ज्यादा सजा के मामले में एफएसएल को अनिवार्य कर दिया है। इससे दोषसिद्धि की दर भी बढ़ेगी। पुलिस और न्यायालय मिलाकर 32 जगह पर समय सीमा बांध दी है, जिससे समय पर न्याय मिल पाएगा। कुछ केसों में पोस्टमार्टम भी अनिवार्य कर दिया है। 90 दिनों के भीतर पुलिस को चार्जशीट करनी होगी। कस्टडी में रखे लोगों की सूची बाहर लगानी होगी। हर थाने में बहुत सारे अपराधों का डाटा बेस आनलाइन उपलब्ध करा दिया गया है। इसके साथ-साथ क्षेत्रीय अपराध को भी नियंत्रित करने की व्यवस्था की गई है। जैसे हरियाणा, दिल्ली, पंजाब और राजस्थान में गैंगस्टर गिरोह सक्रिय हैं। इसमें केस आते ही संबंधित गिरोह से जुड़ी अन्य एफआइआर के साथ मामला जुड़ जाएगा। फिर नेटग्रिड से एनालिसिस होगी कि कितने लोग गिरोह में शामिल हैं। सभी एफआइआर इन चारों राज्यों को मिल जाएंगी।

● जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जा की मांग उठ रही है। पहलगाम के बाद इस पर प्रभाव पड़ा है। क्या रोडमैप है ?

– इसमें किसी को शंका करने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री ने लालकिले से कहा है और मैंने संसद के दोनों सदन में कहा कि उचित समय पर राज्य का दर्जा दे दिया जाएगा।

● देश में सांप्रदायिक दंगों में काफी कमी आई है। क्या कारण हैं।

– इसका कारण है कि अधिकांश राज्यों में हमारा शासन आ गया है। हम सबको साथ लेकर चलते हैं। हम भेदभाव नहीं करते हैं।

● लेकिन बंगाल में तो सांप्रदायिक दंगे बढ़ रहे हैं?

– (हंसते हुए) आप चिंता न करें, इस विधानसभा चुनाव के बाद वहां भी सब ठीक हो जाएगा।

● घुसपैठियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई कई राज्यों में चल रही है। इसे सांप्रदायिक रंग भी देने की कोशिश हो रही है।

– झूठ से डरकर सच के रास्ते पर चलना छोड़ नहीं सकते। जो घुसपैठिया है, वह घुसपैठिया है और उसे इस देश की भूमि छोड़नी पड़ेगी। हमारा देश धर्मशाला नहीं है। इस देश में आना है तो वैध तरीके से पासपोर्ट लेकर ही आ सकते हैं। क्या रंग देने कोशिश हो रही है, इससे फर्क नहीं पड़ता। देश की सुरक्षा की प्राथमिकता सबसे ऊपर है।

● आपकी बातों का अर्थ है कि जहां भाजपा की सरकार है, वहां सकारात्मक बदलाव हो रहा है। दिल्ली में 28 साल बाद भाजपा की सरकार बनी है। आपने 100 दिन का टारगेट दिया था। आप खुश हैं?

– रेखा जी की सरकार ने बहुत अच्छा काम किया है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में शुरुआत की है। दिल्ली में एक प्रकार से पूरा देश रहता है। सबके साथ दिल्ली सरकार और दिल्ली प्रशासन के जुड़ाव की शुरुआत हुई है। पानी की समस्या का लांग टर्म और शार्ट टर्म, दोनों दृष्टि से समाधान करने की शुरुआत की है। सीवेज की समस्या का भी लांग टर्म और शार्ट टर्म, दोनों दृष्टि से समाधान किया जा रहा है। यमुना के शुद्धिकरण, विकास, पर्यटन और अवैध कब्जे इन सभी मोर्चों पर एक बढ़िया डिजाइन और समयबद्ध तरीके से नीति बनी है। मेरा मानना है कि पहली बार राजधानी के लोगों को पांच लाख रुपये तक का आयुष्मान भारत का फायदा इन 100 दिन में ही हमने दे दिया। ई-राशन कार्ड की सुविधा देकर दिल्ली में रहने वाले प्रवासियों को राशन लेने का अधिकार दे दिया। पर्यावरण की समस्या को हल करने के लिए एक कमेटी का गठन भी किया है, वह कमेटी काम कर रही है। सबसे बड़ी शुरुआत राजस्व नुकसान के सुधार के लिए की गई है। दिल्ली एक ऐसा राज्य है, जहां गांव भी हैं, जिसमें अंग्रेजों के जमाने के लाल डोरे वाले कानून भी हैं, शुद्ध रूप से दिल्ली भी है और राजधानी क्षेत्र भी है। इन तीनों में तारतम्यता नहीं होने के कारण राजस्व का नुकसान होता था। इसमें एकरूपता लाने के लिए बहुत बड़ा कदम उठाया गया है। 100 दिन में इससे ज्यादा नहीं हो सकता।

> बहुत ही कम समय में बहुत बड़ी कोआपरेटिव बीमा कंपनी भी आएगी। लाइफ और जनरल बीमा दोनों क्षेत्रों में। इसके साथ ही टैक्सी भी आएगी

● यहां ट्रिपल इंजन सरकार है। इसीलिए सामंजस्य की जरूरत है। आपको लगता है कि सामंजस्य हो गया है। ब्यूरोक्रेसी का रुख कैसा है?

– देखिये, 100 दिन में यह सफलता मिली है कि अधिकारियों को हम यह समझाने में सफल रहे हैं कि काम करना पड़ेगा। यह भी बहुत बड़ा काम था। अब कम से कम दौड़-धूप चालू हुई है।

● मणिपुर के बारे में आपका क्या आकलन है, वहां अभी भी तनाव बना हुआ है।

– पहले दो चीजों को आप अलग कर दीजिए। मणिपुर में आतंकवाद की समस्या नहीं है। मणिपुर में नस्ली हिंसा की समस्या है। दो नस्लों के बीच का झगड़ा है, मैतेयी और कुकी। वहां इतने वर्षों से सीमा को खुला रखा गया। म्यांमार अस्थिर हुआ, अराजकता की स्थिति बनी। भारत से सटी हुई सीमा पर अब म्यांमार सेना का कब्जा नहीं है। अलग-अलग ग्रुप सक्रिय हैं। इससे बड़ी घुसपैठ शुरू हुई। इसके कारण मणिपुर में प्रतिक्रिया हुई और कोर्ट के एक फैसले ने चिंगारी भड़काने का काम किया। जब-जब मणिपुर में नस्ली हिंसा हुई, वह दो-तीन साल में ही थमी है। अभी हिंसा का वातावरण नहीं है, लेकिन हम यह भी नहीं कह सकते कि दोनों समुदायों के बीच मतभेद या मनभेद को हम समाप्त कर पाए हैं। इसके लिए हम प्रयासरत हैं। पहले दोनों को अलग-अलग बुलाया, फिर संयुक्त रूप से भी बुलाया है और अब राजनीतिक स्तर पर भी बात हो रही है। मुझे लगता है कि कुछ समय में सफलता मिल जाएगी और पूर्ववत स्थिति बहाल होगी।

● जनगणना की घोषणा हो गई है। आंकड़े कब तक आएंगे और परिसीमन की प्रक्रिया कब शुरू होगी ?

– आंकड़े 2027 के अंत तक आने की उम्मीद है, वैसे 2027 के मध्य तक भी आ सकते हैं, क्योंकि इस बार हम तकनीक के आधार पर जनगणना कर रहे हैं। आप अपने परिवार की जानकारी खुद ही अपलोड कर सकते हो, ऐसा एक सरल एप भारत की सभी भाषाओं में बनाया है। अपलोड करने के बाद जनगणना कर्मी आपके गांव में भी जा सकता है और दिल्ली में रहते हो, तो वहां भी आएगा। इसीलिए रिपोर्ट आने में जो पहले पांच-छह साल लगते थे, इस बार पांच-छह महीने में आ जाएगी। पहली बार एक प्रकार से इलेक्ट्रानिक जनगणना हो रही है।

● तो 2029 के लोकसभा चुनाव के पहले परिसीमन की भी संभावना बनती है ?

– (हंसते हुए) 2029 का चुनाव महिला आरक्षण के साथ होगा।

● परिसीमन को लेकर दक्षिण के राज्य सवाल खड़े कर रहे हैं, आबादी के मुद्दे को लेकर।

– स्टालिन अभी यह मुद्दा चुनाव के लिए ही उठा रहे हैं। उनको भी मालूम है कि 2026 के पहले परिसीमन नहीं होना है। ये मुद्दा शाश्वत है, तो 2019 से अभी तक क्यों नहीं उठाया। 2025 में क्यों उठा रहे हो, क्योंकि 2026 में चुनाव आना है।

● सरकार में बहुत-बहुत बड़े फैसले होते हैं, लेकिन संगठन में फैसला नहीं हो रहा है?

– हो जाएगा, जल्द ही।

● अध्यक्ष पद के लिए घोषणा कब तक?

– जल्द ही होगी।

● चर्चा है कि आरएसएस के साथ समन्वय नहीं हो पा रहा है ?

– नहीं, नहीं। ऐसा कुछ नहीं है।

● विदेश में खाद्य पदार्थों के कोआपरेटिव स्टोर्स हैं। क्या भारत में ऐसी संभावना है?

– होने को तो हो ही सकता है। छिटपुट में ऐसे प्रयास हुए हैं। लेकिन संगठित तरीके से योजना बनाकर नहीं हुआ है। लेकिन बहुत ही कम समय में बहुत बड़ी कोआपरेटिव बीमा कंपनी भी आएगी। लाइफ और जनरल बीमा दोनों क्षेत्रों में। इसके साथ ही टैक्सी भी आएगी। इसके सदस्य टैक्सी के मालिक होंगे।

● आपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के पराक्रम और सफलता को सभी एक्सपर्ट ने स्वीकार किया है। लेकिन विपक्ष की ओर से बार-बार सवाल पूछा गया कि देश को नुकसान कितना हुआ है?

– आपने पूछा कि देश को नुकसान कितना हुआ। मेरा मानना है कि इस तरह से सवाल नहीं पूछने चाहिए। जब किसी देश के साथ लड़ते हैं, तब देश की सेना की हौसलाअफजाई करनी चाहिए या निराशा व्यक्त करनी चाहिए। विपक्ष को सेना के लिए बोलने के लिए दो अच्छे शब्द नहीं मिल रहे हैं।

● जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग को लेकर सभी दलों में सहमति बनाने की कोशिश हो रही है, लेकिन क्या लगता है ऐसा माहौल बना है कि न्यायपालिका की जवाबदेही के लिए किसी विधेयक पर फिर से विचार किया जाना चाहिए ?

– इस पर सरकार में अभी विचार नहीं हुआ है।

● संसद के आगामी सत्र में महाभियोग की प्रक्रिया शुरू होगी?

– निश्चित रूप से आएगी। मैं तो आशा करता हूं कि सर्वानुमति से आएगी।

● कुछ लोग इसे जस्टिस शेखर यादव के केस से जोड़ रहे हैं कि उस मामले में ऐसी तत्परता सरकार ने नहीं दिखाई।

– वह करप्शन का केस नहीं है। वो व्यवहार (कंडक्ट) का केस है और इसमें चुनी हुई सरकार को निर्णय नहीं करना होता है, सुप्रीम कोर्ट को करना होता है। करप्शन और कंडक्ट दो अलग-अलग विषय हैं और दोनों में अलग-अलग अधिकारक्षेत्र है। अज्ञानियों को क्या जबाव दें।

● तमिलनाडु में एक जगह किलाची के सिंधु सभ्यता के समान पुरातन होने के दावे के साथ स्टालिन मोदी सरकार पर हमला कर रहे है?

– तमिलनाडु में कोई जगह 700 ईसा पूर्व पुरानी हो, तो इसे लेकर हमें क्या आपत्ति हो सकती है। हम तो खुश होंगे और ढोल पीटेंगे। वह कौन सी बाहर की सभ्यता है, भारत की ही तो सभ्यता है।

● चार महीने बाद बिहार में चुनाव है। चिराग पासवान अलग राह पर दिख रहे हैं, क्या 2020 की तरह राजग से अलग हो जाएंगे ?

– मुझे नहीं लगता है।

● 2024 में उत्तर प्रदेश में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा। क्या 2027 में भाजपा इसमें सुधार कर पाएगी ?

– भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ जीतेगी।

● नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं बनाने को लेकर विपक्ष सवाल उठा रहा है ?

– यह हर चुनाव में होता है कि इसको घोषित नहीं करते हो, उसको घोषित नहीं करते हो। वो हम अपने हिसाब से करते हैं। इसमें खबर क्या है।

● बांग्लादेश में जो चल रहा है, उसका देश की आंतरिक सुरक्षा पर कोई असर देख रहे हैं?

– मैं इतना कह सकता हूं कि पड़ोसी देश में आंतरिक राजनीतिक समस्या हो भी तो भारतीय सीमा के अंदर हम नहीं आने देंगे।

● अकाली दल एकजुट होने की कोशिश कर रहा है और राजग में वापस में आने की भी चर्चा है।

– यह चर्चा सिर्फ मीडिया में ही है।

> भूपेश बघेल की छत्तीसगढ़ सरकार नक्सलवादियों से निपटने में मदद नहीं कर रही थी। इसके कारण सभी राज्यों से नक्सली भागकर छत्तीसगढ़ में इकट्ठे हो गए। यह हमारे लिए बहुत अच्छा हो गया

> पहले सरकार का सोच था कि समस्या को बढ़ने नहीं दो, अब हमारा सोच है कि समस्या को समाप्त करो। देश में चुनौती नहीं हो, यह संभव नहीं है। फर्क इससे पड़ता है कि आप इसे किस तरह से लेते हैं

****

गलवन टकराव के बाद राजनाथ की चीन यात्रा सीमा विवाद की तपिश करेगी कम

राजनाथ सिंह ● फाइल फोटो

- एससीओ की बैठक में हिस्सा लेने 25 जून को चीन यात्रा पर जाएंगे रक्षा मंत्री
- बैठक से इतर राजनाथ की चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून से बातचीत की संभावना

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए 25-27 जून के बीच चीन यात्रा पर जाएंगे। रक्षा मंत्री की यह प्रस्तावित यात्रा पूर्वी लद्दाख के सीमावर्ती इलाके में भारत-चीन के बीच गतिरोध के बाकी बचे मुद्दे का हल निकालने की दिशा में अहम साबित हो सकती है।

मई 2020 में गलवन घाटी में दोनों देशों की सेनाओं के बीच हुए खूनी टकराव में 20 भारतीय सैनिकों के शहीद होने की घटना के बाद पहली बार वह चीन जा रहे हैं। पूर्वी लद्दाख में अक्टूबर 2024 में सैन्य गतिरोध खत्म करने की दोनों देशों की ओर से हुई बड़ी पहल के बाद राजनाथ की यह यात्रा चीन में पहली भारतीय मंत्रिस्तरीय यात्रा भी होगी। एससीओ में चीन और भारत के साथ ही रूस, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजकिस्तान, उज्बेकिस्तान, पाक, ईरान और बेलारूस शामिल हैं। संभावनाएं हैं कि बैठक से इतर राजनाथ की चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून से बात होगी।

जवान देश की सीमाओं की तरह करें शरीर और मन की रक्षा

राब्यू, जागरण ● जम्मू : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को सेना के जवानों से कहा कि आप अपने शरीर और मन की रक्षा भी उसी निष्ठा से करें, जैसे देश की सीमाओं की करते हैं। जब आप सशक्त होंगे, तभी सीमाएं और देश भी मजबूत होगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर ऊधमपुर स्थित उत्तरी कमान मुख्यालय पहुंचे रक्षा मंत्री ने जवानों को यह बड़ा संदेश दिया।

‘स्वास्थ्य व्यवस्था ऐसी कि नागरिक बीमार न पड़े, इलाज सस्ता मिले’

- केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा- देश में डाक्टरों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि
- बोले-पीएम मोदी ने 60 करोड़ गरीबों को 5 लाख का मुफ्त इलाज दिया

बेंगलुरु में आदिचुंचनागिरी विश्वविद्यालय परिसर के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते गृह मंत्री अमित शाह ● आइएएनएस

बेंगलुरु, प्रेट्र : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनता के स्वास्थ्य संबंधी विषय पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के ''समग्र'' दृष्टिकोण की सराहना करते हुए कहा कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को इस तरह से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि एक नागरिक गर्भ में रहते हुए से लेकर पूर्ण वयस्क बनने तक बीमार न पड़े और यदि बीमार पड़े तो वह बिना अधिक कीमत चुकाए अपना इलाज करवा सके।''

बेंगलुरु में आदिचुंचनागिरी विश्वविद्यालय (एसीयू) के परिसर का उद्घाटन करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'हमारे नेता और पीएम मोदी ने कई साल पहले गुजरात में कहा था कि गरीब का सबसे बड़ा मुद्दा बीमारी और उसके इलाज की लागत है। लिहाजा, प्रशासन को गरीबों के इलाज की व्यवस्था करनी चाहिए। मैं आज गर्व से कह सकता हूं कि मोदी जब प्रधानमंत्री बने, तब उन्होंने 60 करोड़ गरीबों को पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज प्रदान करके इसे पूरा किया।'' शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने स्वास्थ्य की समस्या को समग्र दृष्टिकोण से संबोधित किया है। इसमें 12 करोड़ घरों में शौचालयों का निर्माण, फिट इंडिया आंदोलन, योग दिवस, मिशन इंद्रधनुष, पोषण अभियान, आयुष्मान भारत और भारतीय जनऔषधि परियोजनाओं का समावेश किया गया है।

हर साल देश में 1.18 लाख एमबीबीएस डाक्टर हो रहे तैयार : अमित शाह ने कहा कि देश में डाक्टरों की संख्या बढ़ाने के लिए बड़े प्रयास किए गए हैं। 2014 में देश में सात एम्स थे और अब 23 एम्स हैं और मेडिकल कालेजों की संख्या 387 से बढ़कर 780 हो गई है। 2014 में 51,000 एमबीबीएस सीटें थीं, आज 1,18,000 हैं और पीजी सीटों की संख्या 31,000 थी, आज यह 74,000 है। हर साल देश में 1,18,000 एमबीबीएस डाक्टर और 74,000 डबल ग्रेजुएट डाक्टर निकल रहे हैं।''

सहकारिता कम पूंजी में ज्यादा मुनाफे का माध्यम : शाह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय ने देश भर की सहकारी इकाइयों का डाटा एकत्र कर लिया है। इसके जरिये यह पता चल गया है कि कहां-कहां इस क्षेत्र में खामियां हैं। इसी आधार पर योजनाएं बनाई जा रही हैं। शाह अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर मुंबई में शुक्रवार को नेफेड की संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि सहकारिता कम पूंजी में अधिक मुनाफा और रोजगार का माध्यम है। वहीं मुंबई राब्यू के अनुसार मुंबई महानगरपालिका व निकाय चुनावों से पहले शाह ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। कहा कि इन दलों ने मुंबई को भगवान के भरोसे छोड़ दिया था।

एक नजर में

जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य को डी-लिट की मानद उपाधि

रामभद्राचार्य ●

सागर : डा. हरि सिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के 33वें दीक्षा समारोह में तुलसी पीठ चित्रकूट के संस्थापक जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य को डी-लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी मौसम खराब होने के कारण नहीं आ सके। उन्होंने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए हर क्षेत्र में विकास जरूरी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारे पास दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीक है। इससे गरीबी, बेरोजगारी को दूर किया जाएगा। (नईदुनिया)

पंजाब नहीं जाने देंगे चिनाब का पानी : उमर

जागरण ● जम्मू : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को चिनाब नदी का पानी पंजाब के रास्ते राजस्थान ले जाने का केंद्र सरकार का प्रस्ताव रास नहीं आया है। शुक्रवार को उन्होंने साफ कहा कि मैं इसकी अनुमति नहीं दूंगा। उन्होंने कहा कि यहां की नदियों पर पहला हक जम्मू-कश्मीर का है। पहले चिनाब जम्मू की प्यास बुझाएगा। फिर हम दूसरों की बात करेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब ने हमें बहुत तरसाया है। (राब्यू)

आंबेडकर के अपमान को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के निशाने पर रहा महागठबंधन

सिवान में नीला अंगवस्त्र ओढ़ मंच पर पहुंचे मोदी, एससी मतदाताओं को दूरगामी संदेश

रमण शुक्ला ● जागरण

सिवान में जनसभा के दौरान पीएम आवास योजना के लाभार्थी को घर की प्रतीकात्मक चाबी सौंपते पीएम मोदी। बिहार के सीएम नीतीश कुमार भी उपस्थित रहे ● आइएएनएस

पटना : बिहार दौरे पर शुक्रवार को सिवान के जसौली पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुसूचित जाति के मतदाताओं को साधने का भरपूर प्रयास किया। लालटेन राज की याद दिलाते हुए गत दिनों राजद प्रमुख लालू यादव की जन्मतिथि (11 जून) पर अनुसूचित समाज के कर्णधार रहे बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर के अपमान को देखते हुए नीला दुपट्टा ओढ़ विशाल पंडाल में प्रवेश कर दूरगामी संदेश दिए।

पीएम कई बार पंजा और लालटेन का उल्लेख कर अनुसूचित जाति के अपमान के लिए कांग्रेस और राजद को दोषी ठहराने से नहीं चूके। आंबेडकर के अपमान को लेकर बिहार भाजपा के नेता राजद के विरुद्ध नौ दिनों से अभियान छेड़े हुए हैं। मोदी ने उसे धार देने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी।

ठेठ भोजपुरी से संबोधन की शुरुआत कर क्षेत्रीय लोगों का दिल जीतने का प्रयास किया। बुजुर्गों से मुखातिब मोदी ने कहा कि आपने मिलकर बिहार में जंगलराज का सफाया किया है। यहां के हमारे नौजवानों ने तो 20 वर्ष पहले के बिहार की बदहाली सिर्फ किस्सों और कथाओं में ही सुनी है। जिस बिहार ने सदियों तक भारत की प्रगति को नेतृत्व दिया, उसको पंजे और लालटेन के शिकंजे ने पलायन का प्रतीक बना दिया था। पूरे देश ने देखा है कि राजद वालों ने बाबा साहेब की तस्वीर के साथ क्या व्यवहार किया हैं। मैं देख रहा था, बिहार में पोस्टर लगे हैं कि बाबा साहेब के अपमान पर माफी मांगो। हालांकि, मैं जानता हूं कि ये कभी माफी नहीं मांगेंगे।

तेजस्वी का सवाल, भारतीय सेना को ट्रंप के सीजफायर के आदेश पर क्यों रोका : राब्यू पटना के अनुसार राजद नेता तेजस्वी यादव ने पटना में प्रेसवार्ता कर पूछा कि आपरेशन सिंदूर में आतंकियों व पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाने की ओर अग्रसर सेना को ट्रंप के सीजफायर के आदेश पर क्यों रोका गया? हमारे मामलों में पंचायत करने वाला यह ट्रंप होता कौन है?

बिहार के लोग मेहनतकश और स्वाभिमानी : मोदी

जासं, सिवान : पीएम मोदी ने बिहार के सिवान की सभा में कहा कि बिहार के लोग मेहनतकश और स्वाभिमानी हैं, लेकिन पंजे (कांग्रेस) और लालटेन (राजद) की सरकारों ने स्वाभिमान को ठेस पहुंचाई है। जंगलराज लाने वाले मौका देख रहे हैं। संसाधनों पर कब्जा करना चाह रहे हैं। इनसे कोसों दूर रहने की जरूरत है। कहा कि बाबा साहेब को मैं दिल में रखता हूं। मुख्यमंत्री नीतीश के नेतृत्व में बिहार विकास की पटरी पर लौट रहा रहा है। उन्होंने 'मेक इन इंडिया' के तहत सारण के मढ़ौरा स्थित रेल कारखाना में निर्मित अत्याधुनिक लोकोमोटिव इंजन को हरी झंडी दिखाई।

ओडिशा को 40 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य

जासं, भुवनेश्वर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जहां भुवनेश्वर में 18700 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया, वहीं ओडिशा सरकार द्वारा तैयार ओडिशा विजन डाक्यूमेंट 2036 का अनावरण भी किया। ओडिशा के समेकित विकास को केंद्र में रखकर तैयार इस विजन डाक्यूमेंट में 36 कार्य नीतियां समाहित की गईं हैं, जो राज्य के आर्थिक, औद्योगिक, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना, पर्यटन, नवाचार, महिला सशक्तीकरण, ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित है।

साथ ही इस डाक्यूमेंट में वर्ष 2036 तक ओडिशा को 40 लाख करोड़ व 2047 तक 120 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है। ओडिशा में भाजपा सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर भुवनेश्वर के जनता मैदान में आयोजित सभा को संबोधित करने के क्रम में प्रधानमंत्री ने ओडिशा को भारत का सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत का चमकता सितारा बताया।

अफ्रीकी देश को निर्यात होने वाले रेल इंजन में कई विशेषताएं

सारण जिले में पीएम द्वारा वर्चुअल रवानगी देने के बाद रेल इंजन को हरी झंडी दिखातीं लोको पायलट श्वेता कुमारी ● सौजन्य फैक्ट्री प्रबंधन

जासं, जागरण, छपरा : बिहार के सारण जिले के मढ़ौरा स्थित रेल कारखाने में निर्यात को तैयार 4500 हार्स पावर वाला लोकोमोटिव रेल इंजन कई विशेषताओं से भरे हैं। इस इंजन को अफ्रीकी देश गिनी की रेल पटरियों और वहां के वातावरण के अनुरूप तैयार किया गया है। 27 जून को दो लोकोमोटिव रेल इंजन विशाखापट्टनम के मुंद्रा पोर्ट के रास्ते अफ्रीकी देश गिनी गणराज्य को भेजे जाएंगे। भारतीय रेलवे और वेबटेक लोकोमोटिव कंपनी का अफ्रीकी देशों से 143 लोकोमोटिव रेल इंजन आपूर्ति को लेकर करार हुआ है। पीएम मोदी ने सिवान के जसौली से निर्यात किए जाने वाले इंजन की वर्चुअल रवानगी की।

रेल डीजल इंजन कारखाना के पीआरओ संजय नटराजन ने बताया कि इंजन के केबिन में रेफ्रिजरेटर, एसी यूनिट, माइक्रोवेव ओवन की व्यवस्था है। भारत में ब्राड गेज 1090 एमएम का है, जबकि गिनी के सीमांडू में स्टैंडर्ड गेज हाइट 876 एमएम है। इसे अफ्रीका के एक गांव 'कोमा' का नाम दिया गया है।

काशी, विंध्याचल और अयोध्या के बाद मथुरा-वृंदावन की बारी : योगी

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का निरीक्षण करते सीएम योगी ● जागरण

जागरण टीम, गोरखपुर : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के रूप में प्रदेश के सातवें एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के बाद कहा कि प्रदेश ने विरासत और विकास का अद्भुत समन्वय स्थापित किया है। प्रयागराज में महाकुंभ, अयोध्या में भगवान रामलला का भव्य मंदिर, काशी में नव्य भव्य विश्वनाथ धाम, मां विंध्यवासिनी और चित्रकूट धाम का विकसित होना प्रदेश को नई पहचान दिला रहे हैं। अब मथुरा-वृंदावन की बारी है और वहां हमारा कार्य प्रारंभ हो चुका है। गोरखपुर के जैतपुर से आजमगढ़ के सलारपुर तक बने 7,283 करोड़ रुपये की लागत से बने 91 किमी लंबे लिंक एक्सप्रेसवे के दोनों छोर पर मुख्यमंत्री ने लोकार्पण किया।

ड्रग्स की समस्या से निपटने के लिए जिला स्तर तक एनकोर्ड का गठन : शाह

तृतीय पृष्ठ से आगे

गृह मंत्री शाह के अनुसार, ड्रग्स की समस्या से निपटने को जिला, राज्य से लेकर केंद्र के स्तर पर संबंधित विभागों के बीच समन्वय के लिए एनकोर्ड का गठन किया गया है। अभी तक एनकोर्ड की राष्ट्रीय स्तर पर सात, कार्यपालक स्तर पर पांच, राज्य स्तर पर 191 व जिला स्तर पर 6,750 बैठकें हो चुकी हैं। ब्लाक में डीएसपी स्तर पर भी बैठकें हो रही हैं। इससे जब्ती बढ़ी है। पहले प्रिवेंसन आफ इलीसिट ट्रैफिक इन नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटांस एक्ट (पिट एनडीपीएस) का उपयोग किया है, जिसमें किसी को लंबे समय तक जेल में रख सकते हैं। वहीं संपत्ति को जब्त करने की कार्रवाई भी शुरू की है। वित्तीय जांच भी शुरू की है।

उन्होंने कहा, पूरा ढांचा तैयार करने के बाद अब ड्रग्स कार्टेल पर स्ट्राइक शुरू करने की तैयारी है। उनके अनुसार, देश में ड्रग्स आने के तीन रास्ते हैं। पूर्वोत्तर भारत के रास्ते म्यांमार से आता है। पंजाब में पाकिस्तान-अफगानिस्तान से आता और समुद्र के रास्ते आता है। कुछ कुरियर के माध्यम से भी आता है। इन तीनों रास्तों के कार्टेल व बड़े शहरों के कार्टेल में अगले पांच-छह महीने में एक सुविचारित योजना के तहत स्ट्राइक करेंगे।

'लोस चुनावों में कुल व्यय का 45% भाजपा ने किया खर्च'

- आम आदमी पार्टी ने 168 दिन और भाजपा ने 139 से 154 दिनों की देरी से दाखिल किया विवरण

नई दिल्ली, प्रेट्र : चुनाव अधिकार के निकाय 'एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स' (एडीआर) ने शुक्रवार को कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने लगभग 1,494 करोड़ रुपये खर्च किए, जो कुल चुनावी व्यय का 44.56 प्रतिशत है। इसके बाद कांग्रेस का स्थान है जिसने 620 करोड़ रुपये या कुल व्यय का 18.5 प्रतिशत खर्च किया।

एडीआर ने कहा कि उसने 32 राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के रिकार्ड का विश्लेषण किया। इन पार्टियों ने 16 मार्च से छह जून, 2024 के बीच लोकसभा चुनावों के साथ-साथ हुए आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम विधानसभा चुनावों के दौरान कुल 3,352.81 करोड़ रुपये खर्च किए। इस खर्च में राष्ट्रीय दलों का योगदान 2,204 करोड़ रुपये (65.75 प्रतिशत) से अधिक रहा। रिपोर्ट के अनुसार, ''एकत्रित कुल धन में से राष्ट्रीय दलों को 6,930.246 करोड़ रुपये (93.08 प्रतिशत) और क्षेत्रीय दलों को 515.32 करोड़ रुपये (6.92 प्रतिशत) प्राप्त हुए।

यह विश्लेषण अनिवार्य व्यय विवरण पर आधारित है, जिसे राजनीतिक दलों को आम चुनाव के 90 दिनों के भीतर और राज्य चुनाव के 75 दिनों के भीतर चुनाव आयोग के पास दाखिल करना होता है। एडीआर को पता चला कि इन्हें देरी से दाखिल किया गया। आम आदमी पार्टी (आप) का विवरण 168 दिन देरी से दाखिल हुआ और भाजपा का 139 से 154 दिनों के बाद, जो राज्य पर निर्भर है। केवल कांग्रेस ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए एक समेकित रिपोर्ट प्रस्तुत की।

चुनावी खर्च की सूची में प्रचार सबसे ऊपर रहा। इस मद में पार्टियों ने 2,008 करोड़ रुपये खर्च किए, जो उनके कुल घोषित व्यय का 53 प्रतिशत से अधिक है। यात्रा व्यय 795 करोड़ रुपये के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसके बाद उम्मीदवारों को एकमुश्त भुगतान 402 करोड़ रुपये का स्थान रहा। पार्टियों ने वर्चुअल कैंपेन पर 132 करोड़ रुपये और अपने उम्मीदवारों के आपराधिक इतिहास को प्रकाशित करने पर 28 करोड़ रुपये खर्च किए।

प्रचार पर 32 राजनीतिक दलों के कुल खर्च में से 1,511.30 करोड़ रुपये या 75.25 प्रतिशत राष्ट्रीय दलों ने और 496.99 करोड़ रुपये या 24.75 प्रतिशत क्षेत्रीय दलों ने खर्च किए। यात्रा व्यय भी स्टार प्रचारकों पर काफी हुआ था। यात्रा पर खर्च किए गए 795 करोड़ रुपये में से 765 करोड़ रुपये (96.22 प्रतिशत) पार्टी के हाई-प्रोफाइल चेहरों को लाने-ले जाने में खर्च किए गए, जबकि अन्य नेताओं पर सिर्फ 30 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

एडीआर ने पारदर्शिता पर कई चिंताएं जताई हैं। रिपोर्ट तैयार होने के समय राकांपा, माकपा, झामुमो और शिवसेना (यूबीटी) सहित 21 दलों के स्टेटमेंट चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं थे। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और ओडिशा में 2024 में हुए विधानसभा चुनावों के लिए, राजद, लोजपा (आरवी), आजसू, केसी (एम) के व्यय विवरण उपलब्ध नहीं हैं।

चुनाव आयोग के वीडियो फुटेज नष्ट करने के निर्देश, गलत सूचनाएं फैलने की आशंका

- चुनावी प्रक्रिया के वीडियो फुटेज को 45 दिनों के बाद ही नष्ट करने का निर्देश
- चुनाव के नियमों में संशोधन कर इलेक्ट्रानिक डाटा की सार्वजनिक जांच पर रोक

नई दिल्ली, प्रेट्र : चुनाव आयोग (ईसी) ने अपने वीडियो फुटेज का दुरुपयोग कर चुनाव को लेकर 'दुष्प्रचार' फैलाने की आशंका के चलते राज्य चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है कि यदि किसी चुनावी परिणाम को 45 दिनों के भीतर अदालत में चुनौती नहीं दी जाती है, तो चुनाव प्रक्रिया में इस्तेमाल हुए सीसीटीवी कैमरा, वेबकास्टिंग और वीडियो फुटेज को नष्ट कर दिया जाए।

30 मई को सभी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को भेजे गए एक पत्र में चुनाव आयोग ने कहा कि उसने चुनाव प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को रिकार्ड करने के लिए कई रिकार्डिंग उपकरणों का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं। इनमें फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, सीसीटीवी कैमरे और वेबकास्टिंग आदि शामिल है। हालांकि, चुनावी कानून ऐसी रिकार्डिंग करने की अनिवार्यता नहीं रखते हैं। हालांकि आयोग इन्हें चुनावी प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में आंतरिक प्रबंधन उपकरण के रूप में उपयोग करता है।

आयोग ने कहा, 'हाल ही में इस चुनावी सामग्री का दुरुपयोग कर इंटरनेट मीडिया पर गलत सूचनाएं फैलाने और दुष्प्रचार करने के लिए इसका संदर्भ से इतर उपयोग किया गया है। यह दुरुपयोग चुनावी प्रक्रिया की रिकार्डिंग को सहेजने की समीक्षा करने को विवश करता है। अब आयोग ने अपने राज्य चुनाव प्रमुखों को बताया है कि चुनाव प्रक्रिया के विभिन्न चरणों के सीसीटीवी डाटा, वेबकास्टिंग डाटा और फोटोग्राफी को केवल 45 दिनों के लिए ही सुरक्षित रखा जाएगा। आयोग ने निर्देशित किया कि यदि किसी विशेष निर्वाचन क्षेत्र में कोई चुनाव याचिका दायर नहीं की जाती है, तो उस डाटा को नष्ट किया जा सकता है।'' कोई भी व्यक्ति संबंधित उच्च न्यायालय में 45 दिनों के अंदर चुनाव परिणाम को चुनौती देने वाली ''चुनाव याचिका'' दायर कर सकता है।

इस बीच, नागपुर में कांग्रेस नेता नाना पटोले ने चुनाव आयोग के इस फैसले का विरोध करते हुए कहा कि सीसीटीवी फुटेज और वीडियो फुटेज नष्ट करने के निर्देश से लगता है कि केंद्र सरकार और चुनाव आयोग में साठगांठ हो गई है।

सिक्किम में नाथुला के रास्ते कैलास-मानसरोवर यात्रा फिर शुरू

जासं, सिलीगुड़ी : पांच साल तक बंद रहने के बाद सिक्किम के नाथुला के रास्ते कैलास-मानसरोवर यात्रा शुक्रवार से फिर से शुरू हो गई है। सिक्किम के प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में 50 तीर्थयात्रियों का पहला जत्था नाथुला से चीन की ओर रवाना हुआ। सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने हरी झंडी दिखाकर जत्थे को रवाना किया। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार कैलास यात्रा के लिए 50-50 यात्रियों के 10 दलों को अनुमति दी गई है।

भारत-चीन डोकलाम विवाद और उसके बाद गलवन संघर्ष और कोविड महामारी के कारण सिक्किम के रास्ते कैलास-मानसरोवर यात्रा बंद थी। शुक्रवार को जो दल कैलास के लिए रवाना हुआ, उसे सिक्किम में पांच दिन रुकना पड़ा ताकि वह वहां के मौसम के साथ तालमेल बिठा सके।

बुलेट ट्रेन को देश के निर्माण क्षेत्र में सबसे भारी गर्डर का इस्तेमाल

पालघर, प्रेट्र : मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कारिडोर के लिए पहला 40 मीटर फुल स्पैन प्री स्ट्रेस्ड कंक्रीट बाक्स गर्डर महाराष्ट्र में सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया गया है। नेशनल हाई-स्पीड रेल कार्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। एनएचएसआरसीएल ने कहा कि 970 मीट्रिक टन वजनी यह गर्डर देश के निर्माण क्षेत्र में अब तक इस्तेमाल किया गया सबसे भारी गर्डर है।

दहानू के सखारे गांव में इसे सफलता पूर्वक पेश किया गया। इसे 390 क्यूबिक मीटर कंक्रीट और 42 मीट्रिक टन स्टील का उपयोग कर बिना जोड़ के ढाला गया है। फुल स्पैन गर्डर्स के उपयोग से निर्माण 10 गुना तेजी से बढ़ सकता है। सहयोग के लिए एनएचएसआरसीएल स्ट्रैडल कैरियर, ब्रिज लांचिंग गैंट्री और गर्डर ट्रांसपोर्टर जैसी स्वदेशी भारी मशीनरी तैनात कर रहा है।

लैंसडौन की पहाड़ियों पर बांज-बुरांश की छांव में लें ट्रेकिंग का आनंद

यात्रा उत्तराखंड में पर्यटन नगरी के आसपास ट्रेकिंग के साथ हिमालय की गगनचुंबी चोटियों को निहारने का रोमांच

अनुज खंडेलवाल ● जागरण

लैंसडौन : आप पर्यटन नगरी लैंसडौन (कालौंडांडा) घूमने आए हैं और ट्रेकिंग के शौकीन हैं तो आसपास के नौ प्रमुख ट्रेक रूट स्वागत को तैयार हैं। बांज, बुरांश और चीड़ के जंगल की शीतल छांव के बीच से गुजरने वाले चार से लेकर 30 किमी तक लंबे ये ट्रेक स्वयं में अद्भुत रोमांच समेटे हुए हैं।

इनसे गुजरते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि मानो हम अलग ही दुनिया में विचरण कर रहे हैं। यही वजह है कि सैर-सपाटे के लिए लैंसडौन आने वाले पर्यटक अब ट्रेकिंग का आनंद उठाए बगैर वापस नहीं लौटते। ट्रेकिंग के दौरान पर्यटकों को सूर्योदय व सूर्यास्त को निहारना भी काफी लुभाता है। बाकी बादलों की ओट से झांकती हिमालय की गगनचुंबी चोटियों को देखने का रोमांच तो है ही। विशेष यह कि पर्यटकों के पसंदीदा ट्रेकिंग रूट में अब भैरवगढ़ी का ट्रेक भी शामिल हो गया है। गढ़वाल के 52 गढ़ों (किलों) में शामिल यह वही गढ़ी है, जहां वर्ष 1790 में गढ़वाल के राजा प्रद्युम्न शाह की सेना ने 28 दिन तक चले युद्ध में आक्रमणकारी गोरखा सेना को नाकों चने चबाने के लिए विवश कर दिया था। वर्तमान में यहां बाबा भैरवनाथ का प्रसिद्ध मंदिर है।

ऐसे पहुंचें : दिल्ली से उत्तराखंड के कोटद्वार के लिए परिवहन निगम की बस सेवा हर आधे घंटे में उपलब्ध है। ट्रेन से भी कोटद्वार स्टेशन पहुंच सकते हैं। कोटद्वार से लैंसडौन की दूरी 42 किलोमीटर है। आप यह सफर टैक्सी या परिवहन निगम की बस से भी तय कर सकते हैं। टैक्सी कैब बुक करवाने के साथ अपने वाहनों से भी आसानी से लैंसडौन पहुंचा जा सकता है।

लैंसडौन क्षेत्र में पड़ने वाला प्रसिद्ध भैरवगढ़ी मंदिर। पर्यटकों को मंदिर का यह ट्रेकिंग रूट भी खूब भाता है ● जागरण

होटल भी करवा रहे ट्रेकिंग

पर्यटन नगरी में कई होटलों की ओर से भी पर्यटकों को ट्रेकिंग करवाई जाती है। इन होटलों की ओर से पर्यटकों को दिए जाने वाले प्लान में बाकायदा ट्रेकिंग को भी शामिल किया जाता है। इन होटलों के कर्मचारी ट्रेकिंग के इच्छुक पर्यटकों का दल बनाकर सुबह के समय उन्हें पैदल सैर करवाते हैं। पर्यटक भी छोटे-बड़े ट्रेक रूट से गुजरकर आनंद की अनुभूति करते हैं। बीते वर्षों के दौरान ट्रेकिंग करने वाले पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है, इसलिए होटलों की ओर से वीकेंड के अलावा गर्मियों के सीजन में भी इसे निरंतर जारी रखा जाता है।

भैरवगढ़ी ट्रेक से गुजरते पर्यटक ● जागरण आर्काइव

बढ़ रहा ईको फ्रेंडली पर्यटन

पौड़ी जिले में समुद्रतल से 6,250 फीट की ऊंचाई पर स्थित लैंसडौन में बीते कुछ वर्षों से ईको फ्रेंडली पर्यटन काफी बढ़ रहा है। यहां ऐसे पर्यटक आ रहे हैं जो नगर समेत आसपास के क्षेत्र में पैदल घूमना ज्यादा पसंद करते हैं। साथ ही, रास्ते में अन्य पर्यटकों की ओर से फैलाए जाने वाले कचरे को एकत्र कर नगर की स्वच्छता में योगदान भी दे रहे हैं। नगर में ऐसे पर्यटकों का पहुंचना पर्यावरण के लिए तो सुखद है ही, अन्य पर्यटकों के लिए परिवेश को स्वच्छ रखने का संदेश भी है।

गढ़वाली व्यंजनों का आनंद

पर्यटन नगरी समेत आसपास के होटल-होम स्टे में आप मंडुवे की रोटी, चैंसू, फाणु, भांग की चटनी, झंगोरे की खीर आदि गढ़वाली व्यंजनों का आनंद भी ले सकते हैं।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

लैंसडौन क्षेत्र के प्रमुख ट्रेकिंग रूट

- लैंसडौन एसबीआइ से राठी प्वाइंट होते हुए डेरियाखाल तक : पांच किमी
- कैंट कार्यालय के निकट चर्च रोड से झारापानी हवाघर होते हुए जयहरीखाल तक : सात किमी
- टिप-इन-टाप से संतोषी माता मंदिर होते हुए झारापानी व हवाघर तक : चार किमी
- जयहरीखाल मार्ग पर हवाघर के निकट केंद्रीय विद्यालय से भुल्ला ताल होते हुए सदर बाजार तक : आठ किमी
- लैंसडौन सदर बाजार-कोर्ट रोड-डिग्गी लाइन-धूरा-फतेहपुर ट्रेक : 16 किमी
- लैंसडौन-जयहरीखाल-गुमखाल-कीर्तिखाल-भैरवगढ़ी ट्रेक : 18 किमी
- लैंसडौन-डेरियाखाल-चुंडई-मधुगंगेश्वर ट्रेक : 20 किमी
- लैंसडौन-डेरियाखाल-चुंडई-सिसल्डी-घांघलीखाल-अधारियाखाल-चखुलियाखाल-ताड़केश्वर ट्रेक : 30 किमी
- चखुलियाखाल-गुंडलखेत-रज्जागढ़ी ट्रेक : 10 किमी

****

चौतरफा खरीदारी से एक प्रतिशत से अधिक चढ़े घरेलू शेयर

1,046 अंक बढ़कर 82,408 पर बंद हुआ बीएसई सूचकांक, एनएसई का निफ्टी 319 अंक चढ़कर 25 हजार के पार

मुंबई, प्रेट्र : कच्चे तेल की कीमतों में सुधार के बीच वित्तीय, दूरसंचार और प्रौद्योगिकी शेयरों में खरीदारी से पिछले तीन सत्रों की गिरावट के बाद शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से अधिक तेजी दर्ज की गई। व्यापारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेतों के बाद विदेश से मिले बड़े पैमाने पर सहायक रुझान और नए सिरे से विदेशी पूंजी प्रवाह ने घरेलू इक्विटी को समर्थन दिया।

एक सपाट शुरुआत के बाद बीएसई का बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स जहां 1,046.30 अंक बढ़कर 82,408.17 पर बंद हुआ वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 319.15 अंक या 1.29 प्रतिशत चढ़कर 25,112.40 पर पहुंच गया। इस सप्ताह बीएसई बेंचमार्क इंडेक्स में 1,289.57 अंक या 1.58 प्रतिशत की तेजी आई और निफ्टी में 393.8 अंक या .59 प्रतिशत की तेजी आई। सेंसेक्स चार्ट में भारती एयरटेल, नेस्ले, महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, एटरनल और एचडीएफसी बैंक सबसे ज्यादा लाभ में रहे। इसके विपरीत, मारुति एकमात्र ऐसी कंपनी रही, जिसके शेयर गिरकर बंद हुए।

जियोजित इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर के अनुसार, ईरान के साथ अमेरिकी वार्ता होने की उम्मीद के कारण पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और तत्काल सैन्य कार्रवाई के जोखिम में कमी आने से इक्विटी सूचकांकों में उछाल आया। इस घटनाक्रम से कच्चे तेल की कीमतों में सुधार हुआ, जिससे घरेलू बाजारों को फायदा हुआ और विदेशी निवेशकों की भावनाओं को बल मिला।

तेजी के प्रमुख कारण

- पश्चिम एशिया में तनाव में कमी का मिला लाभ
- वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में सुधार
- वित्तीय, दूरसंचार और प्रौद्योगिकी शेयरों में खरीदारी
- विदेशी निवेशकों की ओर से शेयरों की नई खरीदारी
- वैश्विक शेयर बाजारों से मिले सकारात्मक संकेत

1.20 प्रतिशत चढ़ा बीएसई मिडकैप

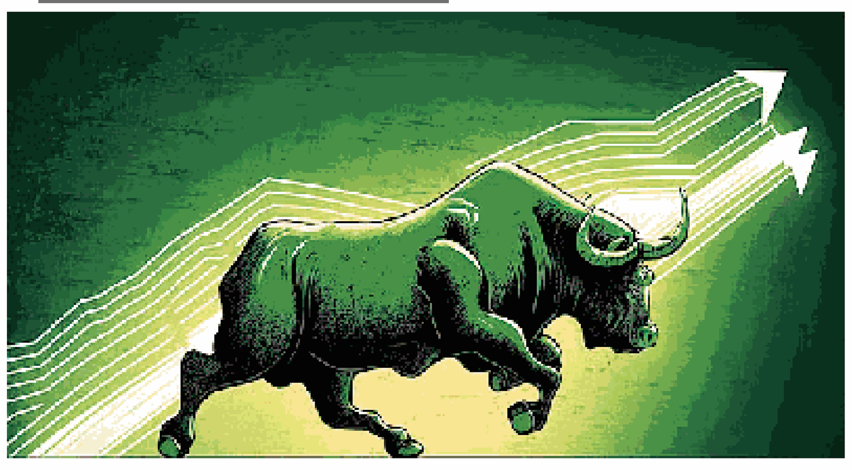

"ईरान-इजरायल संघर्ष में संभावित कमी के संकेत देने वाली रिपोर्ट के बाद धारणा में सुधार हुआ। साथ ही अमेरिका ने ईरान पर संभावित कार्रवाई में देरी का संकेत दिया, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई है। इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा लगातार खरीदारी ने बाजार को और समर्थन दिया। किसी भी प्रमुख घरेलू घटना के अभाव में वैश्विक बाजार धारणा को दिशा देते रहेंगे।
-**अजीत मिश्रा**, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट-रिसर्च, रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड

संभव स्टील ट्यूब्स ने तय किया प्राइस बैंड

नई दिल्ली, प्रेट्र : संभव स्टील ट्यूब्स ने शुक्रवार को अपने 540 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) का प्राइस बैंड 77-82 रुपये प्रति शेयर तय किया। कंपनी ने बताया कि यह आइपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 25-27 जून तक खुलेगा। इस आइपीओ में 440 करोड़ रुपये के नए शेयर और 100 करोड़ रुपये के प्रमोटर शेयर बिक्री के लिए पेश किए जाएंगे।

दो प्रतिशत बढ़कर बंद हुए ओसवाल पंप्स के शेयर

नई दिल्ली, प्रेट्र : ओसवाल पंप्स लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को बाजारों में सूचीबद्ध हो गए और दिनभर के कारोबार के बाद करीब दो प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ बंद हुए। बीएसई में कंपनी के शेयर 2.93 प्रतिशत की तेजी के साथ 632 रुपये प्रति इकाई पर सूचीबद्ध हुए। दिनभर के कारोबार में 5.72 प्रतिशत बढ़कर 649.15 के उच्च स्तर तक पहुंचे। अंत में यह 1.77 प्रतिशत की तेजी के साथ 624.90 रुपये प्रति इकाई पर बंद हुए। आइपीओ में इसका प्राइस बैंड 614 रुपये था। इसी तरह, एनएसई में कंपनी के शेयर 3.25 प्रतिशत बढ़कर 634 रुपये प्रति इकाई पर सूचीबद्ध हुए और अंत में 1.84 प्रतिशत बढ़कर 625.35 रुपये प्रति इकाई पर बंद हुए। दूसरी ओर, एरिजइन्फ्रा साल्यूशंस के आइपीओ को सब्सक्रिप्शन के अंतिम दिन 2.65 गुना आवेदन मिले। एनएसई के डाटा के अनुसार, इस आइपीओ में 1,30,84,656 शेयरों के सापेक्ष 3,46,63,388 शेयरों की खरीदारी के लिए आवेदन मिले हैं।

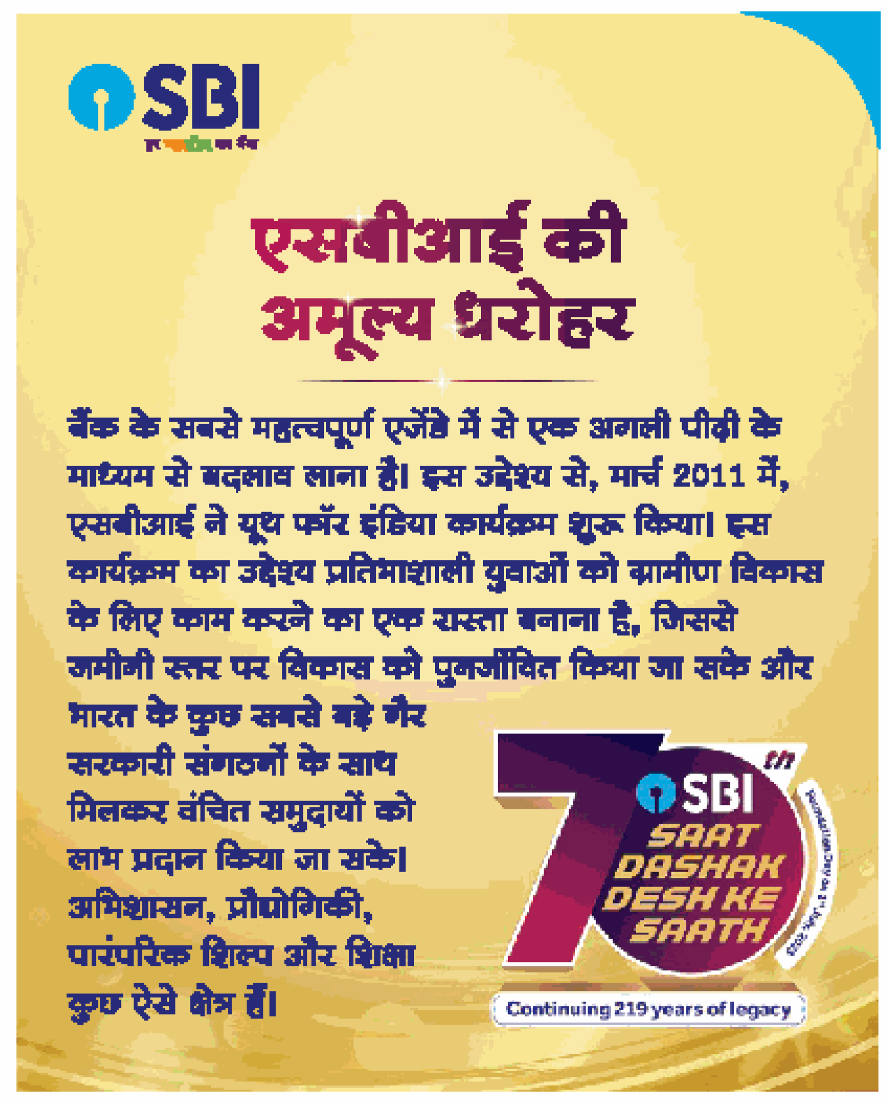

ब्याज दरों में कटौती से विकास को मिलेगा बढ़ावा : मल्होत्रा

एमपीसी में आरबीआइ गवर्नर ने रेपो रेट में कटौती को आवश्यक बताया, कहा- यह उपाय कुछ निश्चितता प्रदान करेगा

मुंबई, प्रेट्र : आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के दौरान गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा था कि रेपो रेट में कटौती से आर्थिक विशेषज्ञ इस बात को लेकर निश्चित होंगे कि केंद्रीय बैंक वैश्विक तनाव के बीच विकास का समर्थन कर रहा है। शुक्रवार को जारी एमपीसी बैठक के मिनट्स के मुताबिक, उनका मानना था कि मौद्रिक नीति के रुख को तटस्थ रखने से केंद्रीय बैंक को उभरती घरेलू और वैश्विक आर्थिक स्थितियों के हिसाब से रेपो रेट में कटौती या वृद्धि करने के लिए आवश्यक लचीलापन मिलेगा। मल्होत्रा ने कहा कि उपायों का यह पैकेज अनिश्चितता के समय में कुछ निश्चितता प्रदान करेगा और विकास को समर्थन देने की उम्मीद है।

छह जून को आरबीआइ गवर्नर की अध्यक्षता वाले छह सदस्यीय पैनल ने रेपो रेट में 50 आधार अंकों की कटौती की थी। इस तरह, पिछले पांच महीनों रेपो रेट में कुल कटौती 100 आधार अंक हो गई है। इसके अलावा, नीतिगत रुख को उदार से तटस्थ में बदल दिया गया। बैठक में पांच सदस्यों ने रेपो दर में 50 आधार अंक की कटौती और एक बाहरी सदस्य ने 25 आधार अंक की कटौती का सुझाव दिया था। मल्होत्रा ने पिछले कुछ महीनों में खुदरा महंगाई में लगभग तीन प्रतिशत की कमी और वार्षिक औसत महंगाई में लगभग एक प्रतिशत की कमी के अनुमान को देखते हुए 50 आधार अंकों की कटौती के लिए मतदान किया था।

प्राथमिक क्षेत्र को कम कर्ज दे सकेंगे एसएफबी

बेंगलुरु, रायटर : अब स्माल फाइनेंस बैंक (एसएफबी) प्राथमिक क्षेत्र को कम कर्ज दे सकेंगे। इसका कारण यह है कि आरबीआइ ने इन बैंकों की ओर से दिए जाने वाले कुल कर्ज में प्राथमिक क्षेत्र के अनुपात को 75 प्रतिशत से घटाकर 60 प्रतिशत कर दिया है। कृषि और छोटे कारोबार जैसे क्षेत्रों को प्राथमिक क्षेत्र कहा जाता है।

एक नजर में

दो अरब डालर से ज्यादा बढ़ा विदेशी मुद्रा भंडार

मुंबई : देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बीते सप्ताह 2.294 अरब डालर की वृद्धि रही है। आरबीआइ के अनुसार, 13 जून को समाप्त सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 698.95 अरब डालर रहा है। बीते सप्ताह विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.739 अरब डालर बढ़कर 589.426 अरब डालर रही हैं। स्वर्ण भंडार 42.8 करोड़ डालर बढ़कर 86.316 अरब डालर रहा है। (प्रेट्र)

आठ प्रमुख क्षेत्रों की वृद्धि दर नौ माह में सबसे कम

नई दिल्ली : देश के आठ प्रमुख क्षेत्रों की वृद्धि दर मई में घटकर 0.7 प्रतिशत रह गई। यह नौ महीनों में सबसे कम है। पिछले साल समान अवधि में यह 6.9 प्रतिशत थी। पिछली सबसे कम वृद्धि दर अगस्त, 2024 में दर्ज की गई और उस समय उत्पादन में -1.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी। अप्रैल में इन प्रमुख क्षेत्रों में एक प्रतिशत की वृद्धि रही थी। (प्रेट्र)

जीएसटी और सीमा शुल्क रिफंड में लाएं तेजी : सीतारमण

- केंद्रीय वित्त मंत्री ने सीबीआइसी से जीएसटी प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने को कहा
- रिक्त पदों को तुरंत भरने, जीएसटी पंजीयन के लिए जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : जीएसटी प्रक्रिया को और सरल एवं पारदर्शी बनाने के संबंध में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआइसी) को कई निर्देश दिए। सीबीआइसी के प्रमुख आयुक्तों के कान्क्लेव में वित्त मंत्री ने जीएसटी पंजीयन को और सरल बनाने के साथ जीएसटी संबंधी सभी मामलों के निपटान और रिफंड में तेजी लाने का निर्देश दिया। इस कान्क्लेव में सीबीआइसी के देशभर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राजस्व सचिव एवं सीबीआइसी चेयरमैन भी मौजूद थे। बैठक में यह बात भी सामने आई कि जीएसटी संबंधी शिकायतों के निपटान में अब औसतन नौ दिन लग रहे हैं जबकि इसके लिए 21 दिन की समय सीमा तय है।

वित्त मंत्री ने कहा कि टेक्नोलाजी के इस्तेमाल से जीएसटी पंजीयन को बिल्कुल सरल बनाने के साथ सभी जोनल कार्यालय में जीएसटी पंजीयन के लिए अलग से डेस्क बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विभाग की तरफ से जीएसटी पंजीयन व संबंधित मामलों में दस्तावेज व अन्य जानकारी के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। यह अभियान कारोबारियों के विभिन्न संगठनों की मदद से शुरू किया जा सकता है। उन्होंने विभाग से कहा कि जीएसटी सेवा केंद्र और सीमा शुल्क तुरंत सुविधा केंद्र पर कारोबारियों की सुविधा के लिए कर्मचारियों की तैनाती में कोई कमी नहीं होनी चाहिए और विभाग में खाली सभी रिक्त पदों को तुरंत भरने का भी निर्देश दिया। रिफंड प्रक्रिया को और तेज करने की जरूरत बताई और कहा कि विभाग को गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट और टैक्स चोरी को रोकने के लिए अधिक सक्रिय रहने की जरूरत है। इस मौके पर सीबीआइसी की तरफ से बताया कि 85 प्रतिशत रिफंड की प्रक्रिया 60 दिन के तय समय के भीतर शुरू हो जाती है। जीएसटी रिटर्न 3बी भरने का औसत पिछले वित्त वर्ष में 95 प्रतिशत रहा है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

विदेश में जमा पर सरकार की सख्त नजर

वित्त मंत्रालय ने कहा है कि विदेश में भारतीयों की जमा राशि पर सरकार की सख्त नजर है और प्राप्त जानकारी के आधार पर ऐसे लोगों को नोटिस भेजे जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि आकलन वर्ष 2024-25 में 24,678 करदाताओं ने रिवाइज्ड इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल किया है। विभाग के मुताबिक, करदाताओं ने इस अवधि में विदेश में 29,208 करोड़ की संपदा होने की बात स्वीकारी, जिससे सरकार को 1,089 करोड़ रुपये की आय हुई। स्विट्जरलैंड के साथ समझौते के तहत वर्ष 2019 से वहां के बैंकों में भारतीयों की जमा राशि और संपदा की जानकारी साझा की जा रही है। इसके आधार पर करदाताओं को आय की जानकारी देने के लिए कहा जा रहा है।

2014 से अब तक 60% बढ़ा भारत का इंजीनियरिंग निर्यात

नई दिल्ली, आइएएनएस : केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि 2014 से अब तक भारत के इंजीनियरिंग उत्पाद निर्यात में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने इसे मेक इन इंडिया की सफलता का प्रतीक बताया और कहा कि यह वृद्धि पिछले एक दशक में सरकार के केंद्रित प्रयासों का परिणाम है।

यह वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब देश के औद्योगिक प्रदर्शन में भी स्थिर सुधार दिख रहा है। सांख्यिकी मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2025 में औद्योगिक उत्पादन में वार्षिक आधार पर 2.7 प्रतिशत की वृद्धि रही है। इस दौरान मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र की वृद्धि दर 3.4 प्रतिशत रही है। भारत की आर्थिक वृद्धि में मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र का प्रमुख योगदान है।

राष्ट्रीय जागरण

जनमत मुद्दा

क्या भारत गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए सही राह पर आगे बढ़ रहा है?

mudda@jagran.com पर आप अपनी राय हमें भेज सकते हैं।

183 करोड़ रुपये के फर्जी बैंक गारंटी घोटाले में दो धरे

नई दिल्ली : सीबीआइ ने मप्र में सिंचाई परियोजनाओं से जुड़े 183.21 करोड़ रुपये के जाली बैंक गारंटी घोटाले के सिलसिले में पीएनबी के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक गोविंद चंद्र हांसदा व कोलकाता से मोहम्मद फिरोज खान को गिरफ्तार किया है। इस तरह से एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश हुआ है जो सरकारी परियोजनाओं को सुरक्षित करने के लिए जाली बैंक गारंटी उपलब्ध करा रहा था। (प्रेट्र)

वकीलों को ईडी के समन की सुप्रीम कोर्ट बार ने की निंदा

नई दिल्ली : अपने मुवक्किलों को कानूनी सलाह देने के लिए वरिष्ठ वकीलों अरविंद दातार एवं प्रताप वेणुगोपाल को ईडी के नोटिस जारी करने की सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन एवं सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स आन रिकार्ड एसोसिएशन ने निंदा की है। दोनों एसोसिएशनों ने कहा है कि इस चिंताजनक प्रवृत्ति ने कानूनी पेशे की बुनियाद पर प्रहार किया है। (प्रेट्र)

फर्जी खबरों पर लगाम को कर्नाटक में सात साल जेल का प्रस्ताव

बेंगलुरु, प्रेट्र : कर्नाटक सरकार ने गलत सूचना पर रोक लगाने को एक नया विधेयक तैयार किया है। इसमें फर्जी खबरें पोस्ट करने पर इंटरनेट मीडिया यूजरों के लिए कड़ी सजा का प्रविधान किया गया है। यदि इंटरनेट मीडिया यूजर फर्जी खबरें फैलाने का दोषी पाया गया, तो उसे सात वर्ष तक की जेल व 10 लाख जुर्माना या दोनों सजा दी जा सकती है।

कर्नाटक गलत सूचना और फर्जी समाचार (निषेध) विधेयक, 2025 का मसौदा कैबिनेट की अगली बैठक में रखे जाने की संभावना है। इससे राज्य सरकार इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर फर्जी खबरों पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करेगी।

सीबीआइ की चेतावनी के बाद अभिलेख जुटा रहा यूपीपीएससी

लोकसेवकों से पूछताछ की अनुमति पर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) का रुख अब भी अस्पष्ट

राज्य ब्यूरो, जागरण • प्रयागराज : उप्र लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की भर्तियों में धांधली को लेकर सीबीआइ की जांच बीते छह वर्षों से जारी है, लेकिन प्रगति धीमी और संदेह से घिरी है। पीसीएस-2015 और एपीएस-2010 भर्ती अनियमितता में मुकदमा दर्ज कर सीबीआइ ने जब यूपीपीएससी से आवश्यक अभिलेख और लोकसेवकों से पूछताछ की अनुमति मांगी तो आयोग ने सहयोग में हीलाहवाली दिखाई और सरकार भी मौन रही। अब जब सीबीआइ ने उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र भेजकर कहा कि यदि सहयोग नहीं मिला तो जांच बंद की जा सकती है, तब आयोग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भर्तियों से जुड़े अभिलेख जुटाने के लिए युद्धस्तर काम शुरू कर दिया। हालांकि, यह तत्परता अभिलेख को लेकर है। लोकसेवकों के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति पर आयोग का रुख अब भी अस्पष्ट है।

सीबीआइ को अप्रैल 2012 से मार्च 2017 तक हुई 600 भर्तियों की जांच करनी है, जिनमें 40 हजार पदों पर नियुक्तियां हुई थीं।

शिक्षक भर्ती घोटाला

ममता के गैर-शिक्षण कर्मचारियों को भत्ता देने के फैसले पर लगी रोक

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : कलकत्ता हाई कोर्ट ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नौकरी गंवाने वाले गैर-शिक्षण कर्मचारियों को भत्ता देने के बंगाल सरकार के फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी। बता दें कि राज्य सरकार ने नौकरी गंवाने वाले ग्रुप सी कर्मचारियों को 25,000 व ग्रुप डी कर्मचारियों को 20,000 मासिक भत्ता देने की घोषणा की थी। गत अप्रैल में सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए लगभग 26,000 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्तियों को रद कर दिया था। इसके बाद ही ममता सरकार ने मानवता के आधार पर भत्ता देने की घोषणा की थी।

अदालत ने इस योजना को चुनौती देने वाली याचिका पर नौ जून को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने एक अंतरिम आदेश पारित कर गैर-शिक्षण कर्मचारियों को आर्थिक राहत प्रदान करने की योजना को 26 सितंबर तक या अगले आदेश तक लागू करने से राज्य सरकार को रोक दिया है। उन्होंने राज्य सरकार को याचिकाकर्ताओं की दलीलों के विरोध में चार सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने और उसके बाद एक पखवाड़े के भीतर याचिकाकर्ताओं को जवाब देने का निर्देश दिया।

मुंबई लोकल : यात्रियों की मौत पर बांबे हाई कोर्ट चिंतित

मुंबई, प्रेट्र : बांबे हाई कोर्ट ने शुक्रवार को मुंबई की लोकल ट्रेनों में यात्रियों की मौत पर चिंता व्यक्त की और स्थिति को खतरनाक बताया। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कुछ दिन पहले खचाखच भरी उपनगरीय सेवा से गिरकर पांच लोगों की मौत हो गई थी। अदालत ने यात्रियों को गिरने से बचाने के लिए लोकल ट्रेनों में दरवाजा बंद करने की स्वचालित व्यवस्था का सुझाव दिया, लेकिन जोर दिया कि यह सलाह पूरी तरह से आम आदमी के नजरिये से दी गई है और इस मुद्दे पर रेलवे विशेषज्ञों की राय की आवश्यकता है।

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार अराधे और जस्टिस संदीप मार्ने की खंडपीठ ने कहा कि सिर्फ 2024 में लोकल ट्रेनों में (उपनगरीय नेटवर्क पर विभिन्न दुर्घटनाओं के कारण) 3,588 से अधिक मौतें हुईं, यानी औसतन हर दिन 10 मुंबईवासी मरते हैं। यह चिंताजनक स्थिति है।

खंडपीठ ने यह टिप्पणी मुंबई उपनगरीय नेटवर्क पर दुर्घटनाओं में यात्रियों की मौत से संबंधित एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान की। नौ जून की घटना के मद्देनजर अदालत ने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अधिकारियों द्वारा किए गए उपाय पर्याप्त नहीं थे। उक्त घटना में ठाणे जिले के मुंब्रा स्टेशन के पास भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरकर पांच यात्रियों की मौत हो गई थी। रेलवे ने पीठ को बताया कि उन्होंने मुंब्रा घटना के कारणों की जांच के लिए विभिन्न विशेषज्ञों की समिति गठित की है और उसकी रिपोर्ट का इंतजार है। अनुशासनात्मक समिति के अलावा एक उच्चस्तरीय निगरानी समिति भी अलग से गठित की गई है। मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी।

वंदे भारत में यात्री को किया लहूलुहान, भाजपा विधायक ने उसी के खिलाफ दी शिकायत

नईदुनिया प्रतिनिधि, ग्वालियर : ग्वालियर से भोपाल जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस के एक्जीक्यूटिव कोच में घुसकर झांसी रेलवे स्टेशन पर गुरुवार शाम यात्री राज प्रकाश को बुरी तरह पीटा गया। लहूलुहान यात्री का वीडियो पोस्ट करके मध्य प्रदेश कांग्रेस के एक नेता ने झांसी के बबीना विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक राजीव सिंह के समर्थकों पर यात्री से मारपीट का आरोप लगाया।

हालांकि, घटना के बाद विधायक ने जीआरपी थाने में शिकायती पत्र देकर पीड़ित समेत दो यात्रियों पर ही अपने साथ अभद्रता और समर्थकों संग मारपीट का आरोप लगाया। उनकी शिकायत पर एनसीआर दर्ज कर ली गई। पीड़ित रेल यात्री की ओर से कोई शिकायत नहीं की गई है। रेलवे और जीआरपी अधिकारी घटना की जांच की बात कह रहे हैं।

लोगों को न्याय न मिले, इसलिए लुकाछिपी का खेल खेल रही सरकार : हिमाचल हाई कोर्ट

- उत्तर न देने पर राज्य सरकार पर लगा पांच लाख रुपये हर्जाना
- मुख्य सचिव के सेवा विस्तार के विरुद्ध दायर की गई है याचिका

विधि संवाददाता, जागरण • शिमला : हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना को दिए सेवा विस्तार के विरुद्ध दायर जनहित याचिका का उत्तर न देने पर राज्य सरकार पर पांच लाख रुपये का हर्जाना लगाया है। दो जजों की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि 25 जून को मुख्य सचिव के सेवा विस्तार के विरुद्ध मांगी अंतरिम राहत पर विचार किया जाएगा। कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार लोगों को न्याय न मिले, इसलिए लुकाछिपी का खेल खेल रही है। कभी रेरा के मुख्यालय को धर्मशाला तब्दील करने के बहाने से तो कभी नियुक्ति का मामला विचाराधीन होने की बात करते हुए रेरा अध्यक्ष और सदस्य की नियुक्ति नहीं की जा रही है।

हाई कोर्ट ने यह हर्जाना 25 जून तक हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के पास जमा करने के आदेश दिए हैं। साथ ही हिमाचल प्रदेश रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के अध्यक्ष और सदस्य के पद को भी 25 जून तक अधिसूचित करने के आदेश दिए। आरोप है कि प्रबोध सक्सेना को सेवा विस्तार को मंजूरी देते समय केंद्र सरकार के समक्ष पूरी सतर्कता रिपोर्ट नहीं रखी थी। इस मामले पर हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 25 जून को की जाएगी।

गुणवत्ता में खरी नहीं उतरीं देशभर में बनी 181 दवाएं

जागरण संवाददाता, सोलन : केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) व स्टेट ड्रग अथारिटी ने शुक्रवार को ड्रग अलर्ट जारी किया। इसमें देशभर की 181 दवाएं गुणवत्ता की कसौटी पर खरी नहीं उतरी हैं। इनमें सर्दी, खांसी, जुकाम, एलर्जी व दर्द निवारण के लिए प्रयोग होने वाली दवाएं शामिल हैं।

सीडीएससीओ के अलर्ट में 53 दवाओं के सैंपल फेल हुए, जिनमें कैल्शियम कार्बोनेट 500 एमजी, विटामिन बी काम्प्लेक्स, रेबप्रजोल, पेंटापरोजोल, जिंक सल्फेट, सोडियम क्लोराइड इंजेक्शन, एल्बेंडाजोल इंजेक्शन, अजीथ्रोमिसिन, अमोक्सीलिन प्रमुख हैं। स्टेट ड्रग अथारिटी ने देशभर की 128 दवाओं की गुणवत्ता सही नहीं पाई।

"हिमाचल से फेल पाए गए सैंपल में कुछ कमियां पाई गई हैं। कुछ दवाओं में बड़ी खामी भी है, जिन्हें कारण बताओ नोटिस जारी होंगे। अब केंद्र स्तर पर फेल पाई जाने वाली हिमाचल की दवाओं की संख्या में कमी आ रही है। सभी दवाओं को वापस मंगवाया जाएगा। - **मनीष कपूर**, राज्य दवा नियंत्रक हिमाचल।

आज का भविष्यफल : 21 जून, 2025 शनिवार

पं. के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष दशमी का राशिफल।

आज का राहुकाल : प्रात : 09 बजे से 10 बजकर 30 मिनट तक।

आज का दिशाशूल : पूर्व

आज का पर्व एवं त्योहार : योगिनी एकादशी (स्मार्त), आज की भद्रा : प्रात : 07 बजकर 20 मिनट तक। विशेष : एकादशी तिथि क्षय

कल 22 जून, 2025 का पंचांग

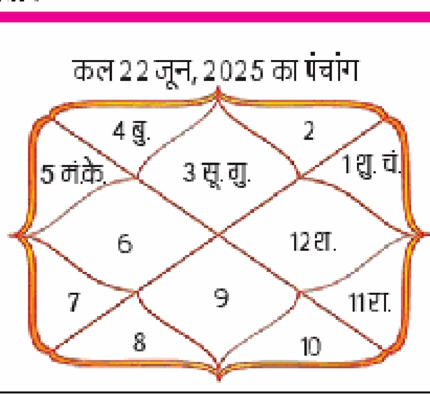

कल का दिशाशूल : पश्चिम

कल का पर्व एवं त्योहार : योगिनी एकादशी (वैष्णव), विशेष : बुध कर्क में, ग्रीष्म ऋतु आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष की द्वादशी 25 घंटे 23 मिनट तक तत्पश्चात त्रयोदशी, भरणी नक्षत्र 17 घंटे 39 मिनट तक तत्पश्चात कृतिका नक्षत्र, सुकर्मा योग 16 घंटे 58 मिनट तक तत्पश्चात धृति योग, मेष में चंद्रमा 23 घंटे 04 मिनट तक तत्पश्चात वृष में।

मेष : पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। रिश्तों में निकटता आएगी।

वृष : बहुप्रतीक्षित कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी।

मिथुन : रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक मामलों में सुधार होगा।

कर्क : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। रिश्तों में निकटता आएगी।

सिंह : जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। धनहानि की आशंका है।

कन्या : शैक्षिक प्रयास सार्थक होगा। रचनात्मक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।

तुला : संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

वृश्चिक : आर्थिक मामलों में सुधार होगा, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

धनु : जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद की संभावना है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सम्मान में वृद्धि होगी।

मकर : आर्थिक मामलों में सुधार होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। रिश्तों में निकटता आएगी।

कुंभ : भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक योजना सार्थक होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मीन : शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में चल रहा प्रयास सार्थक होगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा।

वर्ग पहेली-3020

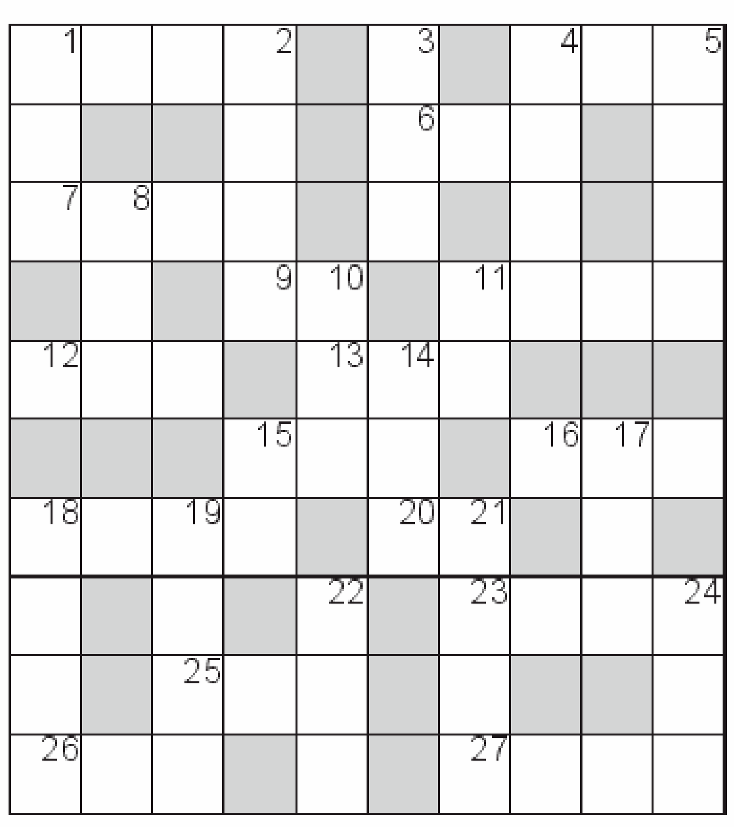

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं :
1 अटकल, अंदाजा (4)। 4 भिक्षुक, मांगने वाला (3)। 6 अपने से भिन्न (3)। 7 'गीत-गोविंद' पुस्तक के रचयिता (4)। 9 सूर्य, दिनकर (2)।, 11 जबर्दस्त, उद्दंड (4)। 12 जान से मारना (3)। 13 सामंत, सरदार, छोटा राजा (3)।, 15 बावला, विक्षिप्त (3)। 16 अनाज, अन्न (3)। 18 बातचीत (4)। 20 मृत्यु के देवता (2)। 23 प्रलय, आफत (4)। 25 चटाई, बिस्तर (3)। 26 इमली को अरबी में कहते हैं... (3)। 27 दर्द से भरा (4)।

ऊपर से नीचे :
1 छोटा भाई (3)। 2 कुशल एवं प्रवीण व्यक्ति, श्रीकृष्ण (4)। 3 त्रेता और कलियुग के बीच का युग (3)। 4 खानाबदोश, घुमंतू (4)। 5 ऋणी (4)। 8 भरोसा (3)। 10 अरुचि, विरक्ति (3)। 11 यथार्थ, सच्चाई (2)। 14 कुंडल (3)। 15 अपराध, कसूर (2)। 17 प्रियतम, प्रेम पात्र (3)। 18 संतोष की बात (4)। 19 तरबतर (4)। 21 मनोरथ (4)। 22 नियत अवधि तक का (3)। 24 जल्दी-जल्दी, चटपट (3)।

कल का हल

अ	ज्ञा	त		क	रा	र	क	र	ना
द		प	ह	ले			र्ज		गि
ल	ट			व	र			जा	न
ब			प	र		प		गृ	
द		पी				ति	ल	ति	ल
ल	थ	प	थ				ब्ध		क
	प्प		म		प	ल			वा
ज	ड़			वे	ट			स	मा
न		स			बा	र्षि	क		र
नौ	र	जा	गु	ले	री		ल	ह	ना

जागरण सुडोकू-3020

1		5	9			4		2
	2		6					
9				4	1	7		8
	1		7				9	
8					6	2		4
	4		5				8	
6					2	1		5
		8	1		5		4	
5				6				7

कल का हल

7	4	6	1	2	5	8	3	9
2	5	3	4	8	9	1	7	6
1	9	8	7	6	3	5	2	4
9	3	4	2	5	7	6	1	8
8	7	1	6	3	4	2	9	5
6	2	5	8	9	1	3	4	7
5	1	9	3	7	8	4	6	2
4	8	2	9	1	6	7	5	3
3	6	7	5	4	2	9	8	1

सवाल जवाब

आगे तेजी से होंगे जीडीपी आधारित संशोधन: राव इंद्रजित सिंह

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राव इंद्रजित सिंह मानते हैं कि 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिहाज से आंकड़ों पर आधारित फैसले लेने में भारतीय सांख्यिकी प्रणाली सरकार की बहुत मदद करेगी। शिवा राजौरा से ईमेल पर बातचीत में उन्होंने मंत्रालय के कामकाज की जानकारी भी दी। मुख्य अंशः

सांख्यिकी मंत्रालय आंकड़े इकट्ठे करने, उन पर काम करने और उन्हें जारी करने में प्रौद्योगिकी का पूरा लाभ ले रहा है। आंकड़ों के वैकल्पिक स्रोतों पर भी इसका ध्यान है। इन बदलावों से मंत्रालय की सूरत कैसे बदल रही है? आंकड़े इस्तेमाल करने वालों को इनका फायदा कैसे मिलेगा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मानते हैं कि हमें प्रौद्योगिकी का जानकार बनना चाहिए ताकि हर नीति और योजना को प्रौद्योगिकी के जरिये अधिक कारगर तथा सुलभ बनाया जा सके। हमें आंकड़ों के आधार पर फैसले लेने में माहिर होना चाहिए ताकि नीतियां ज्यादा सटीक तरीके से बनाई एवं लागू की जा सकें। मंत्रालय अपने सांख्यिकीय उत्पाद तैयार करने में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई प्रौद्योगिकी का सहारा ले रहा है और नीति निर्माताओं को समय पर आंकड़े दे रहा है ताकि सटीक नीतियों के जरिये लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार आ सके।

मंत्रालय अब राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षणों (एनएसएस) में कागज-कलम के बजाय टैबलेट पर आंकड़े इकट्ठे कर रहा है, जिन पर काम करना और नतीजे निकालना आसान हो जाता है। आंकड़ों के सत्यापन, गणना, टेबल बनाने आदि के लिए हमने एक सॉफ्टवेयर भी तैयार किया है। असंगठित क्षेत्र के उद्यमों के सालाना सर्वेक्षण (एज-यूज) आदि में एआई चैटबॉट की मदद ली जा रही है।

2047 विकसित भारत के सरकार के एजेंडा के हिसाब से मंत्रालय का नजरिया क्या है? आप साल 2047 में सांख्यिकी मंत्रालय को कहां देखते हैं?

भारतीय सांख्यिकीय प्रणाली को आधुनिक प्रौद्योगिकी, क्षमता विकास और डेटा उपयोगकर्ताओं, शिक्षाविदों, निजी क्षेत्र एवं अंतरराष्ट्रीय सांख्यिकीय एजेंसियों के साथ बातचीत को शामिल किया जा रहा है। इसके बेहतरीन नतीजे मिल रहे हैं। उम्मीद है कि यह प्रणाली 2047 तक विकसित भारत की प्रधानमंत्री की महत्त्वाकांक्षी यात्रा में आंकडों पर आधारित निर्णयों में अहम भूमिका निभाएगी।

साल 2047 के एजेंडा के तहत आपने राज्य सरकारों की सांख्यिकीय प्रणाली मजबूत करने के लिए बैठक की। उसका क्या नतीजा रहा?

फिलहाल अधिकतर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इस साल जनवरी से शुरू हुए एनएसएस के 80वें दौर में भाग ले रहे हैं। मंत्रालय सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को टैबलेट खरीदने के लिए एसएसएस योजना के तहत तकनीकी जानकारी, प्रशिक्षण, नमूना सूची, सीएपीआई, क्लाउड सर्वर और वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। एनएसएस ने सर्वेक्षण के लिए एनएसएस क्षेत्र के बजाय जिले को यूनिट बना दिया है। इस तरह राज्य और केंद्रशासित प्रदेश जिला स्तर पर अनुमान लगा पा रहे हैं। मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से पीएलएफएस, एज-यूज और घरेलू पर्यटन सर्वेक्षण जैसे मंत्रालय के अन्य सर्वेक्षण में शामिल होने का आग्रह किया है। यह भी तय किया गया है कि राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय अनुमान मंत्रालय जारी करेगा और राज्य सरकारें सिर्फ जिला स्तर के अनुमानों पर ध्यान देंगी।

सीपीआई, जीडीपी और आईआईपी जैसे प्रमुख वृहद आर्थिक संकेतकों के लिए मंत्रालय आधार वर्ष बदल रहा है। इस पर कितनी प्रगति हुई?

जीडीपी, आईआईपी और सीपीआई के आधार वर्ष में बदलाव की कवायद जारी है। जीडीपी के लिए वित्त वर्ष 2022-23 को आधार वर्ष मानने वाली नई श्रृंखला अगले साल 27 फरवरी को जारी की जाएगी। आईआईपी के लिए साल 2022-23 को नया आधार वर्ष माना जा सकता है और सीपीआई के लिए यह 2024 होगा। नई सीपीआई श्रृंखला साल 2026 की पहली तिमाही में आने की उम्मीद है।

खबरें हैं कि आईआईपी आधार वर्ष श्रृंखला पर आधारित होगा। क्या जीडीपी आधार वर्ष संशोधन को भी श्रृंखला आधारित बनाने की योजना है?

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय बुनियादी बदलावों के प्रति अधिक तेज प्रतिक्रिया के लिए श्रृंखला आधारित आईआईपी की संभावना तलाश रहा है। नई आईआईपी श्रृंखला की आइटम बास्केट और फैक्टरी फ्रेम का चयन सालाना उद्योग सर्वेक्षण (एएसआई) 2022-23 के आंकड़ों का उपयोग करके किया जाएगा।

जीडीपी की बात करें तो इसे श्रृंखला पर आधारित करने के लिए सरकारी व्यय और निजी कंपनियों के सालाना आंकड़े तो हैं मगर देश के बड़े अनौपचारिक क्षेत्र के लिए आंकड़े नहीं हैं। उन आंकड़ों के अनुमान विभिन्न सर्वेक्षणों के नतीजों पर निर्भर हैं। इसलिए इन सर्वेक्षणों के बीच का फासला कम करने की कोशिश की जा रही है।

प्रमुख क्षेत्रों की वृद्धि 9 माह में कम

शिवा राजौरा
नई दिल्ली, 20 जून

भारत के आठ प्रमुख बुनियादी ढांचा उद्योगों की उत्पादन वृद्धि मई में कम होकर 0.7 फीसदी रह गई, जो बीते नौ महीने में सबसे कम है। अप्रैल में यह आंकड़ा 1 फीसदी था और आधे क्षेत्रों के उत्पादन में इस बार काफी गिरावट आई है।

पिछले नौ महीनों में पहली बार बिजली उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई और यह जून 2020 के बाद सबसे कम होते हुए मई में 5.8 फीसदी घट गया। कच्चे तेल के उत्पादन में 1.8 फीसदी कमी आई है, जो लगातार पांचवें महीने कम रहा।

उर्वरकों के उत्पादन में लगातार दूसरे महीने गिरावट दर्ज की गई है और मई में यह 5.9 फीसदी घट गया, जो पिछले साल फरवरी के बाद सबसे तेज गिरावट है। प्राकृतिक गैस का उत्पादन लगातार 11वें महीने कम रहा और इसमें 3.6 फीसदी गिरावट आई।

सकारात्मक पहलू की बात करें तो मई में सीमेंट उत्पादन में सुधार आया है और यह अप्रैल के छह महीने के निचले स्तर 6.3 फीसदी से सुधरकर मई में इसमें 9.2 फीसदी बढ़ोतरी आई। स्टील के उत्पादन में भी तेजी आई और मई में इसमें 6.7 फीसदी इजाफा देखा गया, जो अप्रैल में 4.4 फीसदी ही था। अप्रैल में इसमें उत्पादन का आंकड़ा सबसे कम रहा था।

मई में प्रमुख क्षेत्रों की वृद्धि 0.7 फीसदी रही, अप्रैल में यह आंकड़ा 1 फीसदी था

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, 'इससे स्पष्ट होता है कि बुनियादी ढांचा गतिविधियों में तेजी आने से स्टील उत्पादन को मदद मिली है। इस वृद्धि के लिए निर्माण और वाहन के अलावा पूंजीगत वस्तुओं की मांग को प्रमुख कारण बताया जा सकता है। सीमेंट ने भी दमदार प्रदर्शन किया है, जो पूंजीगत व्यय में सरकार की गतिविधियों को दर्शाता है।'

कोयला उत्पादन की वृद्धि दर अप्रैल के 3.5 फीसदी से थोड़ी कम होकर 2.8 फीसदी हो गई, जबकि रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन अप्रैल में 4.5 फीसदी गिरने के बाद मई में 1.1 फीसदी बढ़ गया।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में आठ प्रमुख क्षेत्रों की 40.27 फीसदी हिस्सेदारी है। यह मार्च में 3.94 फीसदी के संशोधित आंकड़े से कम होकर अप्रैल में आठ महीने के निचले स्तर 2.7 फीसदी रह गया था। अर्थशास्त्रियों को लग रहा है कि मई में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर घटकर 1.5 से 2 फीसदी तक रह सकती है।

पिछले महीने की वृद्धि इसलिए भी कम रही क्योंकि मुख्य औद्योगिक सूचकांक (आईसीआई) पिछले साल मई में 6.9 फीसदी बढ़ा था, जो 13 महीने में सबसे बड़ा आंकड़ा था।

इक्रा रेटिंग्स के वरिष्ठ अर्थशास्त्री राहुल अग्रवाल ने कहा, 'मई के अंत तक मॉनसून आ जाने के कारण काफी बारिश हुई, जिससे बिजली एवं खनन क्षेत्रों के प्रदर्शन पर असर पड़ने की आशंका है। मगर स्टील, सीमेंट, रिफाइनरी उत्पादों का एक साल पहले के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन रहा और कच्चे तेल का प्रदर्शन इस साल अप्रैल बेहतर था, जिससे कहीं न कहीं अन्य क्षेत्रों के प्रदर्शन में गिरावट की भरपाई हो सकी।'

विकास को सहारा देने के लिए फ्रंट लोडेड दर

मनोजित साहा
मुंबई, 20 जून

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्यों ने कहा कि जून की बैठक के दौरान रीपो रेट में 50 आधार अंक की बड़ी कटौती का उद्देश्य तेजी से बदलाव लाना और ऐसे समय में आर्थिक विकास को बढ़ावा देना था जब मुद्रास्फीति का दृष्टिकोण अनुकूल बना हुआ है। आरबीआई द्वारा आज जारी किए गए मौद्रिक नीति के विवरण में यह कहा गया है।

छह सदस्यीय दर निर्धारण समिति ने 50 आधार अंक की दर कटौती कर 5.5 प्रतिशत पर लाने के पक्ष में 5:1 से मतदान किया। सभी सदस्यों ने उदार से तटस्थ में बदलाव का समर्थन किया।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने विकास समर्थक नीतियों की जरूरत पर जोर दिया, क्योंकि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताएं व्यवसायों को अपने निवेश निर्णयों को रोकने के लिए बाध्य कर सकती हैं। उन्होंने इस पर भी प्रकाश डाला कि ऊंचे क्षमता इस्तेमाल और बेहतर कॉरपोरेट बैलेंस शीट के बावजूद निजी क्षेत्र का निवेश कमजोर बना हुआ है। उन्होंने कहा, 'हालांकि वृद्धि की रफ्तार मजबूत बनी हुई है, लेकिन यह हमारी उम्मीदों से कम है।' मुद्रास्फीति के संबंध में उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति का अनुमान अप्रैल में पिछली बैठक में अनुमानित की तुलना में अधिक अनुकूल दिख रहा है।

मल्होत्रा ने 50 आधार अंक की दर कटौती के लिए मतदान करने का कारण बताते हुए कहा, 'यह उम्मीद की जाती है कि तरलता के मोर्चे पर निश्चितता के साथ फ्रंट-लोडेड दर का कदम आर्थिक एजेंटों को एक स्पष्ट संकेत भेजेगा, जिससे कम उधारी लागत के माध्यम से खपत और निवेश को समर्थन मिलेगा।'

डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा कि हालांकि भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, लेकिन अनुकूल जनसांख्यिकी, नियामकीय नीतियों में अनुकूल बदलाव, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचागत वृद्धि और पिछले दशक के दौरान हासिल की गई व्यापक आर्थिक मजबूती का लाभ उठाकर आर्थिक विकास दर को और तेज किया जा सकता है।

एमपीसी की अगली बैठक 4 से 6 अगस्त 2025 को होनी है।

कक्षा घोटाला: ईडी की छापेमारी

हर्ष कुमार और भाषा
नई दिल्ली, 20 जून

प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली में कक्षा निर्माण घोटाले से जुड़े 37 ठिकानों पर 18 जून को छापेमारी की। जांच एजेंसी ने बताया कि मजदूरों के नाम पर खोले गए बैंक खातों से जुड़ी 322 पासबुक जब्त की गई हैं। घोटाला की गई राशि की हेराफेरी इन्हीं के जरिये की गई थी।

प्रवर्तन निदेशालय ने बयान जारी कर कहा, 'छापे के दौरान ठेकेदारों और मुखौटा संस्थाओं के 'जाली' लेटरहेड भी जब्त किए गए, जिनका इस्तेमाल नकली खरीद रिकॉर्ड और फर्जी खरीद बिल बनाने के लिए किया गया था। फर्जी चालान से संबंधित सबूत जीएनसीटीडी विभाग को सौंप दिए गए हैं।'

धन शोधन निवारण कानून (पीएमएलए) के तहत दर्ज ईडी का मामला, दिल्ली की भ्रष्टाचार विरोधी शाखा (एसीबी) द्वारा 30 अप्रैल को आप नेताओं और तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मंत्रिमंडल के शिक्षा मंत्री रहे मनीष सिसोदिया, पीडब्ल्यूडी मंत्री रहे सत्येंद्र जैन और अन्य के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है। ईडी ने कहा कि यह मामला 2015 से 2023 के बीच लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा 12,748 अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय 'गड़बड़ी' से संबंधित है।

ईडी ने बताया कि जब्त सामग्री में दिल्ली सरकार से संबंधित मूल फाइलें, पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के नाम और पदनाम वाली रबर मुहरें शामिल थीं। इसमें कहा गया है कि अधिकारियों को 322 बैंक पासबुक भी मिलीं, जो मजदूरों के नाम पर खोले गए खातों की थीं और उनका उपयोग अवैध धन के लेन-देन के लिए किया गया था।

प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि शुरू में केवल 2,405 कक्षाओं की जरूरत थी मगर परियोजना में मनमाने ढंग से बढ़ाकर 7,180 कक्षाएं कर दी गईं। बाद में उचित मंजूरी के बगैर ही आंकड़ा बढ़ाकर 12,748 कक्षा कर दिया गया। इससे खर्च बहुत अधिक बढ़ गया।

एसीबी का आरोप है कि इस परियोजना पर कुल 2,892 करोड़ रुपये खर्च हुए, जिससे हर कक्षा पर 24.86 लाख रुपये खर्च हुए, जबकि मानक पैमानों के तहत केवल 5 लाख रुपये खर्च होने थे। उसने दावा किया कि परियोजना के ठेके 34 लोगों को दिए गए, जिनमें से अधिकतर कथित तौर पर आम आदमी पार्टी से जुड़े थे।

कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता की जांच को समिति

कोचिंग संस्थानों और 'डमी स्कूलों' के बढ़ते चलन के साथ-साथ प्रवेश परीक्षाओं की प्रभावशीलता और निष्पक्षता की जांच के लिए शिक्षा मंत्रालय ने नौ सदस्यीय समिति गठित की है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उच्च शिक्षा सचिव विनीत जोशी की अध्यक्षता वाली समिति उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए कोचिंग सेंटरों पर छात्रों की निर्भरता कम करने के उपाय सुझाएगा।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'समिति मौजूदा स्कूल शिक्षा प्रणाली में मौजूद उन खामियों की जांच करेगी, जिनके कारण छात्र कोचिंग सेंटरों पर निर्भर हो जाते हैं। विशेष रूप से यह समिति इस बात पर गौर करेगी कि किस तरह रटने की प्रवृत्ति हावी है और आलोचनात्मक सोच, तार्किक विवेक और नवाचार पर सीमित ध्यान दिया जा रहा है।' *भाषा*

पिछले वित्त वर्ष में 2.23 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी

मोनिका यादव
नई दिल्ली, 20 जून

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने 2024-25 में 2.23 लाख करोड़ रुपये की वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चोरी का पता लगाया है। गुरुवार को यहां आयोजित सीबीआईसी सम्मेलन में साझा किए गए आधिकारिक आंकड़ों से यह पता चला।

बैठक की अध्यक्षता कर रहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सीमा शुल्क और सीजीएसटी मामलों की जांच तेजी से पूरी करने, कर चोरी पर सख्त कार्रवाई करने और जीएसटी पंजीकरण एवं शिकायत निवारण में समयबद्ध सुधार करने का निर्देश दिया।

वित्त वर्ष 2023 में जीएसटी देने वाले करीब 62.21 फीसदी को ऑडिट किया गया और वित्त वर्ष 2025 में आंकड़ा बढ़कर 88.74 फीसदी हो गया। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी करदाता को तीन साल में एक से ज्यादा बार ऑडिट नहीं किया गया है। रिफंड में सुधार की जानकारी देते हुए बताया गया कि 85 फीसदी दावों को 60 दिन की तय मियाद में निपटा दिया गया। 2024-25 के दौरान जीएसटीआर-3बी रिटर्न दाखिल करने का राष्ट्रीय औसत 94.3 फीसदी रहा।

वित्त मंत्री ने जांच तेज करने और आसानी से पंजीकरण करने को कहा

इस दौरान बताया गया कि शिकायत निवारण में भी सुधार देखा गया है और औसत निपटान समय निर्धारित 21 दिन से घटकर नौ दिन रह गया है। विज्ञप्ति में कहा गया, 'केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली पर 95 से 97 फीसदी अपीलें 30 दिन के भीतर निपटाई जा रही हैं, जो शानदार प्रदर्शन है। इस प्रदर्शन ने पिछले साल फरवरी से इस प्रणाली पर रैंकिंग में सीबीआईसी को 90 केंद्रीय मंत्रालयों में शीर्ष पांच स्थान पर पहुंचाया है।'

सीतारमण ने विभाग से करदाताओं और व्यापार निकायों के बीच खास तौर पर जीएसटी पंजीकरण के लिए जरूरी दस्तावेजों के बारे में जागरुकता अभियान बढ़ाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि मुख्य व्यवसाय स्थान के प्रमाण के मुद्दों के कारण अक्सर अस्वीकृति होती है। उन्होंने पंजीकरण आवेदनों में सहायता के लिए सीजीएसटी क्षेत्रों के भीतर समर्पित हेल्पडेस्क बनाने का निर्देश दिया।

'तबादले के बाद समय से छोड़ें अधिकारियों को'

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने सभी क्षेत्रीय और जोनल कार्यालयों को निर्देश दिया है कि कर्मचारियों को तबादले के बाद समय पर छोड़ दिया जाए। संगठन ने ऐसा नहीं करने पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी है।

सभी क्षेत्रीय और जोनल कार्यालयों को गुरुवार को भेजे गए पत्र में ईपीएफओ के मुख्य आयुक्त रमेश कृष्णमूर्ति ने तबादले के आदेश में हीलाहवाली बरते जाने पर सख्त एतराज जताया है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि तबादले के आदेश की तामील नहीं करना घोर अनुशासनहीनता है और इससे मुख्यालय की शक्तियां कमजोर होती हैं। पत्र में लिखा है कि मुख्यालय से विशेष अनुमति के बिना किसी भी प्रकार के बदलाव को अवहेलना माना जाएगा, जिसके गंभीर परिणाम होंगे। *बीएस*

बीएस सूडोकू 5314

					1			4
						8		
							3	
7								
	9				6	2	8	
		1	2	4	8			
2				1		7		
3		4		7				
1		8	5		4			2

परिणाम संख्या 5313

8	1	9	2	4	6	7	5	3
3	2	4	5	7	1	9	8	6
7	5	6	3	9	8	4	1	2
4	8	2	7	1	3	6	9	5
5	3	7	6	8	9	2	4	1
6	9	1	4	2	5	8	3	7
2	4	5	8	3	7	1	6	9
9	7	3	1	6	4	5	2	8
1	6	8	9	5	2	3	7	4

कैसे खेलें?
हर रो, कॉलम और 3 के बाई 3 के बॉक्स में 1 से लेकर 9 तक की संख्या भरें।

मुश्किल ★★★★☆

क्षेत्रीय मंडियों के भाव | दिल्ली | उत्तर प्रदेश | राजस्थान | पंजाब

दिल्ली
दिल्ली में शुक्रवार को सोने का भाव 600 रुपये टूटकर 99,960 रुपये प्रति 10 ग्राम पर जा पहुंचा। इससे पिछले कारोबारी सत्र में गुरुवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,00,560 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत 2,000 रुपये लुढ़क कर 1,05,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर जा पहुंची। पिछले सत्र में चांदी 1,07,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

लखनऊ
गेहूं दड़ा 2450/2460 गेहूं शरबती 4300/4400, चावल शरबती सेला 4400/4500, स्टीम 5200/5400, लालमती 5800/5900, चावल (सोना) 5200/5300, दाल अरहर सवा नं. 9200/9700, पटका 10000/10300, रिजैक्शन 8900/9200, चना दाल 6800/7000 चना देशी छना 6500/6600, चना चापा छना 6750/6850, एग्रो प्योर बेसन 2700, मटर देशी 4200/4300, उड़द साबुत (काला)9500/10800, दाल उड़द (काली) 9800/11300, उड़द धोया 9700/11500, मसूर छोटी 7200/7400, मलका 7900/8200, किरानाः जीरा 23000/26000, लालमिर्च गुंटूर 15500/23000, हल्दी निजाम फली (50 किलो) 8800/9300, धनिया एमपी 8200/12300, छोटी इलायची (किलो) 2100/2800, बड़ी इलायची 1550/1560, कालीमिर्च (किलो) 740/760, सुपारी (किलो) 450/500, सौंफ मोटी 13800/16500, मंगरैल 19000/22500, चिरौंजी (किलो) 1600/1800, मखाना 1200/1700

कानपुर
गेहूं 2500/2510 जौ 2300/2350, चावल मसूरी 3200/3400, चावल मोटा 3100/3200, देशी चना 5875/5900, चना छना 6500/6600, दाल चना 6800/7100, देशी मटर 3600/3700, पिचकी 3000/3200, मटर दाल 4100/4200, अरहर लेमन 6975/6980, दाल अरहर 9900/10200, स्पेशल 9000/9200, उड़द एसक्यू 8075/8100, एफएक्यू 7250/7060 राजमा चित्रा 9800/11700, मूंग 6300/6500, मसूर छोटी 6800/7100, छांटी 8000/8200, सरसों 5900/6000, तिल सफेद 8600/8700, सोया (टीन) 2250/2300, तेल सरसों कच्ची घानी वैट पेड (टीन)2450/2600

चंदौसी
(प्रति किलो): मैन्था ऑयल 985, बोल्ड क्रिस्टल (12 नं.)1165, फ्लैक 1100, सिंथेटिक फ्लैक 1050, डीएमओ 780, टरपीन लैस बोल्ड 1210

मुजफ्फरनगर
गुड़ (40 किलो) : लड्डू, खुरपा, चाकू कोल्ड 1600/1650 , चौरसा 1525/1550, चीनी मिल डिली. (क्विं.) (जीएसटी अतिरिक्त): खतौली 3977, टिकोला 3980, देवबंद 3980, थाना भवन 3925, सिम्भावली 3970, अफजलगढ़ 3930, चीनी हाजिर 4200/4325

जयपुर
दाल (जीएसटी अतिरिक्त): मूंग मोगर 9200/9300, मोटा 9700/10000, उड़द मोगर 9500/9800, मोटा 10000/10500, चौला मोगर 7800/8000, मोठ मोगर 7400/7500, मूंग दाल छिलका देशी 8500/9000, मलका 7200/7300, अरहर 9000/10000, मटर दाल 4100/4200, चना दाल मीडियम 6500/6600, बोल्ड 6700/6800, दलहनः उड़द साबुत देशी 7000/7100, मटर सफेद 4000/4100, मोठ साबुत 5200/5300, काबली चना 8500/9500, चना (डिली.) 5800/5825, मूंग 6800/7000, राजमा शर्मिली 8500/9500, राजमां चित्रा 9000/10000, किरानाः सांगली 15000/15100, हल्दी राजापुरी 15200/15800, लालमिर्च 16500/23000, कालीमिर्च (किलो) 750/775, धनिया 9000/10000, जीरा 23500/27500, अजवायन 12000/15000, सौंफ 12000/15500, मेथी 5400/5500, मेथी मशीन क्लीन 5600/5800, इमली 4700/4800, गोला टिपटूर 27000/30000, अनाजः चावल डीबी 6200/6300, गेहूं (मिल) 2600/2610, मक्की 2275/2300, बाजरा 2275/2325, ग्वार लूज 4700/4750, ज्वार कैटलफीड 2500/2600, ज्वार बेस्ट क्वालिटी 3100/3200

खन्ना
जीएसटी अतिरिक्त (प्रति क्विं.): राइसब्रान (खाद्य)(प्रति प्वाइंट)165, राइसब्रान (अखाद्य) 163, खल सरसों 2280, डीओसीः राइसब्रान बैच सफेद 1100, कंटीन्यूअस 1100, सरसों (टन) 15500, सूरजमुखी (टन) 16800, अनाजः गेहूं 2550/2570, आटा (50 किलो)1400, मैदा 1475, चोकर (45 किग्रा) 1150, चोकर (30 किग्रा) 740, मक्की बिहार 2300/2350 **भाषा/एनएनएस**

डिस्क्लेमर.. बिज़नेस स्टैंडर्ड में प्रकाशित समाचार रिपोर्ट और फीचर लेखों के माध्यम से बाजारों, कॉरपोरेट जगत और सरकार से जुड़ी घटनाओं की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया जाता है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते हैं। समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा किए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले कारोबारी निर्णयों के लिए बिज़नेस स्टैंडर्ड कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के सभी विज्ञापन सद्भाव में स्वीकार किए जाते हैं। इनके साथ बिज़नेस स्टैंडर्ड न तो जुड़ा हुआ है और न ही उनका समर्थन करता है। विज्ञापनों से संबंधित किसी भी प्रकार का दावा संबंधित विज्ञापनदाता से ही किया जाना चाहिए। मै. बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा. लि. का सर्वाधिकार सुरक्षित है बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा. लि. से लिखित अनुमति लिए बगैर समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी सामग्री का किसी भी तरह प्रकाशन या प्रसारण निषिद्ध है। किसी भी व्यक्ति या वैधानिक निकाय द्वारा इस प्रकार का निषिद्ध कार्य किए जाने पर दीवानी और फौजदारी कार्यवाही शुरू की जाएगी।

बिज़नेस स्टैंडर्ड
वर्ष 18 अंक 107

सुनियोजित कदम से बनेगा उन्नति प्रदेश

सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) भारत के आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमएसएमई स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करने में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। देश से वस्तुओं के कुल निर्यात में एमएसएमई खंड की हिस्सेदारी 45 फीसदी से अधिक है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इनका योगदान लगभग 30 फीसदी है। देश में इलेक्ट्रॉनिकी एवं सेमीकंडक्टर जैसे मूल्यवान क्षेत्रों सहित बड़े औद्योगिक संकुलों को जिस तरह महत्त्व दिया जा रहा है उतना ही ध्यान एमएसएमई के विकास के लिए उपयुक्त माहौल तैयार करने पर दिया जाना चाहिए। इस दिशा में उत्तर प्रदेश सुनियोजित रूप से कदम बढ़ाता प्रतीत हो रहा है। उत्तर प्रदेश में एमएसएमई की संख्या देश में सर्वाधिक है। राज्य में कुछ समय पहले विशेष रूप से एमएसएमई के लिए 11 जिलों में 15 औद्योगिक क्षेत्र तैयार करने से जुड़ी घोषणाएं हुई हैं। इनमें यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण भी शामिल है। राज्य में नए एमएसएमई के लिए 500 एकड़ जमीन का इंतजाम किया गया है। एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार के ये प्रयास सही दिशा में हैं। एमएसएमई विभाग द्वारा तैयार मसौदा योजना के अनुसार इन औद्योगिक क्षेत्रों के लिए 764.31 एकड़ जमीन आवंटित की जाएगी।

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक उत्पादन में एमएसएमई क्षेत्र का योगदान लगभग 60 फीसदी है और राज्य के निर्यात में भी इसकी हिस्सेदारी 46 फीसदी तक पहुंच जाती है। राज्य की ऐसी इकाइयों की हिस्सेदारी देश के कुल एमएसएमई में लगभग 14 फीसदी है। एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) जैसी विशेष योजनाएं परंपरागत एवं कारीगरी कौशल को नए सिरे से बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ओडीओपी योजना के माध्यम से परंपरागत एवं कारीगरी कौशल आधुनिक मूल्य श्रृंखला से जुड़ रहा है। राज्य ने भौगोलिक संकेतकों (जीआई) के मामले में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। देश में सर्वाधिक जीआई टैग के साथ उत्तर प्रदेश स्थानीय उत्पादों के दम पर एक नया एवं विशिष्ट बाजार तैयार करने में सफल रहा है। वर्ष 2023-24 में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 13 फीसदी रही जो प्रदेश के राज्य सकल घरेलू उत्पाद (एसजीडीपी) दर 7.5 फीसदी से आगे निकल गई। वर्तमान मूल्यों पर विनिर्माण राज्य की अर्थव्यवस्था में 27 फीसदी योगदान दे रहा है। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि राज्य के लगभग सभी जिलों में निवेश बढ़ रहा है। यह प्रगति एमएसएमई क्षेत्र को आगे बढ़ने में मदद करती है और एक संतुलित औद्योगिक तंत्र विकसित करने में भी सहायता मिली है।

ये सभी प्रयास उपयुक्त दशा में आगे बढ़ते दिख रहे हैं किंतु अब भी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता है। महिला उद्यमिता की कमी सबसे अहम बिंदु है जिस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। राज्य में मौजूद कुल एमएसएमई में महिलाओं द्वारा संचालित एमएसएमई की हिस्सेदारी मात्र 33 फीसदी है। यह अनुपात कई राज्यों की तुलना में कम है। लक्षित कौशल विकास, वित्त की उपलब्धता और महिला केंद्रित औद्योगिक संकुल रोजगार एवं उत्पादन और बढ़ाने में मददगार हो सकते हैं।

उत्तर प्रदेश की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था चुनौती और अवसर दोनों पेश कर रही है। कृषि-प्रसंस्करण, खाद्य संरक्षण, ग्रामीण शिल्प और कृषि उपकरण विनिर्माण खंडों में अपार संभावनाएं हैं जिनका पर्याप्त लाभ नहीं उठाया गया है। इन खंडों में आगे बढ़ने की काफी गुंजाइश मौजूद है। उदाहरण के लिए राज्य की खाद्य प्रसंस्करण औद्योगिक नीति 2022-27 में इस बात का उल्लेख है कि राज्य की 24,000 खाद्य-प्रसंस्करण इकाइयों में केवल 6 फीसदी ही ऐसी हैं जिनका सालाना राजस्व 20 करोड़ रुपये से अधिक है। यह स्थिति क्षमता एवं कारोबार विस्तार की संभावनाएं उपलब्ध होने का संकेत दे रही है। कृषि क्षेत्र को एमएसएमई से जोड़ने वाली मूल्य श्रृंखला मजबूत बनाने से किसानों की आय बढ़ सकती है और ग्रामीण क्षेत्र में संकट भी कम हो सकता है। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए कि एमएसएमई नीतियां केवल अवसंरचना एवं भूमि पर ही केंद्रित न रहें बल्कि नियम अनुपालन का बोझ घटाने, वित्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने और ढुलाई से जुड़ी बाधाएं भी दूर करने में योगदान दें। देश के सबसे बड़े राज्य में अधिक औद्योगिक उत्पादन एवं रोजगार के अवसर भारत की संपूर्ण आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं में सुधार करेंगे।

विनय सिन्हा

विश्वसनीय कार्बन बाजार बनाने में चुनौतियां अपार

कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य योजना में उत्तरदायी बाध्यकारी क्षेत्रों के दायरे को सीमित करने से न केवल बाजार का आकार छोटा होगा बल्कि इससे नकदी पर भी इसका असर पड़ेगा। बता रहे हैं अजय त्यागी

भारत सरकार ने जून 2023 में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम (सीसीटीएस) की अधिसूचना जारी की थी और उसके बाद से कई कदम उठाए गए ताकि इसको अमलीजामा पहनाया जा सके। उम्मीद है कि ट्रेडिंग 2026 में शुरू हो जाएगी और वर्ष 2027 तक इसका एक स्थिर बाजार हो जाएगा।

इस लेख में हम कार्बन बाजार बनाने के लिए सरकार के तरीकों का विश्लेषण और इसे एक सफल पहल बनाने में आने वाली प्रमुख चुनौतियों पर बात करेंगे। इसे स्वीकारने में जरा भी संदेह नहीं है कि यह एक जटिल विषय है जिसमें लगातार बदलाव हो रहे हैं। निश्चित रूप से आगे कई अतिरिक्त मुद्दों पर भी ध्यान देने की जरूरत होगी। पहले कुछ बुनियादी बातों से शुरुआत करते है। किसी भी वस्तु के बाजार के विकास के लिए वास्तविक और उचित अनुमानित मांग आवश्यक होती है। इसके बाद आपूर्तिकर्ता इसमें जुड़ते हैं और वे अपनी मांग और मूल्य का अनुमान लगाते हैं और साथ ही उस मांग को पूरा करने के लिए आवश्यक कदम उठाते हैं। यही बातें कार्बन बाजार पर भी लागू होती हैं।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफऐंडसीसी) ने हाल ही में कुछ क्षेत्रों में चिह्नित संस्थाओं के लिए कार्बन उत्सर्जन तीव्रता के लक्ष्य अधिसूचित किए हैं। मोटे तौर पर कहा जाए तो जिन संस्थाओं को इसके लिए जिम्मेदार माना जाता है उन्हें अपनी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन तीव्रता कम करनी होगी और उन लक्ष्यों को प्राप्त करना होगा। अगर ऐसा नहीं होता है तो उन्हें दंड और अन्य कानूनी कार्रवाइयों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाभाविक रूप से, हरेक अधिसूचित संस्था को मौजूदा तकनीक, अपग्रेडेशन की आवश्यकता या ईंधन विकल्पों के संदर्भ में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा और आवश्यक बदलाव लाने के लिए फंडिंग की लागत का जायजा भी लेना होगा। विभिन्न संस्थाओं को अपनी उत्सर्जन तीव्रता कम करने के लिए अलग-अलग सीमांत लागतों पर विचार करना पड़ेगा।

कुल उत्सर्जन तीव्रता में कमी के लक्ष्य को पूरा करने के आर्थिक रूप से कुशल समाधान के लिए सुचारू तरीके से काम करने वाला कार्बन बाजार विकसित करना होगा, जहां अपेक्षाकृत अधिक सीमांत लागत वाली कंपनियां अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बाजार से कार्बन क्रेडिट खरीदने के विकल्प तलाश सकें।

आपूर्ति पक्ष में अपेक्षाकृत कम सीमांत लागत वाली कंपनियां ही होंगी जो अपने लक्ष्यों को बड़े स्तर पर हासिल कर और कार्बन क्रेडिट बेचकर पैसा कमाने का अवसर देखती हैं। इसके सफल होने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू, वास्तव में कार्बन क्रेडिट मूल्य होगा और साथ ही यह महत्त्वपूर्ण होगा कि इसका निर्धारण कितनी पारदर्शिता और विश्वसनीयता के साथ किया जाता है। यह एक सफल कार्बन बाजार के लिए पहली बुनियादी जरूरतें हैं।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा तय उत्सर्जन लक्ष्य, क्षेत्र विशेष और उस क्षेत्र की जिम्मेदार एकल इकाइयों के लिए है। लक्ष्यों को तय करने के लिए प्रमुख मार्गदर्शक सिद्धांत, 2005 के स्तर की तुलना में 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की उत्सर्जन तीव्रता को 45 फीसदी तक कम करने की भारत की राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान प्रतिबद्धता (एडीसी) रही है। एकल इकाइयों के लिए, पहले के उत्सर्जन को भी ध्यान में रखा गया है जिसमें वर्ष 2023-24 को आधार वर्ष माना गया है।

अहम बात यह है कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को शुरुआत में ही उत्सर्जन तीव्रता लक्ष्य तय करते हुए उन सभी उद्योगों को शामिल करना चाहिए था जिनसे सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलता है और इसके बाद अन्य क्षेत्रों की जिम्मेदार कंपनियों को इस दायरे में लाना चाहिए।

सबसे अधिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन करने वाले उद्योगों में स्टील क्षेत्र को शामिल क्यों नहीं किया गया, यह बात भी समझ से परे है। इसी तरह, ताप ऊर्जा क्षेत्र जिसका कार्बन फुटप्रिंट सबसे अधिक है, उसे शायद इसलिए बाहर रखा गया है क्योंकि यह पहले से ही प्रदर्शन करने, लक्ष्य हासिल करने और ट्रेडिंग की योजना (पीएटी) के तहत आता है। लेकिन यह गलत धारणा है कि ऊर्जा दक्षता में सुधार से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी जरूर आएगी। इसके अलावा, एक ही लक्ष्य के लिए दो योजनाएं चलाना भी समस्या खड़ी करता है। पीएटी योजना पर आगे बात करेंगे, लेकिन अभी के लिए इतना समझा जा सकता है कि योजना में उत्तरदायी बाध्यकारी क्षेत्रों के दायरे को सीमित करने से न केवल बाजार का आकार छोटा होगा बल्कि तरलता पर भी इसका असर पड़ेगा।

कंपनियों के लिए उनके पिछले उत्सर्जन के आधार पर लक्ष्य तय करना गलत है। यह ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने की महत्त्वाकांक्षा में कमी को दर्शाता है और इससे कार्बन क्रेडिट की पर्याप्त मांग बढ़ने की संभावना नहीं है। अहम सवाल यह भी है कि जिन कंपनियों के उत्सर्जन का पिछला रिकॉर्ड खराब रहा है, उन्हें ढील क्यों दी जाए? सही तरीका यह होगा कि एक ही क्षेत्र में एक जैसी कंपनियों को (उदाहरण के तौर पर उत्पादन क्षमता के आधार पर) वर्गीकृत किया जाए और उन सभी के लिए एक ही लक्ष्य निर्धारित किए जाएं। इससे एक बेंचमार्क तैयार किया जा सकेगा और उद्योग को संसाधनों का कुशलता से उपयोग करने, बेहतर तकनीक अपनाने और सही ईंधन का चुनाव करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकेगा और तभी एक कार्बन बाजार तैयार हो पाएगा। सीसीटीएस ने गैर-बाध्यकारी संस्थाओं को कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग में शामिल करने के लिए एक 'ऑफसेट प्रणाली' भी बनाई है। हालांकि, यूरोपीय संघ (ईयू)-एमिशन ट्रेडिंग स्कीम्स (ईटीएस) सहित दुनिया भर की उत्सर्जन ट्रेडिंग योजनाओं के अनुभव से अंदाजा होता है कि स्वैच्छिक भागीदारी से कार्बन लीकेज हो सकता है और डेटा की विश्वसनीयता पर असर पड़ सकता है और इसके कारण योजना की साख ही खतरे में पड़ सकती है।

आप स्वच्छ विकास प्रणाली (सीडीएम) के अनुभवों को ही याद करें तो यह कार्बन क्रेडिट की दोहरी गणना और खराब सत्यापन जैसी गंभीर समस्याओं से घिरी थी। योजना के शुरुआती चरण में बाजार में तरलता बनाए रखने के लिए स्वैच्छिक भागीदारी की अनुमति देने का अक्सर इस्तेमाल किए जाने वाला तर्क (जिसे बाद में कम किया जाना है) सही नहीं है। यह एक कमजोर नींव पर इमारत बनाने जैसी बात है। इसके बजाय, शुरुआत से ही बड़ी तादाद में बाध्यकारी संस्थाएं होनी चाहिए, जिन्हें मजबूत निगरानी, रिपोर्टिंग और सत्यापन तंत्र के साथ-साथ सख्त नियमों के दायरे में रखा गया हो। जानकारी के मुताबिक, ईयू-ईटीएस में ऑफसेट प्रणाली पर पहले ही प्रतिबंध लगा दिया गया है। अब बात करते हैं मौजूदा पीएटी योजना और सीसीटीएस के महत्त्वपूर्ण जुड़ाव के मुद्दे पर। सीसीटीएस काफी हद तक पीएटी योजना पर आधारित है, जिसे 2012 से ही ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) एक बाजार तंत्र के रूप में नियमों के दायरे में आने वाली संस्थाओं में ऊर्जा दक्षता में सुधार के लिए संचालित कर रहा है। हालांकि इस तरीके के कुछ अपने निहितार्थ हैं।

सवाल यह भी है कि क्या सीसीटीएस में शामिल क्षेत्रों को कवर करने वाली पीएटी योजना समानांतर रूप से जारी रहेगी? पीएटी चक्र 8 को वर्ष 2025-26 के लिए पहले ही अधिसूचित कर दिया गया है, ऐसे में यह सह-अस्तित्व कैसे काम करेगा? बाजार को क्यों विभाजित किया जाए? इसके बजाय, सीधे उत्सर्जन तीव्रता को लक्षित करने वाली केवल सीसीटीएस ही क्यों न हो? पीएटी योजना की पहले भी आलोचना हुई है, जिसमें ढीले लक्ष्य तय करना, बाजार में ऊर्जा बचत प्रमाण पत्र (ईएससीईआरटी) की अत्यधिक आपूर्ति के कारण प्रमाण पत्र की कीमतों में कमी, असंतोषजनक क्रियान्वयन और खराब तरीके का अमल शामिल है।

ऐसा लगता है कि पीएटी 3 चक्र के बाद से, विभिन्न चरणों को बंद करने के लिए आवश्यक कदम अब भी लंबित हैं। याद रहे कि पीएटी 3 चक्र, वर्ष 2017-2020 की अवधि के लिए था और इसके बाद पीएटी 4 से पीएटी 8 तक के चक्रों को अधिसूचित किया गया है। क्या इन चरणों में शामिल बाध्यकारी संस्थाओं को सीसीटीएस के तहत तभी अनुमति मिलेगी जब ये चरण बंद हो जाएंगे? पीएटी के तहत बकाया ऊर्जा बचत प्रमाण पत्र को सीसीटीएस के तहत कार्बन क्रेडिट में बदलने की प्रणाली क्या होगी? पीएटी व्यवस्था के तहत प्रचलित खराब निगरानी, रिपोर्टिंग और सत्यापन प्रक्रियाओं को देखते हुए इनकी आखिर विश्वसनीयता क्या है? क्या इन्हें सामान्य कार्बन क्रेडिट माना जाएगा या उनके लिए एक अलग वर्गीकरण या एक्सचेंज पर एक अलग ट्रेडिंग सेगमेंट होगा? देश में एक मजबूत और विश्वसनीय कार्बन बाजार बनाने के लिए इन सभी मुद्दों पर ठीक से विमर्श और समाधान की आवश्यकता है।

(लेखक ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन में विशिष्ट फेलो हैं और सेबी चेयरमैन रह चुके हैं)

नीतीश कुमार टीम के एक बहुमूल्य सदस्य

सियासी हलचल

आदिति फडणीस

बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक दलित विधायक के साथ हाल ही में हुई बातचीत में राज्य में आगामी विधान सभा चुनाव के बारे में नई सच्चाई सामने आई। समस्तीपुर क्षेत्र के विधायक एक गणितज्ञ हैं, वह पंचायत और बाद में 2020 के विधान सभा चुनाव लड़ने के लिए भाजपा द्वारा उनकी सेवाएं मांगे जाने तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में पूर्णकालिक प्रचारक भी थे। वह भाजपा में एक प्रभावशाली दलित आवाज हैं। उन्होंने बिहार के वर्तमान मुख्यमंत्री के बारे में कहा, 'हम वास्तव में नीतीश जी का सम्मान करते हैं, न केवल सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए, बल्कि उनके जीने के तरीके के लिए भी। उनका कोई परिवार नहीं है। पिछले इन सभी वर्षों में, उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा है। उनके पास जो कुछ भी था, उन्होंने बिहार को दिया है। इस हिसाब से वह उन मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो हमें आरएसएस में सिखाए गए हैं'। नीतीश चुनावों में अपनी पार्टी जनता दल यूनाइटेड का नेतृत्व कर रहे हैं और यह उनका आखिरी चुनाव हो सकता है।

लेकिन अब उनकी गिरगिट जैसी राजनीति और प्रशासन पर ढीली पकड़ के बारे में ताने सुनने को मिलते हैं। एक समय ऐसा भी था जब नीतीश कुमार ने राज्य में भाजपा को हिलाकर रख दिया था। बहुत लोगों को याद होगा कि जब 2006 में राजग ने घोषणा की थी कि सरकारी स्कूलों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य किया जाना चाहिए, नीतीश ने बिहार में इसे लागू करने से इनकार कर दिया, जबकि जेडीयू राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा थी। जून 2010 में पटना में आयोजित भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान, स्थानीय दैनिकों में पूरे पेज का विज्ञापन छपा जिसमें नीतीश कुमार ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को बाढ़ राहत सहायता के रूप में 5 करोड़ रुपये देने के लिए धन्यवाद दिया।

लेकिन बिहार को भिखारी के रूप में चित्रित करने से नाराज नीतीश कुमार ने भाजपा नेताओं के लिए आयोजित रात्रिभोज को रद्द कर दिया। नीतीश कुमार ने गुजरात सरकार को 5 करोड़ रुपये भी लौटा दिए। इसके बाद जून 2013 में गोवा में मोदी को भाजपा के 2014 के लोक सभा चुनाव अभियान समिति का प्रमुख नियुक्त किए जाने के तुरंत बाद जदयू ने भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के साथ अपना गठबंधन तोड़ दिया। अब वे फिर से दोस्त हैं, हालांकि भाजपा जदयू में होने वाले कदमों, खासकर उत्तराधिकार पर सावधानीपूर्वक नजर रख रही है। भाजपा के लिए यह जरूरी है कि जदयू का एक इकाई के रूप में अस्तित्व रहे। बिहार के अत्यंत पिछड़े वर्ग (ईबीसी) और कुर्मी व कोइरी जातियां अभी भी नीतीश कुमार के पीछे मजबूती से खड़ी हैं। सामाजिक विरोधाभासों के कारण, उनके भाजपा में आने की संभावना नहीं है। नीतीश कुमार ने वैकल्पिक कुर्मी नेताओं को खड़ा करने की कोशिश की है जो उनके बाद बागडोर संभाल सकते हैं। अफसरशाह से राजनेता बने और कुर्मी आरसीपी सिंह ऐसे ही नेताओं में से एक थे। लेकिन उनकी महत्त्वाकांक्षा उन पर हावी हो गई। भाजपा के आकलन के अनुसार, बिहार के वर्तमान मंत्री श्रवण कुमार अगले सबसे अच्छे दावेदार हैं, जो नालंदा से सात से अधिक बार विधायक रह चुके हैं। नीतीश कुमार के प्रति उनकी निष्ठा निर्विवाद है और इसी तरह उनकी अपने समुदाय पर पकड़ भी। संजय झा और विजय कुमार चौधरी जेडीयू में प्रभावशाली हैं और नीतीश कुमार के विश्वासपात्र हैं।

लेकिन वे उच्च जाति के हैं। अन्य लोगों की भी जेडीयू के सामाजिक आधार पर नजर है: ईबीसी धानुक जाति के मंगनी लाल मंडल को राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) का अध्यक्ष नियुक्त करना इसी हिसाब का रणनीतिक कदम है। भाजपा के आकलन के अनुसार, इस चुनाव में हिंदुत्व को पीछे रखना ही बेहतर है। निश्चित रूप से पार्टी बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दों को उठाएगी, खासकर किशनगंज जैसे इलाकों में जहां 65 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है।

लेकिन धार्मिक मुद्दों पर विवाद खड़ा करने का यह सही समय नहीं है, क्योंकि नीतीश के साथ गठबंधन ने राजग को मुस्लिम समर्थन दिलाया है, भले ही छोटा हो। इसके बजाय, शासन और राज्य में प्रशासनिक क्षमता बनाने के लिए लगातार सरकारों, खासकर अपने पहले कार्यकाल में नीतीश कुमार के प्रयासों को लेकर अपील होगी। उदाहरण के लिए यह कोई संयोग नहीं है कि बिहार में पुलिस बल में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अब भारत में सबसे अधिक (24 फीसदी) है और 2022 से 2024 के बीच ही यह 2 फीसदी बढ़ गया है। यह आंशिक रूप से नीतीश कुमार द्वारा मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले (2005-2014) और दूसरे (2015-2020) कार्यकाल में लड़कियों की शिक्षा में किए गए निवेश का परिणाम है। पार्टी का मानना है कि शराबबंदी पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है और जो लोग इसके खिलाफ तर्क देते हैं, जिनमें आरके सिंह जैसे पार्टी के पूर्व सांसद भी शामिल हैं, वे जमीनी हकीकत को नहीं समझते हैं। शराबबंदी को लागू करने में तमाम खामियों और खामियों के बावजूद, भाजपा का मानना है कि सिर्फ इसी मुद्दे पर महिलाओं का वोट जाति से ऊपर है। पलायन को रोकने के लिए मिथिलांचल के विकास जैसे क्षेत्रीय मुद्दों को भी बिहार में विकास के मुद्दे के रूप में तैयार किया जाएगा।

अगर मोदी-कुमार के संयुक्त प्रयास से भाजपा को भारी लाभ होता है लेकिन जेडीयू को नहीं, तो क्या नीतीश कुमार को समीकरण से पूरी तरह बाहर किया जा सकता है? इस सवाल का जवाब कोई नहीं दे रहा है, लेकिन जैसा कॉरपोरेट भाषा में कहा जाता है, फिलहाल 'नीतीश कुमार टीम के एक बहुमूल्य सदस्य हैं।'

आपका पक्ष

फास्टैग के सालाना पास के दिशानिर्देश तय हों

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में फास्टैग के सालाना पास योजना की घोषणा की। इससे निश्चित रूप से नियमित यात्रा करने वाले वाहन मालिकों को राहत मिलेगी। इस साल 15 अगस्त से लागू होने जा रही इस योजना के तहत 3,000 रुपये के भुगतान पर एक वर्ष या 200 यात्राओं (जो पहले हो) तक देश के किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्बाध यात्रा की सुविधा मिलेगी। इससे न केवल टोल पर रुकावटें कम होंगी, बल्कि समय और ईंधन की भी बचत होगी। मगर इस पहल के कई ऐसे पक्ष हैं, जिन्हें स्पष्ट किए जाने की आवश्यकता है। सबसे प्रमुख सवाल यह है कि क्या यह सुविधा केवल राष्ट्रीय राजमार्गों तक सीमित रहेगी या राज्य और निजी टोल सड़कों पर भी लागू होगी। देश में अनेक टोल प्लाजा ऐसे हैं जो राज्य सरकारों या निजी कंपनियों द्वारा संचालित किए जाते हैं और वे भी फास्टैग का उपयोग करते हैं। ऐसे में यह स्पष्ट करना जरूरी है कि इस वार्षिक पास का उपयोग वहां किया जा सकेगा या नहीं। दूसरा महत्त्वपूर्ण बिंदु यह है कि '200 यात्राओं' की गिनती किस तरह होगी? क्या एक टोल प्लाजा पर एक बार प्रवेश और निकास को एक यात्रा माना जाएगा या दो बार गिनती होगी? साथ ही, एक से अधिक टोल प्लाजा पार करने पर यात्राओं की गणना कैसे होगी, यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य यदि वास्तव में सुविधा और पारदर्शिता बढ़ाना है, तो इन बारीकियों को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करना अनिवार्य होगा। तभी यह योजना अपने उद्देश्य में सफल और विवादमुक्त सिद्ध हो सकेगी।

ऋषि सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

केंद्र सरकार ने बीते दिनों 3,000 रुपये के सालाना फास्टैग पास की घोषणा की, जिससे वाहन मालिकों को राहत मिलने की उम्मीद है

क्या चाहता है आईबीसी

'मुश्किल दौर से गुजर रही है आईबीसी' ऋणी कंपनियों की ऋणशोधन प्रक्रिया और उनकी अंतिम परिणति तक गंभीर चर्चा करती है। इस संबंध में भूषण पावर ऐंड स्टील लिमिटेड के मामले में उच्चतम न्यायालय के आदेश पर गंभीर चिंता की जताई गई है। प्रायः सभी समाचार पत्रों एवं मीडिया का एक जैसा विमर्श है। भूषण पावर ऐंड स्टील लिमिटेड के मामले में शीर्ष अदालत का फैसला जेएसडब्ल्यू स्टील की समाधान योजना को अवैध करार देता है और परिसमापन का आदेश देता है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि जेएसडब्ल्यू स्टील की 19,700 करोड़ रुपये की समाधान योजना दिवाला और ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के प्रावधानों के विपरीत है। इसके साथ ही, शीर्ष अदालत ने परिसमापन कार्यवाही पर रोक लगा दी है ताकि जेएसडब्ल्यू स्टील समीक्षा याचिका दायर कर सके। इस फैसले से आईबीसी की विश्वसनीयता पर भी असर पड़ा है, क्योंकि यह एक समाधान योजना को पलटने वाला माना जा रहा है। उच्चतम न्यायालय के आदेशों की आलोचना उचित नहीं है क्योंकि वह आदेश स्वयं कानून का रूप ले लेते हैं और उसके आगे सुनवाई नहीं है। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि ऋणदाताओं की समिति और समाधान पेशेवरों ने आईबीसी के प्रावधानों का उल्लंघन क्यों किया और उनकी जिम्मेदारी कौन तय करेगा और इस उल्लंघन के लिए क्या दंड है।

विनोद जौहरी, दिल्ली

पाठक अपनी राय हमें इस पते पर भेज सकते हैं : संपादक, बिज़नेस स्टैंडर्ड, 4, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली 110002. आप हमें ईमेल भी कर सकते हैं : lettershindi@bsmail.in
पत्र/ईमेल में अपना डाक पता और टेलीफोन नंबर अवश्य लिखें।

देश-दुनिया

फोटो - पीटीआई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को 67 वर्ष की हो गईं। शुक्रवार को उन्होंने उत्तराखंड में दृष्टिबाधित व्यक्तियों के एक संस्थान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकारी नीतियां दिव्यांग लोगों को सशक्त बनाने और उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करने के लिए बनाई गई हैं।

छोटे अपराध पर दोषी को साफ करने होंगे सड़क-पार्क

फैसला

■ गौरव त्यागी

नई दिल्ली। राजधानी में पहली बार छोटे अपराधों में दोषी पाए जाने पर अस्पताल के वार्डों, सड़कों और पार्कों में सफाई की सजा मिल सकती है। दिल्ली सरकार के गृह विभाग ने 'कम्युनिटी सर्विस' यानी समाज सेवा से जुड़ी 12 प्रकार की सेवाओं को पहली बार अधिसूचित किया है।

हालांकि, यह सजा क्या होगी इसे तय करने का अधिकार पूरी तरह से कोर्ट के पास होगा। गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक, जो 12 कम्युनिटी सर्विस को सजा के तौर पर रखा गया है वह एक दिन से लेकर 31 दिन तक या 40 से 240 घंटे तक हो सकती है।

सरकार के मुताबिक, दिल्ली उच्च न्यायालय के दिशा निर्देश पर सजा तय की गई हैं, लेकिन ये तय करने का मकसद अदालतों की विवेकाधिकार को सीमित करना नहीं है। ये सेवाएं भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएएनएस) की धारा 4(एफ) के तहत दी जा सकती हैं। यह सजा विकल्प के तौर पर होगी, यानि कोर्ट चाहे तो पहले अपराध पर जेल या जुर्माने के बजाए यह सजा दे सकती है। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम न्यायिक सुधार और पुनर्वासात्मक न्याय प्रणाली की दिशा में बड़ा कदम है, जिससे न केवल अपराधियों का पुनर्वास हो सकेगा, बल्कि समाज को भी लाभ मिलेगा।

इसमें हो सकती समाज सेवा की सजा

गृह विभाग के अधिकारियों के अनुसार, भारतीय न्याय संहिता, 2023 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के तहत जुलाई 2024 से कम्युनिटी सर्विस को दंड के रूप में शामिल किया गया है। आत्महत्या का प्रयास (धारा 226), सरकारी कर्मचारी द्वारा अवैध व्यापार (धारा 202), पेशी से गैर-हाजिरी (धारा 209), पांच हजार रुपये से कम की चोरी (धारा 303(2)), सार्वजनिक स्थान पर शराब पीकर उपद्रव करना (धारा 355), मानहानि (धारा 356(2) समेत अन्य अपराध शामिल है।

ये है समाज सेवा वाली 12 सजाएं

1. अस्पतालों के वार्डों और आसपास की सफाई
2. सड़कों के किनारे घास काटना
3. सार्वजनिक पार्कों की सफाई
4. पुस्तकालयों में किताबें व्यवस्थित करना और बाइंडिंग करना
5. सरकारी स्कूलों में रंगाई-पुताई आदि में सहयोग
6. वृद्धाश्रमों, अनाथालयों में सेवा
7. सड़क किनारे पौधरोपण
8. सामुदायिक रसोई में सहयोग
9. ट्रैफिक नियमों के पालन में पुलिस सहायता
10. जल वितरण केंद्रों पर सहयोग
11. सरकारी भवनों की सफाई
12. सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सहायता

निगम ने अवैध पार्किंग को हटाया

नई दिल्ली, व.सं.। दिल्ली नगर निगम के शाहदरा उत्तरी जोन में शुक्रवार को अवैध पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई हुई। जोन के सोनिया विहार वार्ड में अवैध पार्किंग को हटाया गया और चार वाहनों को जब्त किया।

इस दौरान 68 गाड़ियों के चालान काटे गए। इस कार्रवाई में शाहदरा उत्तरी जोन के सामान्य ब्रांच, रखरखाव विभाग ने दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि जोन में अवैध पार्किंग और अतिक्रमण की कई शिकायतें प्राप्त हुईं। जिसके बाद कार्रवाई की गई।

कैदियों की चित्रकला की प्रदर्शनी लगेगी

नई दिल्ली, व.सं.। पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने गुरुवार को तिहाड़ जेल का दौरा किया। उन्होंने तिहाड़ प्रशासन के साथ मिलकर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति में कार्यक्रम करने की इच्छा जताई है।

गोयल ने इस दौरान जेल के महानिदेशक (कारागार) सतीश गोलचा से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि समिति कैदियों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स की प्रदर्शनी लगाएगी। साथ ही, कैदियों द्वारा बनाए गए हैंडीबैग्स, लकड़ी का सामान, बैग सहित कई उत्पादों के लिए गांधी दर्शन में एक दुकान आवंटित करेगी। यहां इन वस्तुओं की बिक्री भी होगी।

डेंगू और मलेरिया के प्रति जागरूक किया

नई दिल्ली, व.सं.। दिल्ली नगर निगम के मुखर्जी नगर वार्ड में शुक्रवार को मच्छर जनित बीमारियां जैसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया की रोकथाम के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान की शुरुआत हुई।

इस अभियान को निगम के सिविल लाइंस जोन के जीटीबी नगर में शुरू किया गया। इस अवसर पर महापौर राजा इकबाल सिंह, निगम अधिकारी और स्थानीय निवासी शामिल हुए। महापौर ने आरडब्ल्यूए सदस्यों और स्थानीय लोगों से अपील की कि वे मच्छर नियंत्रण के लिए सक्रिय रूप से सहयोग करें।

शहर 30s

जलभराव पर बहाना नहीं चलेगा: आप

नई दिल्ली। दिल्ली में जलभराव को लेकर आप ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने जल निकासी व्यवस्था के ध्वस्त का आरोप लगाते हुए कहा कि आज दिल्ली का हर नाला भाजपा शासित एजेंसियों के अधीन है। ऐसे में उनका कोई बहाना नहीं चलेगा।

मद्रासी कैंप के सैकड़ों परिवारों को राशन बांटा

नई दिल्ली। जंगपुरा स्थित मद्रासी कैंप में एक जून को अदालत के आदेश पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी, जिसमें करीब 370 झुग्गियां ध्वस्त की गईं। कार्रवाई के बाद करीब 350 परिवार बेघर हो गए थे। तमिलनाडु सरकार ने इनमें से 250 से अधिक पीड़ित परिवारों को चाणक्यपुरी स्थित तमिलनाडु हाउस में राशन और आर्थिक मदद दी है। पीड़ितों को बसों से तमिलनाडु हाउस लाया गया।

'अस्पतालों पर सरकार का दावा फेल'

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार के 100 दिनों के सफल होने का दावा फेल साबित हुआ है। इसी के चलते सरकारी अस्पतालों की बदहाली पर उप राज्यपाल द्वारा चिंता जताई जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पिछले 10 वर्षों से बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था पर लगातार आवाज उठा रही है।

मद्रासी कैंप के सैकड़ों परिवारों को राशन बांटा

नई दिल्ली। जंगपुरा स्थित मद्रासी कैंप में एक जून को अदालत के आदेश पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी, जिसमें करीब 370 झुग्गियां ध्वस्त की गईं। कार्रवाई के बाद करीब 350 परिवार बेघर हो गए थे। तमिलनाडु सरकार ने इनमें से 250 से अधिक पीड़ित परिवारों को चाणक्यपुरी स्थित तमिलनाडु हाउस में राशन और आर्थिक मदद दी है। पीड़ितों को बसों से तमिलनाडु हाउस लाया गया।

विधानसभा को विरासत केंद्र में बदलने का समर्थन

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा को विरासत केंद्र के रूप में रूपांतरित किए जाने के प्रयासों को केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का समर्थन मिला है। विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता को संबोधित पत्र में शेखावत ने लिखा है कि हम आपके साथ मिलकर इसे संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आईपीयू के एमबीए में दस तक आवेदन का मौका

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी के लेटरल एंट्री टू एमबीए (फायर एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी) में दस जुलाई तक आवेदन किया जा सकता है। विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक इस प्रोग्राम में आवेदन के लिए आवेदक के पास फायर एंड सेफ्टी में एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा होना चाहिए। प्रोग्राम में दाखिले आवेदक के पीजी डिप्लोमा के प्राप्तांक के आधार पर होंगे।

फीस वृद्धि के विरोध में अभिभावक प्रदर्शन करेंगे

नई दिल्ली। राजधानी के निजी स्कूलों में फीस वृद्धि और छात्रों के साथ भेदभाव का मामला थम नहीं रहा है। अब अभिभावक अपना विरोध जताने के लिए सड़कों पर आने को मजबूर हो गए हैं। अभिभावकों ने शनिवार को सीएम कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। यूनाइटेड पेरेंट्स वॉइज के बैनर के तले यह प्रदर्शन किया जाएगा।

कनॉट प्लेस में 25 को इमरजेंसी पर प्रदर्शनी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने इस बार 1975 के आपातकाल को लोकतंत्र के काले अध्याय के रूप में प्रचारित करने का फ़ैसला किया है। कला, संस्कृति, भाषा एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने 25 जून को कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में आपातकाल की पृष्ठभूमि पर विशेष प्रदर्शनी आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। प्रदर्शनी सुबह 10 बजे शुरू होगी।

दिल्ली के पांच सौ पेट्रोल पंपों पर लगाए नंबर प्लेट पढ़ने वाले कैमरे, कार्रवाई के लिए टीम तैनात की जाएंगी

पुराने वाहनों पर जुलाई से सख्ती

प्रदूषण से जंग

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। अपना समय पूरा कर चुके वाहनों पर एक जुलाई से शिकंजा कड़ा हो जाएगा। पुराने वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा और इनके खिलाफ जुर्माना और कबाड़ में भेजने की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए दिल्ली के पांच सौ से ज्यादा पेट्रोल पंपों पर नंबर प्लेट पढ़ने में सक्षम कैमरे लगाए गए हैं।

वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में होने वाले प्रदूषण की बड़ी वजह माना जाता है। इसी के चलते वाहनों के प्रदूषण की रोकथाम के लिए अलग-अलग प्रयास किए जाते रहे हैं। इस क्रम में अपना समय पूरा कर चुके वाहन यानी दस साल से ज्यादा पुराने डीजल वाहन और पंद्रह साल से ज्यादा पुराने पेट्रोल वाहनों पर शिकंजे की तैयारी है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग में सदस्य (तकनीक) वीरेन्द्र शर्मा ने बताया कि दिल्ली में एक जुलाई से पुराने वाहनों को ईंधन नहीं दिया जाएगा। इसके लिए दिल्ली के 520 में से 500 पेट्रोल पंपों पर एएनपीआर (ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्नीशन) कैमरे लगाए जा चुके हैं और बाकी में लगाए जा रहे हैं। वाहनों के केन्द्रीय डाटा से जुड़े इन कैमरों के जरिए ऐसे वाहनों की तत्काल पहचान होगी जो अपना समय पूरा कर चुके हैं। ऐसे वाहनों को पेट्रोल पंपों से ईंधन देने से मना कर दिया जाएगा। जबकि, इसकी जानकारी परिवहन और यातायात विभाग की टीम को दी जाएगी। दिल्ली भर में इन दोनों विभागों की सौ टीमों की तैनाती इसके लिए की जाएगी।

ऐसे काम करेगा सिस्टम: पेट्रोल पंप पर जाने वाले हर वाहन की नंबर प्लेट एएनपीआर कैमरे पढ़ लेंगे। इसका मिलान वे वाहनों के केन्द्रीय डाटा से करेंगे। जिससे उन्हें पता चल जाएगा कि उक्त वाहन कहीं अपना समय पूरा तो नहीं कर चुका है। ऐसा होने की स्थिति में वे पेट्रोल पंप पर लगे स्पीकर से इसका उद्घोष कर देंगे। जिसके बाद पेट्रोल पंप के कर्मचारी वाहन को ईंधन देने से मना कर देंगे। जबकि, इसकी जानकारी परिवहन व यातायात विभाग की टीम को भी चली जाएगी। ताकि, उक्त वाहन पर आगे की कार्रवाई की जा सके। ध्यान रहे कि यह पाबंदी किसी भी राज्य में पंजीकृत पुराने वाहनों पर लागू रहेगी।

दिल्ली-एनसीआर में इतने पुराने वाहन

2025 (मार्च तक)

राज्य	वाहन
दिल्ली	61,14,728
हरियाणा	2750152
उत्तर प्रदेश	1269598
राजस्थान	620962

पुराने वाहनों पर अभी तक कहां कितनी कार्रवाई

समय	दिल्ली	हरियाणा	उत्तर प्रदेश	राजस्थान
2024	39273	4021	1934	1107
2023	22397	220	3058	389

1 अप्रैल 2026 तक पूरे एनसीआर में लागू

पुराने वाहनों पर लागू होने वाली यह पाबंदी पूरे एनसीआर क्षेत्र के लिए है। हालांकि, इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। दिल्ली के बाद सबसे ज्यादा वाहन घनत्व वाले पांच जिले गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और सोनीपत में इसे लागू किया जाएगा। इन पांच जिलों में एक नवंबर 2025 के बाद पुराने वाहनों को ईंधन देना बंद कर दिया जाएगा। जबकि, एनसीआर के बाकी हिस्सों में यह पाबंदी एक अप्रैल 2026 से लागू होगी।

01 जुलाई से पुराने वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा, कबाड़ में भेजा जाएगा

साढ़े चार गुना ज्यादा होता है प्रदूषण

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के मुताबिक पुराने वाहनों में ज्यादातर बीएस छह मानकों से नीचे के इंजन वाले हैं। इन पुराने इंजनों में उत्सर्जन अधिक होता है। बीएस छह वाहन की तुलना में बीएस चार वाहनों में साढ़े चार गुना ज्यादा उत्सर्जन होता है। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में पुराने वाहनों की भारी संख्या को देखते हुए यह उत्सर्जन काफी ज्यादा है।

दोपहिया वाहनों की संख्या भी कम नहीं

पुराने वाहनों में कार्रवाई को लेकर आमतौर पर चार पहिया वाहनों पर ही ध्यान केन्द्रित रहता है। लेकिन, आयोग के मुताबिक दोपहिया वाहनों की संख्या भी कम नहीं है। दिल्ली में लगभग 62 लाख वाहन हैं जो अपनी समयावधि पूरी कर चुके हैं। इनमें से 41 लाख के लगभग वाहन दोपहिया वाहन हैं।

दिल्ली में प्रवेश रोकने की भी योजना

आयोग ने बताया कि ऐसे ही एएनपीआर कैमरे दिल्ली के सभी 126 प्रवेश बिंदुओं पर भी लगाने की योजना है। इसके जरिए पुराने वाहनों की पहचान दिल्ली की सीमा पर ही कर ली जाएगी और उन्हें बाहर से ही लौटाया जा सकेगा।

दिल्ली जैसे शहर में रहना बहुत महंगा : हाई कोर्ट

■ हेमलता कौशिक

■ कोर्ट ने हादसे में व्यक्ति की मौत के बाद पीड़ित परिवार का मुआवजा बढ़ाने के आदेश दिए

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राजधानी के महंगे खर्चों का हवाला देते हुए एक परिवार का मुआवजा बढ़ाने के आदेश दिए हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि दिल्ली बहुत महंगा शहर है। यहां पीड़ित परिवार (जिसमें तीन सदस्य हैं) महज तीन लाख रुपये का मुआवजा देना पर्याप्त नहीं है। इसलिए परिवार को दस लाख रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ ने सड़क दुर्घटना के शिकार एक सिक्योरिटी गार्ड की पत्नी व दो बेटियों को दिल्ली सरकार द्वारा संचालित दिल्ली पीड़ित मुआवजा योजना के तहत मुअवजा देने के निर्देश दिए हैं। पीठ ने कहा कि दिल्ली सरकार की तरफ से इस परिवार को वर्ष 2021 में परिवार के मुखिया की मौत के एवज में तीन लाख रुपये मुआवजा दिया गया था। पीठ ने कहा कि यह रकम इतनी कम है कि तीन लोगों की जरूरतों की पूर्ति तो दूर इससे उनकी आंशिक मदद भी नहीं हो पाई। मजबूरन इस परिवार को उच्च न्यायालय का रुख करना पड़ा। हालांकि पीठ ने इस पर दुख जताया कि मुआवजा बढ़ाने का निर्णय सात साल बाद लिया गया। परन्तु साथ ही पीठ ने यह भी कहा कि परिवार ने देरी से मुआवजा बढ़ाने के लिए दावा डाला।

अज्ञात वाहन ने मारी थी टक्कर : एक निजी कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड का काम करने वाले हरी चंद को वजीराबाद के पास 15 अगस्त 2018 को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। इस हादसे में हरी चंद गंभीर रूप से जख्मी हुआ था। 26 अक्तूबर 2018 को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी। यह मामला तीस हजारी स्थित वाहन दुर्घटना मुआवजा दावा पंचाट के समक्ष आया। तीस हजारी अदालत ने 27 फरवरी 2019 को परिवार के हालात को देखते हुए दिल्ली पीड़ित मुआवजा योजना के तहत मुआवजा देने की सिफारिश की थी।

करंट लगने से कर्मचारी की मौत

नई दिल्ली, प्र.सं.। मजनूं का टीला स्थित जल शोधक संयंत्र में शुक्रवार दोपहर को काम करने के दौरान कर्मचारी की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान 25 वर्षीय संजू के तौर पर हुई है।

सिविल लाइंस पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। संजू परिवार सहित नोएडा के पास धौलपुर गांव में रहता था। फिलहाल चंद्रावल जल शोधक संयंत्र में शुक्रवार को काम कर रहा था। इसी दौरान पानी में करंट आने से वह इसकी चपेट में आ गया। उसे संत परमानंद अस्पताल ले गए जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

बादल-बूंदाबांदी से आठ डिग्री तक गिरा पारा

मौसम का मिजाज

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। बादल और हल्की बूंदाबांदी दिल्ली के लोगों को गर्मी से खासी राहत दी है। शुक्रवार को दिल्ली अधिकतम तापमान सामान्य से आठ डिग्री सेल्सियस तक कम रिकार्ड किया गया।

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले तीन दिनों के बीच हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। इसके लिए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। दिल्ली के कई हिस्सों में शुक्रवार को बूंदाबांदी से लेकर हल्की बारिश तक दर्ज हुई। दिल्ली के रिज क्षेत्र में 6.2 मिमी बारिश रिकार्ड की गई है। जबकि, पूसा क्षेत्र में 0.5 मिमी बारिश हुई। भले ही पूरी दिल्ली को भिगोने वाली बारिश शुक्रवार को नहीं हुई लेकिन दिल्ली के आसपास के क्षेत्रों में हो रही बारिश, हवा में मौजूद नमी आदि के चलते अधिकतम तापमान में खासी गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस कम है। जबकि, न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस रहा। जो कि सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस कम है। यहां पर आर्द्रता का स्तर 87 से 65 फीसदी तक रहा।

दिन भर छाए बादल और बूंदाबांदी के चलते रिज इलाके में सबसे ज्यादा तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। यहां का अधिकतम तापमान सामान्य से 8.1 डिग्री सेल्सियस कम रहा। जबकि, आयानगर का अधिकतम तापमान सामान्य से 7.8 डिग्री सेल्सियस और पालम का अधिकतम तापमान सामान्य से 5.9 डिग्री सेल्सियस कम रहा।

लगातार तीसरे दिन 100 से नीचे रहा एक्यूआई: मौसम में हुए बदलाव का साफ असर वायु गुणवत्ता पर भी दिख रहा है। बुधवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 81 अंक और गुरुवार को 89 के अंक पर रहा था। जबकि, शुक्रवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 75 के अंक पर रहा।

श्रीनगर से भी कम दिल्ली का तापमान

दिल्ली व आसपास के क्षेत्र में हो रही बारिश और बादल छाए रहने के चलते तापमान में खासी गिरावट आई है। यहां तक कि श्रीनगर का अधिकतम तापमान भी दिल्ली से ज्यादा है। मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार को श्रीनगर का अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस रहा। जो कि सामान्य से 6.8 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। वहीं, दिल्ली का अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

सड़कों पर मिस्ट स्प्रे सिस्टम लगेंगे: मंत्री

नई दिल्ली, प्र.सं.। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली की 25 से अधिक प्रमुख सड़कों पर मिस्ट स्प्रे सिस्टम लगाए जाएंगे। यह कदम प्रदूषण नियंत्रण के लिए तकनीक और डेटा आधारित समाधान को अपनाने की दिशा में उठाया गया है।

सिरसा ने लोधी रोड पर लगे मिस्ट स्प्रे सिस्टम का निरीक्षण किया, जहां 560 मीटर के क्षेत्र में 15 खंभों पर हाई प्रेशर मिस्टिंग यूनिट्स लगाई गई हैं। इसी तरह अफ्रीका एवेन्यू में 850 मीटर और शांति पथ में 900 मीटर भी कार्य जारी है। द्वारका सहित अन्य इलाकों में भी इस तकनीक को विस्तार दिया जा रहा है।

इजरायल-ईरान से लाए जाएं गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूप

नई दिल्ली, प्र.सं.। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) ने इजरायल और ईरान में चल रहे युद्ध के बीच श्री गुरु ग्रंथ साहिब के पवित्र स्वरूपों को तत्काल भारत लाने की मांग की है। इसके साथ ही यह भी मांग की है कि दोनों देशों में फंसे तमाम भारतीय नागरिकों को भी स्वदेश सुरक्षित लाया जाए।

कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को पत्र लिखकर यह मांग उठाई है। पत्र में कहा गया कि दोनों देशों में सिख संगतों के पास मौजूद श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के स्वरूपों को पूरी मर्यादा के साथ नई दिल्ली लाना बेहद जरूरी है। कमेटी ने सरकार को इस पावन काम में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है। साथ ही, इजरायल और ईरान में पढ़ाई, यात्रा या अन्य कारणों से गए सिखों और भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी की मांग की गई है।

यहां देखने को मिलते हैं 500 से ज्यादा वाद्ययंत्र

विश्व संगीत दिवस

■ अभिनव उपाध्याय

नई दिल्ली। 21 जून को दुनिया में विश्व संगीत दिवस मनाया जाता है। अगर आप भारतीय संगीत की समृद्ध विरासत को करीब से देखना और समझना चाहते हैं तो संगीत नाटक अकादमी की वाद्य यंत्र दीर्घा जरूर जाएं।

यह देश की उन खास सांस्कृतिक जगहों में से एक है, जहां भारतीय वाद्य यंत्रों को संरक्षित और प्रदर्शित किया गया है। यहां पर करीब 500 पारंपरिक वाद्य यंत्र मौजूद हैं। इनमें से कई अब दुर्लभ हो गए हैं। खास बात यह है कि यहां प्रसिद्ध तबला वादक किशन महाराज का तबला भी रखा गया है। इसके अलावा रुद्र वीणा और मयूरी वीणा भी लोगों का ध्यान खींचती हैं।

इस दीर्घा में वाद्य यंत्रों को चार श्रेणियों में बांटा गया है : तत वाद्य (तार वाले वाद्य जैसे सितार) सुषिर वाद्य (फूंक वाले जैसे बांसुरी) अवनद्ध वाद्य (चमड़े पर आधारित जैसे तबला, ढोलक) घन वाद्य (बजाने वाले जैसे मंजीरा)।

यहां सिर्फ शास्त्रीय वाद्य ही नहीं, बल्कि देश भर के लोक वाद्य यंत्र भी हैं। जैसे — चांग, नागफनी, सुरबहार, सुरनाई, चकरा, मकारा वीणा आदि।

1964 में मशहूर वायलिन वादक यहूदी मेनुहिन ने इस दीर्घा का उद्घाटन किया था। 1968 में यहां पहली बड़ी प्रदर्शनी लगी थी। तब से इन वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी दुनिया के कई देशों में हो चुकी है। संगीत नाटक अकादमी के सचिव राजू दास बताते हैं कि यह दीर्घा सिर्फ प्रदर्शन के लिए नहीं है, बल्कि इसका मकसद भारतीय वाद्य परंपरा को जीवित रखना और नई पीढ़ी को इससे जोड़ना है।

रविंद्र भवन स्थित संगीत नाटक अकादमी की संगीत वाद्ययंत्र दीर्घा में कई प्राचीन और दुर्लभ वाद्य यंत्र देख सकते हैं। ● सोनू मेहता

सुविधा | दिल्ली विकास प्राधिकरण बना रहा योजना, जल्द शुरू हो सकती है सेवा, राजधानी में फिलहाल दो स्थानों से संचालित करने की तैयारी

हॉट एयर बैलून से देख सकेंगे दिल्ली के दिलकश नजारे

नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। दिल्ली के शानदार और दिलकश नजारे आसमान से देखने के लिए तैयार हो जाएं। दिल्लीवालों को जल्द ही राजधानी में हॉट एयर बैलून राइड की सेवा मिलेगी।

दिल्ली विकास प्राधिकरण की तरफ से यह सेवा जल्द ही दो खेल परिसरों में शुरू होगी। इसके लिए डीडीए प्रशासन ने योजना बनाई है। निजी कंपनियों के साथ मिलकर राजस्व को साथ में साझा करते हुए यह सेवा शुरू की जाएगी। इसके लिए निजी कंपनियों को राइड सेवा प्रदान करने के लिए आवेदन मांगे गए हैं। अभी तक हॉट एयर बैलून राइड का लुत्फ उठाने के लिए दिल्ली के निवासियों को विदेशों या देश के अन्य हिस्सों में जाना पड़ता था। यह सेवा राजस्थान के जयपुर, महाराष्ट्र के लोनावला, गोवा, उत्तर प्रदेश के आगरा, कर्नाटक के हम्पी जैसे शहरों में उपलब्ध हैं। अब दिल्लीवालों को यह सेवा अपने शहर में ही मिलेगी।

इस तरह की नई पहल से दिल्ली के पर्यटन को भी एक नए रूप में विकसित करने में भी विभागों को सहयोग मिलेगा।

यहां मिलेगी सुविधा : डीडीए के अधिकारियों ने बताया कि हॉट एयर बैलून से हवाई सफर कराने की योजना के तहत अक्षरधाम के पास कॉमनवेल्थ गेम्स परिसर और सूरजमल विहार में यमुना खेल परिसर में यह राइड शुरू करेंगे। इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं। इसके लिए निजी कंपनियों को आमंत्रित करते हुए टेंडर जारी किया गया है।

कंपनी की ओर से तय की जाएगी हवाई सवारी की कीमत : इसका संचालन करने वाली कंपनी को तीन साल की अवधि के लिए लाइसेंस प्रदान किया जाएगा। इसे नौ वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। कंपनी को बैलून पर विज्ञापन लगाने की भी अनुमति दी जाएगी। हॉट एयर बैलून की हवाई सवारी की कीमत कंपनी की ओर से तय की जाएगी।

सुरक्षा उपायों का रखा जाएगा विशेष ध्यान

अधिकारियों ने बताया कि हॉट एयर बैलून आम तौर पर 500 फीट से तीन हजार फीट तक की ऊंचाई तक उड़ान भरता है। इसमें सुरक्षा के सभी तरह के उपायों को ध्यान में रखते हुए राइड शुरू करेंगे। उम्मीद की जा रही है कि लोगों को किफायती आधार पर प्रति व्यक्ति हॉट एयर बैलून की राइड की सेवा उपलब्ध हो। अभी जयपुर में हॉट एयर बैलून राइड के लिए प्रति व्यक्ति 12 हजार रुपये से 15 हजार रुपये का टिकट मिलता है। हम्पी शहर में 13 हजार रुपये से 25 हजार रुपये प्रति व्यक्ति टिकट मिलता है।

हिन्दुस्तान
1936 सत्य ★ सार्थक ★ सदैव

क्रिकेट का नया दौर

इंग्लैंड के हेडिंग्ले में भारतीय क्रिकेट टीम अपने नए कप्तान शुभमान गिल के नेतृत्व में टेस्ट खेलने उतरी और उसके साथ ही, भारतीय क्रिकेट के नए दौर का आगाज हो गया। करीब डेढ़ दशक से भारतीय टेस्ट क्रिकेट का चेहरा रहे विराट कोहली, रोहित शर्मा, रविचंद्रन अश्विन और मोहम्मद शमी के बिना उतरी टीम अधूरी सी लग रही है। टीम में जो बड़ा सूनापन पैदा हुआ है, उसे भरने की जिम्मेदारी नई टीम इंडिया पर है। अगर हम पिछली टेस्ट टीम को देखें, तो उसके कुछ ही सदस्य इस नई टीम का हिस्सा हैं। वरिष्ठों में जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा, के एल राहुल और ऋषभ पंत पर सर्वाधिक दारोमदार होगा। कोई शक नहीं कि विराट कोहली की कमी मैदान पर खल रही है। जब विराट मैदान पर होते थे, तो अपनी चपलता से एक अलग ही रौनक बनाए रखते थे। खैर, हरेक खिलाड़ी का अपना वक्त होता है। कुछ भारतीय दिग्गजों का वक्त खत्म हुआ है, तो कुछ का शुरू हो रहा है, ऐसी ही उम्मीद भारतीय क्रिकेट के प्रेमी लगाए हुए हैं। विगत तीन दशक में भारतीय क्रिकेट का चेहरा बार-बार बदला है और नई प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। बड़े दिग्गज जाएंगे, तो युवाओं को मौका मिलेगा।

अक्सर देखा गया है कि ऑस्ट्रेलिया में खराब खेलकर खिलाड़ी विदा होते हैं और इंग्लैंड में अच्छा खेलकर उनके करियर का आगाज होता है। शायद फिर ऐसा ही होने वाला है। शुभमान गिल प्रतिभा के धनी कप्तान हैं। कप्तान के लिए जरूरी तमाम योग्यताओं से लैस गिल के पास मौका है कि वह आगे बढ़कर नेतृत्व करें और इंग्लैंड में भारतीय क्रिकेट की एक नई कहानी लिखें।

शुभमान गिल प्रतिभा के धनी कप्तान हैं। तमाम योग्यताओं से लैस गिल के पास पूरा मौका है कि वह आगे बढ़कर नेतृत्व करें और इंग्लैंड में भारतीय क्रिकेट की नई कहानी लिखें।

भारतीय टीम को अभी पांच टेस्ट मैच खेलने हैं और वहां आम तौर पर हमारी टीम का इतिहास मुश्किल भरा रहा है। हेडिंग्ले, लीड्स में तो भारत टेस्ट जीत चुका है, लेकिन बर्मिंघम और मैनचेस्टर में भारत के लिए टेस्ट जीत दुर्लभ रही है। यह भी ध्यान रखने की बात है कि भारत केवल तीन बार ही इंग्लैंड में टेस्ट शृंखला जीत सका है। पिछली बार साल 2007 में भारत को वहां टेस्ट शृंखला में जीत मिली थी, तब राहुल द्रविड़ कप्तान थे। इंग्लैंड में तीन टेस्ट मैचों में जीत दिलाने वाले सफलतम कप्तान विराट कोहली भी वहां शृंखला विजय में नाकाम रहे। अतः शुभमान गिल के पास स्वर्णिम इतिहास लिखने का पूरा मौका है। संभलकर खेलते हुए युवाओं की टीम को जल्दी ही लय में आना होगा। ध्यान रहे, अब युवाओं को पहले की तरह ज्यादा मौके नहीं मिलेंगे। आज देश में क्रिकेट प्रतिभाओं की भरमार है और बोर्ड टीम का एक मजबूत संयोजन प्राप्त करने तक बदलाव से नहीं चूकेगा।

महज 25 वर्षीय शुभमान गिल पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने जो भरोसा जताया है, उस पर किसी भी दिग्गज क्रिकेट विशेषज्ञ ने प्रश्न नहीं किया है। शुभमान ने पांच साल पहले जब टेस्ट क्रिकेट में आगाज किया था, तभी से उनमें कप्तान की संभावना देखी जा रही थी। आज उनके सामने अच्छे खेल व सफल कप्तान होने की नई-पुरानी मिसालें बहुत हैं। इसी महीने दक्षिण अफ्रीका की टीम विश्व टेस्ट चैंपियन हुई है, जिसमें उनके कप्तान तेंबा बावुमा के योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया जा रहा है। प्रतिभा में शुभमान गिल से कमतर होने के बावजूद बावुमा ने मात्र तीन वर्ष की टेस्ट कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को विश्व चैंपियन बना दिया। ठीक ऐसी ही उम्मीद क्रिकेट प्रेमियों को शुभमान से होगी। उन्हें भारतीय क्रिकेट के लिए शुभ साबित होते हुए अपने नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट के नए दौर को अनछुई ऊंचाइयों तक ले जाना होगा।

जाति-जनगणना के बाद बहुत काम

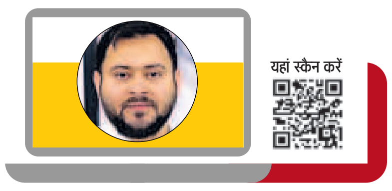

तेजस्वी यादव | नेता प्रतिपक्ष, बिहार विधानसभा

यह जनगणना जातिगत असमानता के ठोस आंकड़े पेश करेगी, जिससे सार्वजनिक नीति में जातियों की प्रासंगिकता मजबूत होगी, फिर हमें आरक्षण का दायरा बढ़ाना होगा।

यह बात पाठकों को पता ही है कि मैंने हाल ही में जाति-जनगणना के ईद-गिर्द हो रही बातचीत के संदर्भ में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पत्र के माध्यम से संपर्क किया था। संविधान की नौवीं अनुसूची में बढ़े हुए राज्य आरक्षण कोटा को शामिल करने की मेरी मांग पर मुख्यमंत्री की चुप्पी ने एक बार फिर सामाजिक न्याय के मुद्दों पर एनडीए की तथाकथित डबल इंजन सरकार के पाखंड को उजागर कर दिया है।

उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं है। यह स्पष्ट रूप से गरीबों, शोषितों, और हाशिये पर पड़े लोगों के प्रति उनकी गहरी वैचारिक विपन्नता को दर्शाता है। दरअसल, राष्ट्रव्यापी जाति-जनगणना के संदर्भ में एनडीए की अनिच्छा राजनीतिक, वैचारिक और चुनावी गणनाओं के संयोजन में अंतर्निहित रही। भाजपा को यह मुद्दा असहज करता था, क्योंकि उनकी राजनीति एकांगी धार्मिक पहचान बनाकर ध्रुवीकरण की रही है। उसे डर था और है भी कि व्यापक जाति-जनगणना जाति आधारित असमानताओं पर ठोस आंकड़े पेश करेगी, जिससे सार्वजनिक नीति में जाति की प्रासंगिकता मजबूत होगी, जो भाजपा के काल्पनिक विकास के पसंदीदा आख्यान के विपरीत है।

भाजपा का शीर्ष नेतृत्व और महत्वपूर्ण वोट आधार, विशेष रूप से हिंदी पट्टी में दबदबे वाली जातियों के ईद-गिर्द ही रहा है। जाति-जनगणना ओबीसी, एससी और एसटी के प्रतिनिधित्व व सत्ता तक उनकी पहुंच से दूरी को उजागर कर देगी। भाजपा को डर है कि जाति-जनगणना से जनसंख्या अनुपात के आधार पर आरक्षण बढ़ाने की मांग बढ़ सकती है। यह डर सामाजिक न्याय के लिए हमारी वैध मांगों के प्रति उनके प्रतिरोध को प्रेरित करता है। विस्तृत जाति डाटा ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित और हाशिये पर पड़े समूहों को आरक्षण पुनर्गठन और लक्षित कल्याणकारी योजनाओं के लिए एक शक्तिशाली चुनावी और नीतिगत हथियार प्रदान करेगा। हमारे जैसे विपक्षी दल जाति-जनगणना के लिए जोर दे रहे हैं, क्योंकि यह संविधान में की गई प्रतिबद्धताओं को मजबूत करता है। जाति-जनगणना आरक्षण को इस तरह से पुनर्गठित करने के लिए अनुभव-जन्य आधार प्रदान करती है, जो जमीनी स्तर पर वास्तविक सामाजिक-आर्थिक हकीकत को दर्शाती है। इससे समानता व सामाजिक न्याय का सांविधानिक वादा पूरा होता है।

यही कारण है कि मैं बिहार में आरक्षण को बढ़ाकर 85 प्रतिशत करने के लिए नए कानून के जरिये ठोस कार्रवाई की मांग कर रहा हूं। हमें नौवीं अनुसूची के माध्यम से केंद्र के समर्थन की आवश्यकता है, क्योंकि सांविधानिक संरक्षण के बिना, इन प्रगतिशील उपायों को चुनौती दी जा सकती है और इनको कमजोर किया जा सकता है। न्यायपालिका द्वारा लगाई गई 50 प्रतिशत की अवैज्ञानिक सीमा को चुनौती देने की जरूरत है, जो न तो लोगों की इच्छा का प्रतिनिधित्व करती है और न ही हमारी सामाजिक संरचना का।

कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि जाति-जनगणना के आंकड़े भारत के अत्यधिक विषम विकास के मानचित्र को सुधारने के लिए आवश्यक हैं, जिसमें कुछ समूहों को लगातार बड़ा हिस्सा प्राप्त हो रहा है। आरक्षण नीति को समकालीन जनसांख्यिकीय व सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं के हिसाब से न्यायोचित बनाने की आवश्यकता है। जाति-जनगणना अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के भीतर विभिन्न उप-समूहों के वास्तविक प्रतिनिधित्व और अभाव के स्तर पर अनुभवजन्य स्पष्टता प्रदान करेगी। इस जनगणना के निष्कर्षों के आधार पर आरक्षण का बढ़ा हुआ कोटा शिक्षा, रोजगार और शासन में हाशिये पर पड़े समुदायों के ऐतिहासिक रूप से कम प्रतिनिधित्व को संबोधित करने के लिए एक महत्वपूर्ण सुधारात्मक उपाय के रूप में काम करेगा। साथ ही, निजी क्षेत्र को उनकी रोजगार नीति में विविधता को प्रतिबिंबित करने में भी मदद करेगा।

मुझे इस बात से परेशानी है कि केंद्र सरकार लंबे समय से इस मुद्दे पर कोई प्रतिबद्धता नहीं दिखा रही है। मैंने बिहार की राजनीति में इस दोहरेपन को प्रत्यक्ष रूप से देखा है। भाजपा चुनावों के दौरान पिछड़े वर्गों को समर्थन देने की बात करती है, लेकिन जब हमारे 85 प्रतिशत आरक्षण की मांग का समर्थन करने या नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए दबाव बनाने जैसी ठोस कार्रवाई की बात आती है, तो वे चुप्पी साध लेते हैं। न्यायपालिका के गलियारों में छद्म संगठनों द्वारा इसे विफल करने के प्रयास किए गए। यदि भाजपा और एनडीए के उनके सहयोगी, विशेष रूप से बिहार में, लगभग बीस वर्षों तक शासन करने के बाद इतना कुछ नहीं कर सके हैं, तो हाल ही में घोषित आधी-अधूरी राष्ट्रीय जाति-जनगणना के बाद उनसे कोई उम्मीद नहीं की जा सकती। भाजपा की समग्र अनिच्छा न तो प्रशासनिक चुनौतियों से और न ही तार्किक चुनौतियों से उपजी है, बल्कि यह राजनीतिक आशंकाओं की उपज है : जाति-जनगणना उसके उस सामाजिक गठबंधन को उलट सकती है, जिस पर वह निर्भर है। यह गणना सामाजिक न्याय की अधूरी चिंताओं को पुनर्जीवित कर सकती है और भारतीय समाज के वैचारिक ढांचे को चुनौती दे सकती है।

जैसा कि हम सब जानते हैं, एक पूर्ण, पारदर्शी जाति-जनगणना भाजपा के लिए असहज सच्चाई प्रस्तुत कर सकती है, जिसे अब वह घुमा-फिराकर या दबाकर नहीं रख सकती। जाति के आंकड़े विभिन्न जाति समूहों व उप-समूहों की वास्तविक संख्या तो बताएंगे ही, विभिन्न क्षेत्रों में उनके प्रतिनिधित्व को प्रकट करेंगे, जिससे भाजपा के लिए वास्तविक सशक्तीकरण को नकारते हुए अपनी बयानबाजी तक उसे सीमित रखना असंभव हो जाएगा। बिहार में आरक्षण-सीमा में वृद्धि व विशेष विधानसभा सत्र की मेरी मांग दरअसल पारदर्शिता और न्याय की इस बड़ी लड़ाई का हिस्सा है। मेरी अपील है कि हम खोखले वादों से आगे बढ़कर ठोस विधायी कार्रवाई करें, जो सांविधानिक संरक्षण के माध्यम से न्यायिक जांच का भी सामना कर सके।

सभी राजनीतिक दलों के लिए यह चुनने का समय आ गया है कि वे समानता के सांविधानिक वादे के साथ खड़े हैं या उन ताकतों के साथ हैं, जो ऐतिहासिक विशेषाधिकारों को संरक्षित करना चाहते हैं। व्यापक जाति-जनगणना एक सच्चे लोकतंत्र के निर्माण की दिशा में पहला कदम है, जिसकी नीतियां तथ्यों पर आधारित होती हैं, जहां संसाधनों का उचित आवंटन होता है और प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र की प्रगति में उसका उचित स्थान मिलता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

हिन्दुस्तान Hindustan | 75 साल पहले 21 जून, 1950

रूस का भय

पश्चिमी राष्ट्र रूस से जितने भयभीत हैं, उतने और किसी वस्तु से नहीं। उनकी सारी योजनाएं रूसी खतरे को लक्ष्य में रखकर बन रही हैं। अमरीका के कर्णधार यह समझ बैठे हैं कि रूसी खतरे का मुकाबला केवल एक ही प्रकार से किया जा सकता है कि उसे शस्त्रास्त्रों के निर्माण और सैनिक तैयारियों में पछाड़ दिया जाये। अमरीका ने अणु बम का निर्माण किया और अब तक उसका खासा ढेर अपने पास जमा कर लिया होगा। अब यह उदजन बम (हाइड्रोजन बम) बनाने के लिए अपने विशाल साधनों का उपयोग कर रहा है। वाशिंगटन की एक खबर में कहा गया है कि अमरीकी प्रेसिडेंट श्री ट्रुमन अमरीकी कांग्रेस से उदजन बम निर्माण कार्य को गति देने के लिए 30 करोड़ डालर की रकम मंजूर करने का अनुरोध करेंगे। किन्तु दुनिया में ऐसे लोग भी हैं, जो शस्त्र-निर्माण की इस प्रतिस्पर्द्धा को शांति का मार्ग नहीं मानते, बल्कि उनका यह खयाल है कि इससे तो एक और भयंकर युद्ध अनिवार्य हो जायेगा और वह दोनों लड़ाकू पक्षों को तबाह और बर्बाद कर देगा। ऐसे लोगों में जगत-प्रसिद्ध वैज्ञानिक डा. आइन्स्टीन भी शामिल हैं। उन्होंने यह मान्यता प्रकट की है कि शस्त्र-निर्माण की प्रतिस्पर्द्धा खुले संघर्ष अथवा युद्ध को रोकने का निकृष्टतम तरीका है। यदि शस्त्र-निर्माण की यह प्रतिस्पर्द्धा जारी रही तो युद्ध होकर रहेगा।

डा. आइन्स्टीन का मत केवल नकारात्मक नहीं है। उन्होंने शांति कायम रखने का जो उपाय सुझाया है, वह वही है जो महात्मा गांधी ने सुझाया था। महात्मा गांधी का सिद्धांत था कि बुराई के साथ असहयोग करो और डा. आइन्स्टीन कहते हैं कि शांति का मार्ग इसी सिद्धांत में निहित है। महात्मा गांधी के विचार हमारे जमाने के सभी राजनीतिज्ञों से अधिक प्रगतिशील थे और इसलिए डा. आइन्स्टीन चाहते हैं कि हमको गांधीजी की भावना के अनुसार काम करने की कोशिश करनी चाहिए। डा. आइन्स्टीन का प्रस्ताव कि तमाम राष्ट्र अपने अणु बमों, परमाणु बमों, उदजन बमों का सारा संग्रह एक सर्वोपरि विश्व सत्ता के हवाले कर दें। ऐसी विश्व सत्ता अभी अस्तित्व में आनी बाकी है। बड़े राष्ट्र जो करोड़ों रुपया अणु और उदजन बमों के निर्माण के पीछे खर्च रहे हैं, डा. आइन्स्टीन के प्रस्ताव को अव्यावहारिक कहकर विनोद में उड़ा देंगे, किन्तु दुनिया को अन्त में किसी ऐसे ही प्रस्ताव को स्वीकार करना होगा।

तन और मन की लड़ाई में हमें विजयी बनाएगा योग

बी के एस अयंगर | विख्यात योगगुरु

आमतौर पर पचास या साठ की उम्र तक आपको कोई समस्या नहीं आती है। उसके बाद असली समस्या तब होती है, जब शरीर के ऊतक भार सहन नहीं कर पाते। मैं जो अभ्यास अब करता हूं, वह उससे कहीं ज्यादा कठिन है, जो मैं युवा होने पर करता था या सीखने के लिए संघर्ष करता था। हालांकि, आज मैं उन अभ्यासों को बहुत कठिन नहीं मानता। हालांकि, मैं तब प्रतिदिन दस घंटे अभ्यास करता था। आज यह शरीर और मन के बीच एक बड़ी लड़ाई है। शरीर कहता है, मैं यह नहीं कर सकता। मन कहता है, मुझ पर दबाव मत डालो।

मेरा विश्वास करें, एक निश्चित उम्र के बाद आसन और प्राणायाम का अभ्यास बहुत कठिन हो जाता है। हड्डियां भंगुर हो जाती हैं। रक्त वाहिकाएं सख्त हो जाती हैं। ये सभी ज्ञात तथ्य हैं। मैं इनका शिकार नहीं बनना चाहता। अगर मैं शरीर की इच्छा के आगे समर्पण कर दूं, तो मैं योगाभ्यासी नहीं रह जाता। जब मैं अभ्यास करता हूं, तो मैं देखता हूं कि इस क्षय प्रक्रिया को कैसे रोका जाए। यही इच्छाशक्ति का प्रभाव है। फिर आप कहते हैं, अयंगर को किसी चीज की जरूरत नहीं है, क्योंकि उन्होंने पहले अभ्यास किया है, लेकिन यह सोचने का सही तरीका नहीं है। वास्तव में, मैं देखता हूं कि इस उम्र में मुझे कैसे अभ्यास करने की जरूरत है। मुझे संकुचन से बचना है। मैं प्रत्येक आसन में शरीर की पूर्ण ताजगी, दृढ़ता, बुद्धि की सजगता, स्थिरता और आत्मा की मधुर उदारता देखता हूं।

यदि मैं शरीर की इच्छा के आगे समर्पण कर दूं, तो योगाभ्यासी नहीं रह जाता। मैं अभ्यास में देखता हूं कि क्षय प्रक्रिया को कैसे रोका जाए।

अक्सर लोग सोचते हैं कि बुढ़ापे में उन्हें आसन और प्राणायाम के बजाय ध्यान या जप करना चाहिए। मैं बुढ़ापे की आड़ में शरण लेने वाला साधक नहीं हूं। मैं बुढ़ापे के डर से अपने अभ्यास से भाग नहीं सकता। मैं प्रत्येक आसन में ध्यान करता हूं, क्योंकि प्रत्येक आसन में मैं ईश्वर को देखता हूं, जो अनंत है और माप से परे है। उम्र बढ़ने के कारण मैंने अपने अभ्यास में समय बढ़ा दिया है। मन और शरीर आराम करना चाहते हैं। मैं प्रतिदिन अपने शरीर और मन को इच्छा शक्ति के साथ खड़ा होने के लिए प्रेरित करता हूं, ताकि मैं अपने शरीर और मन की कमजोरी के आगे न झुक जाऊं।

दर्शनशास्त्र की अच्छी जानकारी होने के कारण, योग का अभ्यास करते हुए, मैं अब किसी पर निर्भर हुए बिना जीवन जी रहा हूं। मुझे शरीर के दर्शन पर ही टिके रहना है, क्योंकि मैं पहले से ही आध्यात्मिक ज्ञान में डूबा हुआ हूं।

अब और शुरुआती दिनों में एकमात्र अंतर यह है कि शुरुआती दिनों में मैं सभी अन्य युवाओं की तरह था। मुझे एक के बाद एक आसन करने का लालच था। आज मैं काफी लंबे समय तक द्वि-पाद विपरीत दंडासन या कपोत्तासन में रहता हूं। अब मैं प्रत्येक आसन में शरीर की पूर्ण ताजगी और दृढ़ता, बुद्धि की सतर्कता, स्थिरता और आत्मा की मधुर, परोपकारिता देखता हूं।

कभी-कभी मैं दस मिनट पार्श्व शीर्षासन करता हूं, दोनों तरफ से। ये कठिन आसन हैं। जब मांसपेशियां और तंत्रिकाएं कांप रही हों और ढीले जोड़ हिल रहे हों, दिल की धड़कनें तेज हो रही हों, तब आसन करना और उसमें बने रहना आसान बात नहीं है। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं, जो पद्मासन में बैठकर कहे, मैं सहज हूं। अगर आप योग कर रहे हैं, तो उम्र बढ़ने के साथ आपको इसकी कठिनाइयों का एहसास होता है। इसलिए आप सभी को मेरी सलाह है कि जैसे योग व्यक्ति को कर्मों के कष्टों से मुक्त करता है, वैसे ही बुढ़ापे में कष्ट बंधनों में बंध जाते हैं। इसलिए जो आपने सीखा है, उसे बनाए रखें और उसे बनाए रखने के लिए कुछ करें।

योग के लिए केवल इच्छाशक्ति की ही जरूरत नहीं है, बल्कि साहस और विश्वास की भी जरूरत है। इच्छाशक्ति और साहस के साथ विवेक के उचित रसायन से यौगिक अभ्यास तंत्रिका कोशिकाओं में ऊर्जा उत्पन्न करते हैं, जब आप उन कठिन आसनों में लंबे समय तक आराम से रहते हैं। इस उम्र में मैं बहुत सी चीजें सीखता हूं। यह ज्ञान इसी उम्र में आता है। मैंने बुद्धिमत्ता की यह ताजगी नहीं खोई है।

मैं कोशिकाओं को बताता हूं कि उन्हें वहीं रहना है, जहां मैं उन्हें चाहता हूं। प्राणायाम, धारणा और ध्यान में मेरा दृष्टिकोण एक जैसा है। ईमानदारी से कहूं, तो यही नैतिकता है।

(योग गुरु के पुराने और प्रसिद्ध व्याख्यान के अंश)

मनसा वाचा कर्मणा

संगीत भी एक साधना

भारत में संगीत क्षणिक आमोद-प्रमोद व अतृप्त तृष्णा की वस्तु न होकर समस्त ब्रह्मांड अथवा व्यक्त जगत से ऐक्य का आभास है, चिरानंद प्रदान करने वाली आध्यात्मिक साधना है और सांसारिक दुखों से मुक्ति प्रदान करने व ब्रह्म तक मानव को ले जाने वाला मार्ग है। संसार में संभवतः ऐसा अन्य कोई देश नहीं, जहां संगीत इतने पुराने युग से जनजीवन में इतना व्याप्त हो, जितना वह भारत में सहस्त्रों वर्षों से रहा है।

संसार की सभी जातियों की अपेक्षा भारतवासियों के कहीं अधिक संगीतप्रेमी होने की बात का जिक्र मेगस्थनीज भी कर गया है। ईसा पूर्व 150 के लगभग लिखे गए *इंडिका* नामक अपने ग्रंथ में आर्यन ने मेगस्थनीज का यह कथन उद्धृत किया है कि सब जातियों की अपेक्षा भारतीय लोग संगीत के कहीं अधिक प्रेमी हैं।

भारत में संगीत ने आध्यात्मिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में वह काम किया है, जो संभवतः अन्य कोई शक्ति शताब्दियों के परिश्रम के पश्चात भी न कर पाती। देश के किसी भी ग्राम में आप चले जाइए, आपको वहां का साधारण कृषक भी अनेक आध्यात्मिक तथ्यों से पूर्णतया परिचित मिलेगा। श्री कजिन्स ने अपने ऐसे ही एक अनुभव का जिक्र कुछ दिनों पूर्व *परिजन* पत्रिका में किया था। उन्होंने लिखा था, एक ग्राम में वह किसी सज्जन से कई घंटे गूढ़ दार्शनिक तत्वों की बातचीत करते रहे। उस सज्जन के ज्ञान से प्रभावित कजिन्स ने चलते समय उनसे कहा कि वह अपना पता लिखकर दे दें। किन्तु उनके आश्चर्य की उस समय कोई सीमा नहीं रही, जब उस सज्जन ने ऐसा करने में अपनी असमर्थता प्रकट की, क्योंकि वह वर्णमाला से सर्वथा अपरिचित था।

मेरे विचार से वर्णमाला से अपरिचित होने पर यदि हमारा साधारण जन इस प्रकार का ज्ञान रखता है, तो उसका एक प्रमुख कारण यही है कि संगीतमय गाथाओं और कथाओं ने उसके हृदय में उस ज्ञान को बैठा दिया है। मैं कभी-कभी सोचा करता हूं कि क्या कारण है, भारत ही एक ऐसा देश है, जिसमें तुलसी या कबीर जैसे कवियों की कृतियों से अनपढ़ लोग भी करोड़ों की संख्या में परिचित हैं। पर मैं समझता हूं कि इस रहस्य का हल यही है कि हमारे जीवन में इतना बुरा हुआ है कि सहज में ही

भारत में संगीत ने आध्यात्मिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में वह काम किया है, जो संभवतः अन्य कोई शक्ति शताब्दियों के परिश्रम के पश्चात भी न कर पाती।

इन कवियों के मधुर पद घर-घर और ग्राम-ग्राम की संपत्ति बन गए। आज भी ऐसे अनेक लोग मिल जाएंगे, जो अनपढ़ होते हुए भी *श्रीरामचरितमानस* के पद सादर सुना सकते हैं, और कबीर के पदों का तो कहना ही क्या है?

अतः भारत के सांस्कृतिक-आध्यात्मिक विकास में संगीत का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रहा है। हमारे देश के प्राचीन युग में संगीत शास्त्रियों और संगीतज्ञों का भी बड़ा ऊंचा दर्जा होता था, जैसा कि संगीत शास्त्रियों की मुनि और ऋषि की उपाधियों से पूर्णतया स्पष्ट है।

डॉ राजेंद्र प्रसाद

सदगुरु जग्गी वासुदेव | आध्यात्मिक गुरु

कोई भी काम तनावपूर्ण नहीं होता। यह आपके शरीर, मन और भावनाओं को नियंत्रित करने में आपकी अक्षमता है, जो इसे तनावपूर्ण बनाती है। ध्यान आपके अस्तित्व की सुंदरता को महसूस करने का एक साधन है।

स्वस्थ जीवन का महान सूत्र है योग

प्रत्येक वर्ष 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' मनाया जाता है। यह दिन केवल योग के महत्व को दर्शाने के लिए ही नहीं, बल्कि यह याद दिलाने के लिए भी है कि जीवनशैली में योग को अपनाकर हम दैहिक, मानसिक और भौतिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं। इस दिन का विशेष कारण यह भी है कि यह उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है, जिसे जीवन व ऊर्जा के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है। आज के युग में प्रदूषण, रासायनिक तत्वों से भरा भोजन, माइक्रो प्लास्टिक का फैलाव और जीवन-शैली से जुड़ी बीमारियां मानव शरीर को लगातार नुकसान पहुंचा रही हैं। केवल दवाओं और वैक्सीन पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि शरीर की प्राकृतिक रोग प्रतिरोधक क्षमता ही हमें लंबे समय तक सुरक्षित रख सकती है।

ऋषि सुभाष बुड़ावन वाला, टिप्पणीकार

कोरोना महामारी में हमने देखा है कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ ही योग व प्राणायाम ने कारगर भूमिका का निर्वहन किया है। कहा जाता है कि यदि हम दिन के चौबीस घंटे में से रोज कम से कम चौबीस मिनट भी अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए निकालते हैं, तो कई बीमारियों से स्वतः ही बचाव हो जाता है। वैसे, पश्चिम के शोधकर्ताओं ने भी योग को व्यक्ति के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य की उत्तमता के लिए कारगर माना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया भर में पांच प्रतिशत वयस्क आबादी अवसाद से पीड़ित है। यदि योग को जीवन में उतारा जाता है, तो न केवल व्यक्तिनिष्ठ प्रगति होती है, बल्कि सामाजिक उत्कर्ष भी होता है।

कुलदीप सिंह भाटी, ब्लॉगर

भारत की धर्म संस्कृति और धरोहर ने विश्व को बहुत कुछ ऐसा दिया है, जो इंसान को अच्छे मार्ग कि ओर अग्रसर करता है। इन्हीं में से एक है योग विधि, जिसे अपनाकर इंसान तन-मन से स्वस्थ होता है। योग मात्र शरीर को ही दुरुस्त नहीं करता, बल्कि मानसिक तौर पर भी स्वस्थ बनाता है। यह इंसान का प्रकृति से भी तालमेल बढ़ाता है। आज बहुत से लोगों को शारीरिक और मानसिक, दोनों तरह की बीमारियों ने जीना दुश्वार किया हुआ है। आज की भागदौड़ और भौतिकतावाद में इंसान इतना व्यस्त हो गया है कि अपने शरीर की तरफ जरा भी ध्यान नहीं देता और बीमारियों से ग्रस्त हो जाता है। अगर लोग योग को अपना लें, तो वे अपने शरीर को चुस्त-दुरुस्त रख सकते हैं। ख्याल रखना होगा कि योग तभी निरोग बनाएगा, जब योग के साथ-साथ खानपान और जीवनशैली में भी सुधार हो।

राजेश कुमार चौहान, टिप्पणीकार

अनुलोम-विलोम
योग दिवस

गलत तरीके से योग नुकसानदायक

गलत योग करने से नुकसान भी हो सकता है। योग करते समय कुछ गलतियां करने से समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा, कुछ विशेष शारीरिक स्थितियों में योग करना हानिकारक है। गलत तरीके से योग करने या बहुत अधिक योग करने से मांसपेशियों में खिंचाव और दर्द होता है। अगर आप अपनी शारीरिक सीमा से ज्यादा योग करते हैं या बहुत देर तक करते हैं, तो इससे मांसपेशियों पर ज्यादा दबाव पड़ता है। इसके अलावा, बहुत ज्यादा योग करने से थकान महसूस होती है। अगर आपको थकान या जी मिचलाने जैसा महसूस हो, तो तुरंत योग करना बंद कर दें। कुछ लोगों को ज्यादा योग करने से सांस फूलने की समस्या आती है।

अगर आपके शरीर में किसी भी प्रकार की सूजन नजर आए, तो यह भी ज्यादा योग करने का संकेत हो सकता है। कुछ विशेष शारीरिक स्थितियों में योग करना हानिकारक है। गर्भावस्था वाली महिलाएं, हृदय रोग या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों को योग करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। इसके अलावा, अगर आपको कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो योग करने से पहले डॉक्टर से सलाह लें। योग के तुरंत बाद नहाना या ठंडा पानी पीना शरीर के लिए हानिकारक है। यदि आप योग से होने वाले संभावित नुकसानों के बारे में चिंतित हैं, तो किसी योग्य योग शिक्षक से सलाह लेना सबसे अच्छा है। एक अनुभवी शिक्षक आपको सही तरीके से योग करने व अपनी शारीरिक सीमाओं का सम्मान करने में मदद कर सकता है।

घनानंद जायस, टिप्पणीकार

आज की भागमभाग भरी जिंदगी में लोगों के पास बिल्कुल समय नहीं है। जीवन शैली इतनी बदल गई है कि आदमी हंसना तक भूल गया है। नशा, बुरी लतों आदि ने व्यक्ति को अंदर से पूरी तरह खोखला कर दिया है। ऐसे में मानव जीवन का असली मूल्य ही खो गया है। पैसा ही आदमी का मुख्य मकसद हो गया है। इसी वजह से वह अवसाद ग्रस्त भी होता है। मानव जीवन को हर तरह की गतिविधियों की आवश्यकता है। ऐसे में, अगर मनुष्य जीवन का असली आनंद लेता है, तो तनाव से मुक्त होकर हास्य के साथ ही तनाव मुक्त जीवन जीना होगा। लेकिन इसके लिए समय कहां है? हमारी दिनचर्या ऐसी हो गई है, नौकरी-पेशा की ऐसी भागमभाग है कि एक मिनट की भी फुर्सत नहीं मिल पाती। प्रकृति के अनुसार खान-पान, रहन-सहन और आचार-विचार भी नहीं मिलते। तो व्यक्ति स्वस्थ, मजबूत और दीर्घायु कैसे रह सकता है? आज जिस तरह लोगों की दिनचर्या हो गई है, वह घातक ही नहीं, जानलेवा भी है।

अमृतलाल मारू 'रवि', टिप्पणीकार

संकट: बचत खातों की ब्याज दरें 25 साल के निचले स्तर पर

हि विशेष

■ शायन घोष, अंशिका कायस्थ

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट में कटौती के बाद बैंकों को अपनी जमा दरों में कमी करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इससे बचत खातों की ब्याज दरें 25 साल के निचले स्तर पर पहुंच गई हैं और सावधि जमा दरों में भी भारी कटौती देखी जा रही है।

इससे बैंकों के सामने एक नई चुनौती खड़ी हो रही है। ऋण मांग बढ़ती है तो नकदी संकट का खतरा बढ़ सकता है। बैंक उम्मीद कर रहे हैं कि ग्राहक अपनी निष्क्रिय राशि को बैंकों में ही रखना पसंद करेंगे।

रेपो दर में कटौती का असर

भारतीय रिजर्व बैंक की हालिया रेपो दर में 50 आधार अंक की कटौती ने 60% फ्लोटिंग दर ऋणों की ब्याज दरों को स्वतः कम कर दिया है, जो रेपो जैसे बाहरी बेंचमार्क से जुड़े हैं। हालांकि, सावधि जमा की ब्याज दरें केवल नई जमा खोलने या नवीकरण के समय ही कम की जा सकती हैं। इसलिए, बैंकों को अपने मार्जिन को बनाए रखने के लिए बचत खातों की ब्याज दरों में अधिक कटौती करनी पड़ रही है। फेडरल बैंक के कार्यकारी उपाध्यक्ष जॉय पी.वी. ने कहा, बचत खातों की ब्याज दरें कम हो रही हैं। बचत खातों में दरों में बदलाव का असर तुरंत दिखता है, सावधि जमा में यह देरी से होता है।

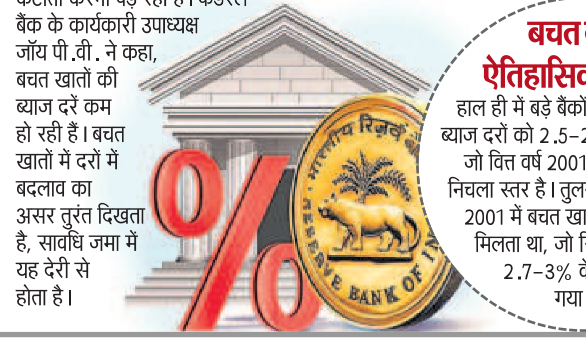

बचत दरों में ऐतिहासिक गिरावट

हाल ही में बड़े बैंकों ने बचत खातों की ब्याज दरों को 2.5–2.75% कर दिया है, जो वित्त वर्ष 2001 के बाद से सबसे निचला स्तर है। तुलना के लिए, वित्त वर्ष 2001 में बचत खातों पर 4% ब्याज मिलता था, जो सितंबर 2024 में 2.7–3% के बीच पहुंच गया था।

नकदी संकट का खतरा

ब्याज दर में बड़ी कटौती से नकदी संकट दोबारा हो सकता है। पूर्व आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने चेतावनी दी थी कि वैकल्पिक निवेश विकल्प खुदरा ग्राहकों के लिए अधिक आकर्षक हो रहे हैं। शक्तिकांत दास ने पिछली साल जुलाई माह में कहा था कि इससे सिस्टम में नकदी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

जमा जुटाने की चुनौती

फिच रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक (वित्तीय संस्थान) शाश्वत गुहा ने कहा, वर्तमान में बचत खातों की ब्याज दरें बहुत कम हैं। जमाकर्ता या निवेशक ऐसे सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं, जो कुछ वास्तविक रिटर्न दे सकें। इस संदर्भ में, 2.5% ब्याज देने वाला जमा उत्पाद निवेश के रूप में आकर्षक नहीं माना जाएगा और इससे बड़ी मात्रा में धन जुटाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि बैंकों को जमा जुटाने के लिए अपने उत्पादों को और आकर्षक बनाना होगा।

ऋण और जमा अनुपात

ऋण मांग में कमी ने बैंकों को कुछ राहत दी है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में गैर-खाद्य ऋण वृद्धि साल-दर-साल 10.2% रही, जो एक साल पहले 19% थी। हालांकि, जब भी ऋण मांग बढ़ेगी, बैंकों को अधिक जमा जुटाने की जरूरत होगी, अन्यथा उनके कर्ज-जमा अनुपात पर नियामक की नजर पड़ सकती है। यह अनुपात यह दर्शाता है कि बैंक की जमा राशि का कितना हिस्सा ऋण के लिए उपयोग किया जा रहा है।

कम लागत वाले जमा में कमी

चालू खाता और बचत खाता–की कुल जमा में हिस्सेदारी कम हो रही है। वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2025 के बीच एसबीआई, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक का चालू व बचत खाता अनुपात क्रमशः 110, 340 और 40 आधार अंक कम हुआ।

mint

बाजार 30 s

शेयर बाजार

सेंसेक्स 82408 +1046
निफ्टी 25112 +319

आठ क्षेत्रों की वृद्धि दर में गिरावट दर्ज

नई दिल्ली। आठ प्रमुख बुनियादी उद्योग की वृद्धि दर मई 2025 में घटकर 0.7 प्रतिशत रह गई, जो पिछले नौ महीनों में सबसे कम है। पिछली सबसे कम वृद्धि दर अगस्त, 2024 में दर्ज की गई थी, जब 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी। पिछले साल मई में इन क्षेत्रों की वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत थी। अप्रैल में इन प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के उत्पादन में एक प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, उर्वरक एवं बिजली के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.29 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 13 जून को समाप्त सप्ताह में 2.29 अरब डॉलर बढ़कर 698.95 अरब डॉलर हो गया। छह जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 5.17 अरब डॉलर बढ़कर 696.65 अरब डॉलर हो गया था। विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 के अंत में 704.88 अरब डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

20 लाख से अधिक खोए, चोरी फोन खोजे

नई दिल्ली। दूरसंचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने शुक्रवार को कहा कि दूरसंचार विभाग के 'संचार साथी' मंच ने अब तक 20 लाख से अधिक खोए या चोरी हुए फोन का पता लगाने में मदद की है। संचार साथी मंच पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सरकार अब तक 33.5 लाख मोबाइल फोन को ब्लॉक करने और 20.28 लाख मोबाइल फोन का पता लगाने में सफल रही है।

जीएसटी पंजीकरण आसान बनाएं: सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा–शुल्क बोर्ड से प्रौद्योगिकी एवं जोखिम–आधारित मापदंडों का उपयोग कर करदाताओं के लिए जीएसटी पंजीकरण को आसान, निर्बाध और अधिक पारदर्शी बनाने को कहा। सीतारमण ने सीबीआईसी के प्रधान मुख्य आयुक्तों, मुख्य आयुक्तों और क्षेत्रीय महानिदेशकों के एक सम्मेलन की अध्यक्षता की।

बीएसएनएल 5जी फिक्स वायरलेस सेवा लाई

नई दिल्ली। सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल ने घरों में ब्रॉडबैंड सेवा प्रदान करने के लिए 5जी फिक्स्ड वायरलेस सेवा में प्रवेश किया है। बीएसएनएल ने इसकी शुरुआत हैदराबाद से की है। वर्तमान में, रिलायंस जियो और भारती एयरटेल अपने 5जी स्पेक्ट्रम का उपयोग करके 5जी फिक्स्ड वायरलेस सेवा प्रदान कर रहे हैं। बीएसएनएल ने कहा, क्वांटम 5जी एफडब्ल्यूए दर्शाता है कि भारतीय इंजीनियर किस तरह विश्वस्तरीय कनेक्टिविटी तैयार कर सकते हैं।

विदेशी आय का जवाब न देने वालों पर कार्रवाई

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि सीबीडीटी विदेशी आय के बारे में जवाब नहीं देने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि 5,483 करदाताओं ने 29,208 करोड़ रुपये की विदेशी संपत्ति और 1,089.88 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय के बारे में जानकारी देते हुए देरी से रिटर्न दाखिल किया है।

देशभर में लागू हो सकता है नियम, जल्द सरकार जारी करेगी अधिसूचना

सभी दोपहिया में सुरक्षित ब्रेक प्रणाली लगानी अनिवार्य होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में सड़क हादसों को कम करने और दोपहिया वाहनों की सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में केंद्र सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। आगामी वर्ष एक जनवरी 2026 से भारत में बिकने वाले सभी नए दोपहिया वाहनों में एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) को अनिवार्य करने की तैयारी है।

यह नियम न केवल महंगी मोटरसाइकिलों पर बल्कि 75 सीसी से 125 सीसी तक की एंट्री-लेवल मोटरसाइकिलों और स्कूटरों पर भी लागू होगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय इस संबंध में जल्द ही अधिसूचना जारी करने वाला है। फिलहाल, एबीएस की अनिवार्यता केवल 150 सीसी से अधिक क्षमता वाले वाहनों पर लागू है, लेकिन नए नियम से यह पूरे दोपहिया क्षेत्र में लागू हो जाएगा। सड़क सुरक्षा से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में सड़क हादसों में 44% मौतें दोपहिया वाहनों से जुड़ी हैं। इसलिए इनकी सुरक्षा में सुधार जरूरी है। एबीएस का सभी दोपहिया वाहनों में अनिवार्य होना एक महत्वपूर्ण कदम है।

01 जनवरी 2026 से भारत में सभी नए दोपहिया वाहनों में एबीएस जरूरी

75 सीसी से 125 सीसी तक की एंट्री-लेवल मोटर-साइकिल और स्कूटरों पर भी लागू होगा नियम

क्या है एबीएस

एंटी–लॉक ब्रेकिंग सिस्टम एक उन्नत तकनीक है, जो अचानक ब्रेक लगाने पर पहियों को लॉक होने से रोकता है, जिससे वाहन का संतुलन बना रहता है और दुर्घटनाएं टल सकती हैं। यह प्रणाली ब्रेक लगाते समय पहियों पर बार–बार दबाव देकर वाहनों को फिसलने और घिसटने को रोकती है, जिससे चालक को वाहन को नियंत्रित करने का समय मिल जाता है।

वाहनों के आंकड़े

ब्रोकरेज हाउस नोमुरा के मुताबिक, वर्ष 2024–25 में देश में बेची गई दोपहिया मोटरसाइकिलों में से लगभग दो–तिहाई 75सीसी से 125सीसी इंजन क्षमता वाली थीं। इस दौरान मोटरसाइकिल की बिक्री 4.6% बढ़कर 92.6 लाख इकाई तक पहुंच गई। वहीं स्कूटर की बिक्री 17% की वृद्धि के साथ 68.5 लाख इकाई रही।

क्या है सरकार के इस कदम का मकसद

सरकार के इस फैसले का उद्देश्य दोपहिया वाहनों से जुड़ी सड़क दुर्घटनाओं की संख्या को कम करना है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2022 में देश में हुई कुल 1,51,997 सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 20% में दोपहिया वाहन शामिल थे। वहीं, सड़क पर हुई कुल मौतों में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी लगभग 44% रही।

दोपहिया की कीमत पर असर पड़ना संभव

हालांकि इस निर्णय से दोपहिया वाहन खरीदने वालों की जेब पर असर पड़ सकता है। वाहन उद्योग से जुड़े विश्लेषकों के मुताबिक, एबीएस लगाने से प्रत्येक वाहन की लागत ₹2,500 से ₹5,000 तक बढ़ सकती है। इसका सबसे अधिक प्रभाव एंट्री–लेवल मोटरसाइकिल और स्कूटरों पर पड़ेगा, जो आमतौर पर कम बजट वाले खरीदारों के बीच लोकप्रिय हैं।

भारतीय कॉफी का उत्पादन बढ़ाने के लिए हो रहे प्रयास

बंगलुरू, विशेष संवाददाता। वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रही कॉफी की मांग को देखते अब भारत कॉफी उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है।

कॉफी बोर्ड ऑफ इंडिया तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक में कॉफी का उत्पादन बढ़ाने की संभावना तलाश रहा है। किसके साथ ही, पूर्वोत्तर राज्यों में कॉफी के उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है।

कॉफी बोर्ड से जुड़े अधिकारी बताते हैं कि हमारे शोधकर्ता कॉफी उत्पादक राज्यों में ऐसे क्षेत्र की पहचान कर रहे हैं, जहां पर कॉफी का उत्पादन किया जा सके। मौजूदा वक्त में कुछ घरेलू कॉफी उत्पादन में कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु की हिस्सेदारी करीब 96 फ़ीसदी है।

इन तीनों राज्यों में काफी हिस्सों में कॉफी को उत्पादन को बढ़ाया जाने की पर्याप्त संभावना है। जहां का मौसम कॉफी उत्पादन के लिए अनुकूल है। मुख्य तौर पर भारत में पैदा की जाने वाली अरेबिका और रॉबस्ट रॉयल किस्म की कॉफी की मांग वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा है।

ध्यान रहे कि भारत का कॉफी निर्यात 2024-25 में 40 प्रतिशत बढ़कर 1.8 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। 2023-24 में उत्पादन 3.63 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया।

63 स्टार्टअप को जोड़ा गया : कॉफी निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार स्टार्टअप को भी प्रोत्साहन दे रही है। अभी तक 63 स्टार्टअप को जोड़ा गया है। इसके साथ ही, सभी हितधारकों को उत्पादन, निर्यात, सेवा और नियमों के बारे में सही समय पर सटीक जानकारी उपलब्ध हो, इसके लिए इंडिया कॉफी ऐप विकसित किया गया है।

इसरो की ली जा रही मदद

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) भारतीय कॉफी बोर्ड के कमोडिटी इकोसिस्टम के कार्बन फुटप्रिंट को मापने में मदद कर रहा है। कॉफी बोर्ड के अनुसंधान निदेशक एम सेंथिल कुमार ने कहा कि इसरो के साथ सहयोगात्मक अध्ययन शुरू किए गए हैं। इसरो आंकड़े एकत्र कर रहा है, जिनका उद्देश्य यूरोपीय संघ के वनों की कटाई संबंधी प्रावधान के मद्देनजर कॉफी के कार्बन फुटप्रिंट को मापना है। नियमों के तहत ईयू को निर्यात कॉफी उत्पाद उस क्षेत्र से होने चाहिए जहां पर 31 दिसम्बर 2020 के बाद वनों की कटाई न की गई हो।

सोना-चांदी में तेज गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। आभूषण विक्रेताओं की बिकवाली से शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 600 रुपये टूटकर 99,960 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। वहीं, चांदी की कीमत भी 2,000 रुपये लुढ़क कर 1,05,200 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रही।

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड
भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम

निविदाएं आमंत्रण हेतु (केवल ई–निविदा)

निविदा सं.: टीडीएल_ईएन_टीएम_56930, **कार्य का नाम:** डीएफसीसीआईएल नेटवर्क के अंतर्गत 12 वर्ष की अवधि हेतु स्पेयर्स एवं अन्य मदों की आपूर्ति सहित डीएफसीसीआईएल की एक एमपीटी 56930 मशीन का संचालन एवं रखरखाव। **निविदा का मूल्य:** रु. 37,31,51,336.00, **पूर्णता अवधि:** 144 माह, **बोली प्रतिभूति :** रु. 50,00,000.00, **निविदा दस्तावेज का मूल्य :** रु. 11,800/– (रु. 10,000 + 18% जीएसटी) – जो www.ireps.gov.in पर उपलब्ध भुगतान गेटवे के माध्यम से "डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, टुण्डला" के पक्ष में ऑनलाइन अदा की जानी है। **बोली आरंभ होने की तिथि:** 03.07.2025, **बोली समाप्त होने की तिथि एवं समय:** 17.07.2025 को 15:00 बजे तक, **ई–टैण्डरिंग वेबसाइट का पता: www.ireps.gov.in, www.ireps.gov.in/www.dfccil.com** पर इसका लिंक (आईआरईपीएस की हेल्प डेस्क : 011–23761525), **कार्यालय का पता :** मुख्य महाप्रबंधक का कार्यालय, न्यू टूण्डला स्टेशन/ईडीएफसी, ग्राम – भक्ति गढ़ी, तहसील – टूण्डला, जिला – फिरोज़ाबाद (उ.प्र.) – 283204, भारत, **वेबसाइट:** निविदा दस्तावेज डीएफसीसीआईएल की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** एवं **www.dfccil.com** से डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा दस्तावेज केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से जमा किए जाने चाहिए, ऑनलाइन के अलावा किसी अन्य विधि से जमा किए गए प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। शुद्धिपत्र/परिशिष्ट केवल उपरोक्त वेबसाइटों पर प्रकाशित किया जाएगा।

उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/सिविल, डीएफसीसीआईएल, टूण्डला

बिहार राज्य सहकारी बैंक लि०
अशोक राजपथ, पटना–800004, Ph.No.: 916123505604
Email : helpdesk@biharscb.co.in Website : www.biharscb.co.in

Ref.No. 779 **सूचना** दिनांक – 20.06.2025

बिहार राज्य सहकारी बैंक लि0 तथा 12 जिला केन्द्रीय सहकारी बैंको में सहायक (बहुद्देशीय) के 257 पदों पर नियुक्ति हेतु दिनांक 21.06.2025 से 10.07.2025 तक आवेदन विज्ञापन ज्ञापांक 778 दिनांक 20.06.2025 द्वारा आमंत्रित किया जा रहा है। विस्तृत जानकारी एवं आवेदन करने की सुविधा हेतु बैंक के वेबसाईट biharscb.co.in पर उपलब्ध है।

उप महाप्रबंधक

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. एसजीडब्ल्यू-272-252-टी1-55, दिनांक 18.06.2025, मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/परियोजना, पूर्व रेलवे, तीसरी मंजिल, फेयरली प्लेस, 17, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700001 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए समतुल्य प्रकृति के कार्य का समुचित अनुभव तथा संतोषजनक न्यूनतम पात्रता के मानदंड रखने वाले अनुभवी एवं स्थापित ठेकेदारों से निर्धारित प्रपत्र पर दो पैकेट प्रणाली में खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं : **कार्य का नाम साथ में उसका स्थान :** एलएलएच-सीजीआर स्वचालित अनुभाग में मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (एमएसडीएसी) के प्रयोग द्वारा ऑटो सिग्नलिंग का प्रतिस्थापन। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 34,53,68,503.92; **बयाना राशि:** रु. 18,76,900; **कार्य पूरा करने की अवधि:** 18 महीने। **प्रस्ताव की वैधता:** निविदा खुलने की तारीख से 90 दिन। **निविदा दस्तावेज ऑनलाइन जमा करने की अंतिम (बंद होने की) तारीख एवं समय:** 14.07.2025 को 14.00 बजे तक। **वेबसाइट का पता, निविदा दस्तावेज उपलब्ध होने का समय तथा तारीख:** भारतीय रेल की वेबसाइट अर्थात् www.ireps.gov.in पर दिनांक 18.06.2025 से। **खुलने की तारीख एवं समय:** 14.07.2025 को 15.30 बजे। पात्र निविदादाताओं की वित्तीय बोलियां बाद में सूचित की जाने वाली तारीख एवं समय पर खोली जाएगी। **वेबसाइट जहां निविदा बोली जमा की जा सकती है:** बोलियां सिर्फ ऑनलाइन जमा की जानी चाहिए। ई-निविदा प्रणाली में भाग लेने के लिए निविदादाताओं को भारतीय रेल की ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (आईआरईपीएस) साइट यानी www.ireps.gov.in पर पंजीयन करवाना अनिवार्य है। आवश्यक परिवर्तन, संशोधनी/संयोजनी, आवश्यकता पड़ने पर, सिर्फ इस वेबसाइट पर जारी की जाएगी। बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल बोली/प्रस्ताव की अनुमति नहीं है। प्राप्त किसी भी मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। (CON-15/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विविध कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा सूचना सं एसईसीआर.–बीएसपी–टीआरएस–बीएसपी–**25–26–ओटी–03 दिनांक : 13.06.2025.**

निविदा सूचना सं टीआरएस–बीएसपी–**2025–26–03**

कार्य का नाम: तीन (03) वर्षों की अवधि के लिये इलेक्ट्रिक लोको शेड, बिलासपुर की सफाई और रख–रखाव के काम के लिये आउटसोर्सिंग जिसमें इलेक्ट्रिक इंजनों की सफाई और धुलाई भी शामिल है।

निविदा मूल्य : ₹ 1,01,63,035/–, प्रतिभूति राशि : ₹ 2,00,820/–, निविदा जमा करने की तिथि व समय: 16.07.2025 के 14:00 बजे तक निविदा खुलने का समय: 16.07.2025 के 14:30 बजे। पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिये कृपया हमारे वेबसाइट– http://www.ireps.gov.in पर पधारें। निविदा सूचना को वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखे जा सकते हैं।

वरि.मंडल विद्युत अभियंता (क.च.स्टा.)
CPR/10/FL/105 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

पश्चिम मध्य रेल

निविदा आमन्त्रण सूचना

नि.आ.सू.सं. :– टीकेडी 16–2025 दिनांक : 18.06.2025

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता, विद्युत लोको शैड, तुगलकाबाद नई दिल्ली–44, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी और से निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं जिनकी बंद होने की तिथि समय क्रमशः 10.07.2025 है। निविदाकार बंद होने की तिथि व समय तक अपनी मूल/ संशोधित अपनी निविदा आफर जमा कर सकते हैं। मैन्यूअल निविदा आफर स्वीकार्य नही हैं। विवरण इस प्रकार है :– **निविदा सं. :** टीकेडी– 16–2025, **कार्य का नाम व स्थान :** "वि लोको शेड तुगलकाबाद में 02 वर्षो हेतु स्लैम सिस्टम का मैनेजमेंट"।, **मात्रा :** शेडयूल ऑफ रेट्स के अनुसार **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5163438.97 **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में) :** शून्य, **बयाना राशि (रु. में) :** 103300/–, **समापन अवधी :** 24 माह, **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि/समय :** 10.07.2025, 15.30 बजे, नोटः 1. ई–निविदा प्रपत्र एवं ई निविदा से सम्बंधित पूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध है। 2. इस ई टेंडर के लिए कोई मैन्युअल ऑफर मान्य नही है तथा ऐसा कोई मैन्युअल ऑफर प्राप्त होता है तो भी वह मान्य नहीं होगा। 3. इस टेंडर से सम्बंधित कोई आवश्यक संसोधन यदि जरुरी हो तो वेवसाईट पर अपलोड कर दिया जायेगा, जिसे टेंडर खुलने के दिन तक देखा जा सकता है। 4. टेंडर (निविदा दाता) के पास क्लास– III डिजिटल सिगनेचर सर्टिफिकेट, तथा IREPS पोर्टल पर पुजीकृत होना आवश्यक है। (हस्ता)

कृते वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टी.आर.एस) विद्युत लोको शैड, तुगलकाबाद पश्चिम मध्य रेलवे, नई दिल्ली–110044

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

ASSOCIATION OF MUNICIPALITIES AND DEVELOPMENT AUTHORITIES (AMDA)
7/6, Siri-fort Institutional Area, August Kranti Marg, New Delhi – 110049

VACANCY NOTICE

Applications are invited from eligible candidates for one post each of **(i) Director cum Secretary, (ii) Senior Accounts Officer in AMDA office.**

For other details, such as qualification, experience, age and prescribed application format etc. (to be downloaded) please visit **www.amdaindia.org.**

Application duly completed in all aspects and signed by the candidate with self-attested copies of testimonials etc., **should reach the 'O/o The Director cum Secretary, AMDA, 7/6, Siri-fort Institutional Area, August Kranti Marg, New Delhi – 110049 or on email at amda@amdaindia.org, on or before 21st July, 2025.**

AMDA reserves the right to cancel recruitment process for any posts without assigning any reason whatsoever.

Director cum Secretary AMDA

न्यायालय, समाहर्त्ता एवं जिला दण्डाधिकारी, दरभंगा
बिहार सरकार
आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बिहार राज्य में पूर्ण रूप से शराब बन्दी लागू होने के उपरान्त पुलिस विभाग/उत्पाद विभाग द्वारा जाँच/छापेमारी के क्रम में अवैध रूप से शराब को ढ़ोने में प्रयुक्त वाहन को जब्त किया गया है। विदित हो कि सरकार के अपर मुख्य सचिव, बिहार के पत्रांक–3671 दिनांक–31.05.2023 के आलोक में बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम (यथा संशोधित) 2022 के नियम 12(क) के तहत शास्ति, जो नवीनतम बीमाकृत मूल्य का 10 प्रतिशत से कम और 5,00,000.00 (पाँच लाख रूपये) से अधिक नहीं होगा, के भुगतान करने पर वाहनों को छोड़ने का प्रावधान किया गया है। साथ ही विभाग के आदेशानुसार जब्त वाहनों के रख रखाव पर हो रहे व्यय हेतु पीठासीन पदाधिकारी द्वारा अधिरोपित राशि का 3 प्रतिशत अतिरिक्त राशि भी वाहन स्वामी से वसूलनीय है।

उक्त प्रावधान के अन्तर्गत वाहन स्वामी को **प्रपत्र–iv** में आवेदन दाखिल करने हेतु निबंधित/स्पीड पोस्ट डाक से सूचना निर्गत की गई थी, जो वापस प्राप्त हुआ है। साथ ही कुछ जब्त वाहनों के स्वामी का नाम/पता उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। अतएव वाहन स्वामी को उक्त प्रावधान के अन्तर्गत एक अवसर प्रदान करते हुये उक्त के आलोक में सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित वाहन के स्वामी चाहें तो दिनांक–13.06.2025 तक अथवा सूचना प्रकाशन के 15 (पन्द्रह) दिनों के अन्दर स्वयं अथवा अपने अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर जब्त वाहन को मुक्त कराने हेतु **प्रपत्र–iv** में प्रश्नगत वाहन से संबंधित मूल निबंधन, नवीनतम बीमा कागजात, जिसमें इन्श्योरेंस की राशि स्पष्ट रूप से अंकित हो तथा स्वयं से संबंधित मूल पहचान पत्र/आधार कार्ड के साथ वाहन विमुक्ति हेतु जिला दण्डाधिकारी, दरभंगा के न्यायालय के समक्ष आवेदन पत्र समर्पित कर सकते है। निर्धारित तिथि तक प्रतिक्रिया या पक्ष अप्राप्त रहने की स्थिति में वाहन राज्यसात् करने की अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी।

क्र0	समाहर्त्ता न्यायालय का वाद सं0	थाना का नाम एवं कांड सं0	वाहन का प्रकार एवं रजि0 नं0	वाहन स्वामी का नाम/पता
1	56/2025	हायाघाट थाना कांड संख्या–168/24	कार रजि0 नं0 –DL8CZ-8085	ओम प्रकाश यादव, पिता–सीता राम यादव, पता–C2D/38A NEAR DABRI MORE METRO STATION, JANAKPURI SATE-DELHI

उक्त सूचना **state.bihar.gov.in/prdbihar** पर भी देखी जा सकती है।
PR- 006567 (District) 2025-26

जिला दण्डाधिकारी, दरभंगा

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

उत्तर प्रदेश सरकार
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
तृतीय मण्डल, सिंचाई कार्य, आगरा।
139, मॉल रोड, प्रतापपुरा, आगरा–282001
दूरभाष संख्या-0562-2466928
NIC Email I.D.- seiwc3idupag-up@nic.in

Office of The Superintending Engineer
3rd Circle, Irrigation Works, Agra
139, Mall Road, Pratappura, Agra
Landmark - Awantibai Crossing-282001
G-Mail ID- se3circleagra@gmail.com

ई–निविदा सूचना संख्या–02/एस०ई०/2025–2026

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑनलाइन निविदायें (https://etender.up.nic.in) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 10.07.2025 अपरान्ह 03:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा की प्री–क्वालिफिकेशन/टेक्निकल बिड अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में गठित समिति के सदस्यों द्वारा दिनांक 10.07.2025 को अपरान्ह 04:00 बजे खोली जायेगी। प्री–क्वालिफिकेषन/टेक्निकल बिड में क्वालिफाइड पाये गये ठेकेदारों की ही फाइनेन्शियल बिड खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश होने की दशा में यह निविदायें अगले कार्य दिवस में उसी समय खोली जायेगी। निविदा दिनांक 24.06.2025 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से दिनांक 10.07.2025 को अपरान्ह 03:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है। कार्यो का विवरण निम्नवत् है:–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0में)	धरोहर धनराषि (लाख रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य + 18% GST (रुपये में)	पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	दिल्ली राज्य स्थित आली गाँव के अन्तर्गत उ०प्र० सिंचाई विभाग की राजकीय भूमि की सुरक्षा हेतु बाउण्ड्रीवॉल पुनरोद्धार का कार्य।	285.00	5.70	04 माह	3000.00+540 =3540.00	"ए" एवं उच्चतर

विस्तृत निविदा सूचना का विवरण एवं नियम व शर्तें उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइट (http//:upgovt.up.nic/infotech) तथा सिंचाई विभाग की वेबसाइट (http//:www.idup.gov.in) पर उपलब्ध है।

उ0प्र0: 235135. दिनांक: 19.06.2025
Website: www.upgov.nic.in

अधीक्षण अभियन्ता
तृतीय मण्डल, सिंचाई कार्य, आगरा

दक्षिण रेलवे

निविदा सूचना संख्या **CONV-AFL-2X25kV-SR-01A**

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य विद्युत अभियंता, परियोजना, दक्षिण रेलवे, चेन्नई -03, गैर-ईपीसी मोड में निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। निविदाएं 18.07.2025 को 15.00 बजे तक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत की जा सकती है।

बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ केवल समापन तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के लिए मैन्युअल ऑफ़र की अनुमति नहीं है एवं प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल ऑफ़र को अनदेखा कर दिया जाएगा और सरसरी तौर पर अस्वीकार कर दिया जाएगा। बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे संलग्न निविदा दस्तावेज़ में पूर्व बोली बैठक, मूल दस्तावेज़ों को प्रस्तुत करने, बोली जमानत आदि जैसे विवरणों को ध्यान से पढ़ें।

ईएमडी और निविदा प्रपत्र लागत (टीएफसी) का भुगतान आईआरईपीएस पोर्टल (**www.ireps.gov.in**) के माध्यम से ऑनलाइन किया जाना है और इन निविदाओं के लिए कोई मैनुअल भुगतान स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्र.सं.	निविदा संख्या एवं कार्य का नाम
1	**निविदा संख्याः CONV-AFL-2X25Kv-SR-01A,** मौजूदा मार्ग पर गति को 160 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाने के सिलसिले में दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन में एमएस-जीडीआर, एमएसबी-आरयू सेक्शन और सेलम डिवीजन में एसए-सीबीई/पीटीजे सेक्शन पर एसपी, एसएसपी और टीएसएस के लिए ऑटो ट्रांसफार्मर न्यूट्रल करंट रेसियो पर आधारित 2X25 केवी एसी ट्रैक्शन सिस्टम हेतु ऑटोमेटिक फॉल्ट लोकेटर (एएफएल) की डिजाइन, आपूर्ति, उत्थापन, परीक्षण और प्रचालनारंभ।

अनुमानित नकद मूल्य (रु.)	11,01,02,300/-
जमा धरोहर राशि (रु.)	7,00,500/-
समापन अवधि	540 दिन

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी) और निविदा दस्तावेज वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं और निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे इसे देखें। निविदाकर्ताओं को यह भी सलाह दी जाती है कि वे अपनी दरें जीएसटी सहित उद्धृत करें।

उप मुख्य विद्युत अभियंता / परियोजना / मुख्यालय
कार्यालय मुख्य विद्युत अभियंता / परियोजना / एसआर, चेन्नई - 600003

Office of the Executive Officer, Nagar Palika Parishad, Loni
Address:- Khanna Nagar, Loni, Ghaziabad
e-Procurement Notice
ई-निविदा

Letter No.- 802/N.P.P.Loni/E-Tender/2025-26 **Dated:- 19.06.2025**

नगर पालिका परिषद्, लोनी, गाजियाबाद में वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु सीमा विस्तारित क्षेत्र/उच्चीकृत निकाय में "**मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना**" के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निर्माण/विकास कार्य हेतु ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत अनुभवी ठेकेदारों/फर्मो से उनकी तकनीकी एवं वित्तीय बिड (Technical And Financial Bid) आधारित ई-निविदाएँ **दिनांक 25 जून 2025 को सायं 05.00 बजे तक** आमंत्रित की जाती है, जो **दिनांक 26 जून 2025 को प्रातः 11.00 बजे** खोली जायेगी। निविदा का विस्तृत विवरण टेण्डर प्रपत्र शर्ते आदि उत्तर प्रदेश की ई-प्रिक्योरमेन्ट की वेबसाईट **https://etender.up.nic.in** से प्राप्त किये जा सकते है। ई-निविदा की समस्त कार्यवाही उक्त वेबसाईट के माध्यम से ही पूर्ण की जायेगी, निविदा की सूचना नगर पालिका परिषद्, लोनी, गाजियाबाद की वेबसाईट **www.npploni.in** पर भी देखी जा सकती है।

ई-निविदा समय सारणी (www.etender.up.nic.in पर)

Tender Reference

Public and Time for Ref.	20.06.2025 at 10.00 Am
Last Date time for Submission of Tender	25.06.2025 till 05.00 Pm
Date and time for Opening of E-Tender	26.06.2025 at 11.00 Am

(कृष्ण कान्त मिश्र)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद्, लोनी (गाजियाबाद)

(रंजीता धामा)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद्, लोनी (गाजियाबाद)

उत्तर पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र,
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
Post Box No.98/Dimapur-797112: Nagaland,
Email:nezccdimapur@yahoo.co.in/Website:www.nezccindia.org.in
NEZCC

No.NEZCC/ ACCT-68/2020-21/ **Dated June 06,2025**

उत्तर पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एन.ई.जेड.सी.सी.) डिमापुर, के निदेशक पद के लिए विज्ञापन

उत्तर पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एन.ई.जेड.सी.सी.) डिमापुर, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत निकाय है, इसमें निदेशक के एक पद को भरने के लिए पात्र उम्मीदवारों से दो प्रतियों में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। एन.ई.जेड.सी.सी., डिमापुर भारत सरकार द्वारा देश भर के विभिन क्षेत्रों की लोक, आदिवासी कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए स्थापित सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों में से एक है। नियुक्ति 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति/अल्पकालिक अनुबंध के आधार पर होगी जिसे पदधारी के प्रदर्शन के आधार पर 2 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। भारत सरकार के निदेशक/उप सचिव स्तर के अधिकारी, सांस्कृतिक हस्तियाँ (कला और संस्कृति के क्षेत्र में कम से कम 10 वर्ष का अनुभव रखने वाले कलाकार, विद्वान या विशेषज्ञ) आवेदन करने के पात्र हैं।

सभी तरह से पूर्ण आवेदन इंप्लयमेंट न्युज/रोजगार समाचार में विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 45 दिनों के भीतर नागालैंड के माननीय राज्यपाल के कार्यालय, राजभवन, कोहिमा में पहुंच जाने चाहिए। आवेदक की पात्रता आवेदन पत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि को आधार मानकर निर्धारित की जायेगी। आवेदन पत्र और अन्य विवरण संस्कृति मंत्रालय की वेबसाइट:www.indiaculture.nic.in और NEZCC:www.nezccindia.org.in पर उपलब्ध हैं।

निदेशक
एन.ई.जेड.सी.सी.,डिमापुर